ভারতবর্ষের ইতিহাস। ৫

অতি প্রাচীন কালাববি বর্তমান কাল পর্যান্ত।

আনালমণি বসাক কর্তৃক সংগৃহীত।

দ্বিতীয় ভাগ। মুসলমানদিগের রাজ্যকাল।

> मश्रमाधि**७ हरे**स कलिकां छ।

বাহির মির্জাপুর 'বিদ্যারত্ব হক্তে ভিতীয়বার মুক্তিত।

> শকাৰ ১৭৮০। ৰঙ্গাৰ ১২৩৫। ইংয়াজী ১৯৫৮।

স্চীপত্র।

স্বভীম অধ্যায়।

মুগলমানদিগের রাজ্যারস্ত।

व्रह्मारम् व किमा,	-	3
कांत्रवनिदशः मिविकसः,	-	3,
আর্বজাতি কর্তৃক ভারতবর্ষ প্রথম আক্রমণ.	-	Ħ
माळेळ्डात धारमटमह छेच्छि,	••	br
বোগদাদ রাজ্যের বল হ্রাস,		
বোথারার রাজার স্বাধীনত প্রান্তি,	~-	20
थात्रामारमञ्जाकां कर्ड्ड शक्तमीरङ त्राक्रधांमी स्राधन.	-	(2)
আবস্তগীর রাজস্ব,		25
সৰক্ষণী রাজা জ্যুপালের সহিত যুক্ক,	-	: 5
শ্বক্তপীঁর চরিত্র-		>₫

নবম অধ্যায়।

गजनीदमनीय बाकादमत बाक्य।

মহমুদ গজনবার রাজ্য প্রাপ্তি, ও হিন্দুদিগের ধর্ম নাশের প্রতিজ্ঞা,

स्रोत्रजनदर्भ डीहोत ध्रांश्रम याज - नाद्रशत स्रोक्रमण	-	٩
দিতীর যাত্র:ভাতিয়া রাজ্য আক্রমণ,		5 to
ज्डीय माळा इनजान क् य.	-	3 🌣
त्थोद्रानाटनत युक्त,	-	ক্ৰ
চতুর্থ যাত্রা—রাল্লা অনক্ষণালের দহিত যুক্ত,		₹₩
नभवरक्षि इस,		3.5
পঞ্চন যাত্র—সূত্রতান জাধিকার,		\$ \$
सके शंब'कु प्रदेशक व वां जोटन यत खूरेन.		S.
ৰপ্তম ও অফীম যাত্রা –লাহেছার আক্রমণ, কাশ্মীর ভূঞিন		₹@
मा डेक्टरकांत अधिकांत.	***	ર ૪
नतम योजा –कोनाकृत्क व्यक्तिमन,	-	ឆ្នាំ
মণুর জিল, মহাবন ও নঞ্জ ও আরি হ স্থান আক্রমণ	-	ગ્ય
अभगी नवात कोंगेलिका निर्माण,	-	۵¢.
দশম ও একাদশ যাতা—কালিঞ্জরের রাজার সহিচ্যুক্ত	,	d)
कोनाकुत्व वृथेन.		৩১্
লাহোর গজনীর অধীন হয়.	-	জু
ष्ट्रीमन यो द!— सज्जत है क्य, त्याममात्थर मन्द्रि सुरुव		15 2
জাঠজাতি নিপাত, মহম্মদের চরিত্রে,	•	80
ম স্থলের রাজস্ব, মর ষডীর ও হাসিত সূর্য জয়,	-	89
নেলজখনাতি,	-	¢ o
মসুদের রাজন্ম, দেলজগদিগের উপঞ্জর,	**	αĎ
হিন্দুরাজানিগের পুনর্কার যুক্ষনজ্জ। ও প্রাবল্য,	-	a >
थारकदर्शनन, धारलदरीम, कंद्रांचकाम,	**	43 G
ध्वाट्स, त्रमञ्चित्रभद्र महिङ मिक्क,	-	4
হিতীয় মন্ত্ৰদ,		G 28

অনুসিল',		
बक्तांग. भ क्रमीतां का ध्वरम,	. .	99
र्थमक क्षश्या,	•	6.2
अ त्क विकीत.	•	¢\$
	•	ď.

मर्भेश अशाहा।

• গে¦রচেদশীয় রাজে (দিগের রাজে ভু		
भावां हेफीन (भारी)		
भ उसाम छेम्बीन दर्शानी,		20
চক্রন গোরী ভদস্জ গওয়াস্থলীলের সেনাগতি আক্রম্থ চোল	•	\$ 5
भातजनर्भ काक्रमण करतम, अनुत्राहण गांचा,	इंदे हो	
विश्वतीकानिरंभत गुरुतिरक्षमः	**	87
निसीतांद्रात मिंड उ युदक मरुभन शतांक्रिक,	*	૭૭
छ। ते उत्दर्भ के बाब के कर्मा ने शेंदा क्रिक है,	•	28
भावज्वार्द्ध होत्रांत गुमर्शको का कुक क्रम् कु	•	47
कु उट छ कीन कर्ज़ के निल्ली करिकांड, कार्य कार्य युक्त. सुमलगानिमालन अकार्य	-	9.0
भूमन मानि मिट (त शकाशीदन शिवा: ७ त्नकांत्र क्य ७ भ ७ या खुकीर नत्र मृष्ट्रा,		
माटवर् छेकीन मञ्चाम (शांती,		9:
र्धेक्ट वर्गन व्यक्त (श्रीती,		ري ا
জীহার রাজস্বপ্রাক্তি ও চরিত্র,		
महत्त्रज्ञ (भारती विकीय, भारतीका का स्वरम,		en .

একাদশ অধ্যায়।

দিলীতে পাঠানদিগের রাজ্যারম্ভ।

कुछबर्डभीन निसीटल द्राज्यधानी ज्ञालन करवन,	- 244	90
উ ভার পূর্ব্ব বিবরণ ও চরিত্র-	•	ď,
आहर्म,	-	94
হালডমাস,	-	(SP)
জিলিন খাঁয়ের ভারতবর্ষ আক্রমণ ও উপদ্রবন	•	35
বেহার ও বন্ধদেশ অধিকার,	-	<u>ው</u> ን
অন্য অন্য যুহু, কুতৰ মিনার	-	₽,5
क्रकतुः कीन,	4	40
বেজিয়া বিগম, ভাঁহার ক্ষমতা, রাজশাসম, ও চরিত্র,	•	9 8
मग्रक्षुकीस वहत्रामः	•	४७
ज्ञाला उपनेन मञ्जन,	-	ক্র
নসীকুদীন মহম্মদ-ভাঁহার রাজশাসন ও চরিত্র	-	7 9
वालीन उं! शंत वाक्रमामन ७ धूमधीम,	*	20
বঞ্চেশে বাত্রা,	•	20
বালীন আপনার পুত্র কেরাকে তথাকার স্থবাদার করে	7	৯৪
টককোবাদ—টাহার ই জিয়ন্ত্রে মন্ত ভা এবং পিতার ^হ	4 7 7	r i a
যুদ্ধার্থ গমন, পরে তাঁহার সঙ্গে পুনর্মিল,		. >0

হাদশ অধ্যায়।

বিলিজী রাজাদিপের রাজশাসন ৷		
स्वाब उपिरमद्र गांक्स.		. »»
বিজেক্তিকি, ভাষার কারণ,	*	>00
आंका डेकीन वर्ज़क गर्शतांकी दमन क्रय,	-	:
काया उन्हीत क्यान उन्हीन क इडा, करत्त,	**	308
िक्रितमोल:		200
कालां के की त्यह है। के क	-	509
अकटा दि युक्त,		œ.
अमर्रिकामां अभिन्न कमना चाना केरीरनद बाज	র†ণী	•
क्टब्रस,	-	7012
रगाभव देमानाह धुन्हाभूमम.	**	۵۵۶
भीनगरमय द्रांका लश्रांत ८५की,	-	222
डाजरिटमाँह,	***	353
िलूद क्रम ७ जरक्षीय वाक्रमगांत कोलल.	***	778
মোগলদিবের আক্রমণ ও শান্তি	-	:50
कत्रमान दूर्वन,		358
द्वराज दमती.		্ৰে
हिन्द्र ७ भूमलगांन निरंशद भटवा विवासित.		229
श्राणिकीरमद क्लांदाका. धरः मुख्य धर्मा ध्वकांभ		
ও शुधिरी अंदग्र नांशी,	بالسر	258
িটোত বৃদ্ধি, বিজোটের মূল, তাহা নিবারতের উপায়	4	, २ a
দুতন নিয়ম ব্ৰেশ্বলি,		58.5

Ð			
,	* +		19.
Α,		***	4
		aire	25 0
	. N.	Marian Na	

व्यामन वशाय।

ভোগলক গোঠীয় রাজাদিগের রাজ্ব।

श अस्मिक कीन,		-	3180
निकिन द्राटका विटमार,		*	4
वक्रानाम गांजा, विष्कांक् नमन,		-	; 03
মহমাদ ভোগলক, ভাঁহার বিদ্যা ইত্যাদি			308
मिकिन दमन अग्न, शांत्रम दिना जग्न कतिवात है का		-	793
চীন দেশে যুদ্ধবাতা,		-	208
काभरकत है।का वावशास्त्र (६४छे!, अल्झना			
প্রক্রাপীড়ন ইত্যাদি	•	-	7.96
গঞ্জাৰ মালৰ ও ৰঙ্গদেশে বিজেশি			>28
वक्टमन उदकानांदि श्राधीत,		ny	, at
দেবগিরিতে রাজধানী-		-	ু ৬ ব
গুজুরাটে রাজবিদ্রোহ			>0P
मक्किन बारका स्मिश्रत्नवी ब्राका चौश्रम करवन,		•	580
काकत थाँदाव भूक विवतन,		·	d
মহন্মদের কর্ম ও চরিত্র,	4	٠	787
কিনোজ ভোগনক,	. '	*	>82
बक्रदहर्भ श्रुमंत्रधिकीय्त्रत दृष्ट्यी,			180

्रमाहिष्ठकत्र कर्ण्य भटनामिर्दिम,	~	288
মন্তির রাজ্যশাসন ও কুমন্তব্য,	-	2842
গ ওয়াস্থদীন দ্বিতী য় [ঁ]		289
चार्दक.	-	ক্র
नशीक्षप्रीम,		781
मङ्ग्राम, त्रोटका निविध विशव,	-	484
তৈমুরলক বাক্তা আক্রমণ করেন, তাঁহার র্তান্ত, চরিত্র,		
ও তৎकर्जुक मिल्ली नगद्र मध्य ও सूर्वन,		500
निही नगर राज्ञान्ताः	14	२१२
अविकाशनी क्षाविकाली त्यापाः अत		
চতুর্দশ অধ্যার।		
. Hashing global-yelf		

देन प्रमवर्भीय वाकामिट धव बाक्य।

খজর খা.	44	34.3
रम!तात्रक,	-	८७२
मरुमान.	_	793
आना डेमोन,	ف	300

লোদীবংশীয় রাজাদিবের রাজত্ব।

विद्वानी (लामी —डाँड्रांड भूर्क विदर्दः	>%9
कारामभुत भूमत्रधिकातः	 . 262

निकार है.			
		-	399
ত্রাত্গণের সহিত উচ্চার বিবাদ,	•	-	398
তাঁহার ফরিত্র, হিন্দুদিগের অভি স্বেষ,	Ti.	-	্র
कद्रांटर्म,			:45
ভাষার চরিত্র,			
		•	Œ
निविद्युत्र महिङ एक.		-	: 9 9
ববিরকর্ত্ব ভারতবর্গ জবিকার,			s.
श्रोधित द्वाजा ८५.२,			

ভারতবর্ষের ইতিহাস 🕏

দ্বিভীয় ভাগ।

অন্টম অধ্যায়।

भूगवमान नित्यत वा**ज**ातंत्रः।

পুর্বে লেখা গিয়াছে হিন্দুরালোর প্রাচীন বুজান্ত পারাবাহিক বা কালসমন্ত্রিক নহে, অতএব সেই সকল বুজান্ত না লিখিয়া মুসলমান্তিগের রাজ্যারম্ভ অববি ইতিহাস আরম্ভ করা ঘাইতেছে। এই সময় অবধি বে সকল বিবরণ পাওয়া যায় ভাহা প্রাকৃত ও ধারাবাহিক, বং ভাহাতে কালের ব্যাতিক্রম দুটী হয় না।

ভারতবর্ধের ইতিহাস।

वा व्यक्तियाव श्रुका कहा डेरिंड मध्दा पाश्वा धर् धर्मा অবলহন না করিয়া প্রতিমা প্রভা করিবে ভাহাদিগকে ভ্ৰকণ্ৰ ৰজামুখে পাতিত করা উচিত। যাহার। এই ধর্মের রজির যতু করিবে ভাহাদের পরকালে পারম সুখ হইবে। আরবদেশীয় লোকেরা প্রথমতঃ এই ধর্ম অবলয়ন করে নাই, প্রভাত মহম্মদের প্রতি খু ৬২২ বিয়াচিল, ভাহাতে জং ২৭২৬ সক্ষদ মদিনাতে প্রায়ন করেন। এই বংসর অবধ্রি হিজারী শক আরম্ভ হয়। তদ-नस्दत भरम्भ यनिमाटण शाकिया व्यटनक मनुसाटक আপন মতাবলম্বী করেন। পরে বহু লোক সমভিবা।-হারে ম্ফ্লাডে আসিয়া অস্ত্রকতে আপন ধর্মা এচলিত কবেন। সেই পদ্ম এইকংশ চলিতেছে। অতঃপর कत्वम ।

মহস্যদের মৃত্যুর পর তৎপদাভিষিক্ত ওমার থলিফা পদ গ্রহণ করিয়া বোগাদের রাজা হইলেন। এবং রাজা প্রজা সকলের প্রতিক্তা হইল, পৃথিবীর ভাবৎ হানে একদাত ধর্ম প্রচলিত হয়, আর কোন ধর্ম না থাকে, এবং সকল লোক মুনজনান পর্ম অবলয়ন করে। এই প্রতিক্তা করিয়া আরবদেশীয় সমস্ক লোক অন্ত্র ধারণ পূর্বক ধর্ম চুলে বাহির হইল, এবং ধনলাভ ও পরমার্থ স্থাবের আশাতে উত্তোহারা ঐ কর্মে একান্ত-মনা হইটা একেবাঁরে দিগিলয় আরম্ভ করিল। ভাহা-দের খড়লাপ্রে বড় বড় রাজার নড় শির। ইইতে লাগি-কেন।

ेषाहि छीप्र अस्य बाका बे मगद्य व्यमना कानी ग्रहा द मोबारका हिम जिम, धनः श्रुकानमिरगद कमहानत्स मक्ष्यांग्रे, रहेगांहिल । अवर পात्रम्भीय वांकांनिटण व তাতুল বলবীয়া ছিল না, ভাঁহারা কথন্ আছেন কখন্ नारे वरे छाव आख रहेग्राहितन । जङ्यर कररे আরবদিগের সঙ্গে নংগ্রাম করিতে সক্ষম হইলেন না। ভাহার৷ মার মার মধ্যে চতুর্দ্ধিকে বিস্কৃত হইয়া পড়িল, এবং শহমদের মৃত্যুর পরেই পারসরাজ্য চিম্ন ভিন্ন করিল। তাহার ছইতিন বংসর মধ্যে রুমরাজ্যান্তর্ণত নিরিয়াদেশ জন করিল। ভৎপরে আফিকাভে রোমানদিগের যাবভীয় অধিকার হস্তগত করিল, এবং ইউরোপে স্পেন ও ফরাস দেশ অধিকার করিল। এই প্রকার মহম্মদের মৃত্যুর পর একশন্ত বংসর অতীত না হইতে ২ ইউরোপ আফিকাও আমিয়া থওে মহা-व्यवस छेणाइ ७ इरेन । आंतरनता मकत रमन कर করিতে লাগিল। ভাহাদের খঙ্গাত্রে সকল লোক নত হইল। স্থানাৎ বোগাদ দেখা অতি বিখ্যাত হইন।

फेटिल, धर्म एकच् त्रांनांनिरशत मारम छानव भवती কল্পানিত। হইল।

নখন এইরপ সর্বত আর্বদিসের জয়পতাক উজীয়মানা হইল তখন স্বৰ্ণভূমি ভার্ভভূমি তাহা-दमन करक मा शिक्दव देश मञ्जाविक सरह। महसारमन ভত্ত বুড়ার ৩৪ বংসর পরে, অর্থাৎ হিং রাজ্য আক্রমণ করিল। তাছার কলেক বংসর পরে ভাহার। সুমর্কার মুল্তান পর্যন্ত আমিল। তৎকালে তাহাদিগের এমন অভিপ্রায় ছিল না রাজ্যাধিকার করে, কেবল ভারতবর্ষের অবস্থা অবগত হয় ইহাই कारायम मानम किल। रेकश्र्यं वर्षन अगात, অসমান, ও আলী বোগাদের সম্রাট ছিলেন তথনও कांत्रदेश मिक्क (मटम्ब यूनदी मात्री रहनार्थ के (मटम সর্বদা গ্রমনাগ্রমন করিত, ভাহাতেই মণ্ডে হ দ্বভাদি হইত। এই উপলক্ষে তাহার। একবারে ঐ দেশ আক্রমণ করিয়াছিল, কিন্তু জয় লাভ করিতে পারে HATELON TO THE RESERVE TO SHELL TO

भन्छत्र अग्रामीम मर्खाटकेत ताक क्वाटन मार्ट विवास জ্ঞানের। ওরুত্তর হইষা উচিল। ভাষার কার্ন। সিস্কু নিপীর কটে দেবাল নামক এক স্থানের নিকট একখান ্লারকদেশীয় জাহাজ বৃতিত হইয়াছিল, তাহাতে

स्मनभागतीला।

আরবদণের এই রীভি ছিল, কোন নগর আক্রমণে উদাত হইলে ভাহারা নগরত লোকদিগকে বলিয়া পাঠাইত ভোদরা মুসলমানধর্ম গ্রহণ কর, নতুবা কর দান কর। ইহাতে সম্মত নাহইলে মুদ্ধ হইত। যুদ্ধের পর ভাহারা বোদ্ধা ও সৃদ্ধপারগ ভাবহকে বিনাশ করিয়া জী বালক সকলকে রণবন্দী করিয়া বিজ্ঞার

कांभीय त्रवान लग्न कतिया जानाशिमश्राक प्रकासन तिया स्मनमान रहेत्क वनित्तन। जानाशिम छाहा विवाद कतिहान ना । कारात्क जिनि ४१ वरमद्वस

উक्ष कावद प्रमुधादक चंक्राग्रेटचं कार्यन कतिया अविभिन्ने वानक अ औरमाकिभिनत्व नन्दी कतिरामम । एरशादत জিলি সেহান ও সালীম নামক হুই হুণ কায় কায়লেন। অন্তর রাজধানী আঞ্চনণ করিছে ঘাইবেন এসন সময় थीरत्र द्रेष्ण हे चूज अटमेंक रेममा ग्रेश जाशा अरक যুদ্ধ করিতে গুন্তত হইলেন। কলোমের সৈনা অধিক ছিল না, অভএব ডিনি স্থাদেশ হইতে গৈনোর, আনি-बात आशारम जयम अध्यमत रहेर बम मा! जरशास ষ্টুই সহজ্ৰ সেনা সমাগত হইলে তিনি তথায় যাত। করিলেন, কিন্তু যাইয়া দেখিলেন সিন্ধুরাজ ৫০০০০ रेमना बरेश दशर गूजार्थ अञ्चल रहेगारहम । कानीय हेश दिश्वा हो । मध्यात्म व्यक्त ना करेगा अक्रो फेक खान आखर कतिया थाकिएनन। जाहांक के चारनरे जाकन्य कतिरमन, किन्छ लिन নৈ হাজপুঠে আরোহণ করিয়া যুদ্ধ করিতেছিলেন, হঠাত সেই হস্তী উন্নত ভাষে নদীনীরে পড়িন। ভৰ্মজীহার উপর অনবয়ত শ্রহ্টি হইতে লাগিল। ারালা, শরাঘাটেড কড় বিক্ত হইয়া হক্তী পরিভাগে श्रीक व्यवादिशंकरन युक्त क्षित्रक व्यक्तित्वम, किन्न व्यव-८म्बिन्डल एडेरनन् ।

भिक्ष्त्रेख प्रश्नाची श्रेटल छीरातः त्मनार्गण शनायम कांत्रम, अन्द ह्राकिट्रक सूटक कक्ष्म स्ट्रेश आक्षानारम

প্রকান করিবেন। এই সময়ে রাজরাণীই বংশের नाय जन्म विज्ञित्वन । जिनि भनोत्रदेशीय देशमानंगदक একত कतियां नगत तका कतिएक माजिएसन । कानीय লোন প্রকারে সগর প্রবৈশ করিছে পারিলেম ন।। কিন্ত বখন হিন্দুদেশুনাদিগের আহার দ্রবা শেষ ইইল ত্তখন ভাষাদের আর উপায় রহিল না। রানী কি কবেন নিরুপার হইরা অপনান ও ধর্মনাশের ভরে, শ্ৰলকুতেও প্ৰাণভ্যাগ করিলেন। ইহা দেখিয়া নগরত্ जार< नाती आभिनादमत मस्तानामि वरेशा (यहे खकात স্মাতে প্রাণার্পণ করিব। अन्छतः श्राहरूर गुड्डा-मका कतिया गण्तरुट्छ भेक करेक आर्दभ कविया समय সাহস পূর্বান্ধ বুদ্ধ করিতে করিতে সকলো মরিল, এক व्यानी ७ वैष्ठिन ना । पूर्वतकक स्मनागन अक्रश व्याहतम ার নাই, কিন্তু ভাষাতে ভাষাদের সদ্পতিও হয় নাই, देनना धर्मकटम्रत शत जाप्रत्यता छात्रामिणटक वक्तापुरको वर्णव धर छारादमत जीभुवामित्क हित्रवनी कतिन। এই ব্যাপারের পর মুনতান প্রভৃতি ভারে নিশু: वाका भातवाधीन इहेन। हिन्दु ग्रन्थ रहता रन्द्रश्म े नमद्या चाइ छवटर्र महा छवन् न शिक्षाहिन, बार्छ-छ । विक्रमात जताम भवागन कतिरवन, जाजभीदवत চোহন वर्षीय महातीत मानिका झाउ शताबिक व इक. वन्द्रा होने हो दिनीय दोने ही होना सके इन्टरन ।

এই শক্তকে হিন্দুগ্রন্তকারেরা কেছ ক্ষর, কেছ মায়ারী, কেছ মেন্দ্রবিয়া বর্ণন করিয়াছেন।

দিকুজনের পর কাশীয় কান্যকুর্তে বাইবার দানস করিয়াছিলেন। কোন কোন প্রস্তুর্বার লেখেন ডিনি বিরার রাজ্যে উদয়পুর পর্যন্ত গিয়াছিলেন। কিন্তু ছয় সহজ গৈনা লইয়া ডিনি ডখায় মাইবেন, ইয়া বিশাস হয় না। কেহ বলেন ডিনি ঐ স্থান পর্যন্ত গিয়াছিলেন, কিন্তু রম্বৎ শতিলক প্রীরাষ্চ্যন্ত্রের পুত্র ফানের বংশোদ্ধব গুহপরিষার্ভ বাপা নামেন এক রাজপুত্র উাহাকে পরাস্ত করেন।

জারবের। ধর্মান প্রত্ত হইয়ারে সকল দেশ আধিকার করে, ভলগো মাউক্ষরার প্রদেশের ফেনল উল্লাপ্ত হইয়াভিল, জার কোন দেশের তদ্রপ হর দাই। বি স্বাভা হিস্কুলের উত্তর পশ্চিম বাগীন-ভাতার বিলয়া খাগে। ইয়ার পশ্চিমে কাল্যিয়ার সমূত্র, পূর্বেই ইনাম প্রবেশ্ত দক্ষিণে আক্ষান্ত না এবং উত্তরে কাকজাতিস নদী প্রবাহিত আছে। এই দেখের ভূমি অতি উর্মরা এবং জল বায়ু ছাতি স্বাস্ত্যকর, ভগাপি তক্রম কোকেরা ক্ষিক্ত বা এক ছানে বসতি না ক্রিয়া সম্পুদায়বজ হইয়া নির্ভর দেখেই যুক্ত করিয়া বেডাইড, একস্থানে অধিক কাল বাস করিত না, এবং ঘেখানে নখন পাকিত বস্ত্রালসে বাস এবং গোগেবের ছয়ে প্রাণ পারণ করিত।

ञांत्रकित्गत्र अकाविशेका-काटन आहे अटम्मक লোকদের ক্ষিকর্মাও রাজনীতি উত্মরণে শিক্ষা ্হতৈ লাগিল। প্রেন্তাহারা স্বীয় বাহবলে ক্রমণঃ অনেক দেশ জন্ম করিয়া ভস্তমরূপে রাজ্য করিতে আরম্ভ করিব। কিন্তু যে বোগ্দাদ রাজ্য হইতে এই দেশের উন্নতি, দেই বোগদাদ রাজ্য এই দেশ হইতেই উৎসন্ হইয়াছে। ভাহার কারণ त्वाभूमाम ब्राह्म अस्टि पृत्वर्की हिन, छाष्ट्राटक अरे त्मन्य भीननंकर्डाता करम करम जारी में हरेगा, जेन्स् गर्डः त्यात्रीमान, उपशद्भः शावत्मत्र अस्तर्के नक ध्यदम्भं क्रम क्रिडिंगम, अन्दर्भारय त्वीश्रम्म नगद्वत অতি নিকটবর্তী সান দকল অধিকার কবিতে লাগি रंगम्। काहारक त्वान मान ब्रांना कामर्श चंडास श्रीयरम ७ व्यक्तिकरकत्र इहेन, बन्द र्व रवान गोनानि

পাতির নামে ভাষৎ পুশ্বিরী কল্পমান হুইয়াছিল তিনি কাওপুভলির নগার হইগা থাকিবেন, জাঁহাব কোন ক্ষতা রহিল না।

ं अमस्त्र हिस्ती २७० अद्भ दर्शभाता अदम्पान ें पूर्व िनीमनकडी हेमस्मल मानानी दान-कर अभेव जिम्मी अहम पूर्वक उनाव बाहसासक হুইলেন্ব এই ইসংমল মালানীর বংশীয় রাজারা প্রায় একশত বংসর উত্তম্ভ্রণে রাজ্য করিলেন'। क्षममस्य करमर छ। शास्त्र श्रीकारमय थरान। इहेरक माणिल। अवरमस्य (हिम्बी ७०० दरमस्य) जीहा-दमत्र উन्दर्शास्त्रकाहिरुक्क विषदम धकते। लानदर्शन **उ**शिष्टिक हरेल । **उन्हें बा**रखनी गाट्य (बाह्मामान व्यत्माप्त्र भागनक्षी वाज्याज्य अमाना अतिहा षाशनि दोषा हरेरमम, धर हिमानग्रनिषग्नस् वीत-ক্ষপে বিখ্যাত পাঠানদিখের বাসহখী কাবুল ও কাকার ब्राटम्य जाराम राजास्क कतिया गणनी नगरत ताज-शामी कड़िएन ।

ভাবতারী প্রায় চতুর্দশ বংগর থাণীনকপে রাজ্ব করিয়া পরতে, ক গমন করিতো হিজরী ১৬৫ অর্জ আইজাক নামে উচিগর এক পুত্র রাজা হইলেন। পু ৯০৫ করিয়া বিশ্বমান পরতোক গমন করি লের, ভাষাতে আবস্তুগীর সৈন্যগন ভাষার দেনাপৃতি সবস্তুগীকে রাজ্পদ প্রদান করিল। সর্বন্ধগী
আবস্তুগীর জীত দাস। কথিত আছে, তিনি পূর্কে
পারসদেশীয় রাজপরিবারস্থ ছিলেন, প্রার্ক্তা ধ্বংস
হইলে এক নুসাজন ভাষাকে তথা ইইতে আনিয়া
আবস্তুগীর স্থানে বিক্রয় করেন। আবস্তুগী ভাষাকে
লালন পালন করিয়া উচ্চ পদ দিয়াছিলেন, এইরপে
তিনি ক্রমেই রাজসেনাপতি ইইয়াছিলেন, ভ্রনস্তর
ভাবস্তুগীর মৃত্যুর পর তিনি ভাষার কন্যাকে বিবাহ
করিয়াছিলেন।

এই সময়ে রাজা জয়পাল লাহোরের অধিপতি ছিলেন। এবং উভরে হিন্দুকুর্শ অবধি পশ্চিমে লাহোর, পুর্বের কাশ্মীর, ও দক্ষিণে মূল্ভান পর্যান্ত ভাঁহার অধিকার ছিল। ইহা ভিন্ন দিলা, কানাকুব্জ, নিবার ও ওজরাট এই চারি রহৎ রাজাও ছিল। দিলার পুর্বে সীলা কালী নদী, এবং পশ্চিম সীমা নিকুনদী ছিল। এই রাজ্যে ভুবার বংশীরেরা রাজত্ব করিতেন, ইহারা সর্বাঞ্জধান ছিলেন। কানাকুফেলর উভর নীমা পর্বান্ত, পুর্বা নীমা কাশী, পশ্চিম নীমা রুল্লেকও, এবং দক্ষিণে নিবার। এই দেশে রপ্ত বংশীরেরা রাজত্ব করিতেন। মিবাবের উভরতারাবলী পর্বান্ত, দক্ষিণে নার প্রমান্ত বং পশিনে ওজরাটি।

ভারতবর্ষের ইতিহাস।

এই স্থানে শুহলোঠেরা রাজা ছিলেন। শুলরাট রাজ্যের পশ্চিমে সিন্ধু নদী, দক্ষিণে মহাসমুত ও উত্তরে নকভূমি, এখানে চালুকা বংশীয়েরা রাজ্য করিভেন। ইহা ভিন্ন পুর্বাঞ্জনে বলদেশ ছিল, তথায় বৈদ্য বংশীয়েরী রাজা ভিলেন। অভি দক্ষিণে মধুরের রাজারা রাজ্য করিছেন। কিন্তু ভংকালে ভাটোর পরিবারস্থো প্রবল্গ হইয়া উঠিভেছিলেন। দক্ষিণ পশ্চিমে যাদ্র বংশীয়েরা রাজা ছিলেন। ভাছাব উত্তরে খন্দেশ প্রদেশে চালুকা বংশীয়েরা রাজ্য

ইতঃপুর্বে হিন্দুরাজের প্রায় বিল ছিল নার মুসলমানদিগের এলি অরথি হিন্দুরাজের উৎপাত আরম্ভ
হইল। কিন্দু মুসলনানেরা প্রবল হইলে পরেও প্রায়
চারি নাত বংসর পর্যান্ত হিন্দুরাজ্যান কতক সক্ষ
ছিলেন। পরে এখন তাঁহারা গলনীতে রাজ্যানী
করিলেন, তখন সে সক্ষেতা দূর হইতে লাগিল।
মুসল্লানেরা করেই হিন্দুরাল্লা আক্রমন করিতে
আরম্ভ করিলেন। হাহ। মেলিয়া লাহোবাপিপতি
জ্যাপাল বিবেনে। করিলেন, ভালাদিগকে দমন বা
স্থানান্তর না করিলে হাহারা জনে ভারতবর্ষের ভিতর
ভানিবে। অভ্যার কনে ভারতব্যের ভিতর
ভানিবে। অভ্যার সক্ষীয় রাজসিংহার্ক
ভারোহণ করিলে পার, তিনি ভানেক দৈনা সংগ্রহ

করিয়া, তাঁহার সহিত যুদ্ধ করিবার জন্য গজনী অঞ্চল লে যাতা করিলেন।

সবক্তনী জনপালের রণোদ্যমের সংবাদ পাইনা भरेमस्या शक्रमी इंडेरेंड याजा कहिलन : शुरत कांतुल ও পেলোয়ারের মধাবর্তী লগ্যান•নালে এক স্থানে উপস্থিত হইলে বিপক্ষানার সহিত সাক্ষা চইল। छेख्य तमना थे स्थारन थाकिया कटबकवात गुष्क कतिल, किछ ভাষ্ড अवाजय धार्या स्टेन ना । शर्व अक्टा এচন্ত ৰাজ্য। উপস্থিত হইয়া অনেক হিমানলা প্ৰিত ছইল। হিন্দু সনাগণের অভিশয় (হিন সহা ছটত মা, ভাষাত্ত শীভাতিশয়এমুক্ত ভাষারা নিতান্ত কাত্র হইল, ভাছাতে রাজা জয়গাল সাধা প্রার্থনা করিয়া, সও্তরূপ ক্ষেক লক্ষ্তা ও ৫০টা হস্তী নেওয়া ধার্য্য করিলেন ৷ পরে কতক টাকা নগদ দিয়া অবশিষ্ট টকার প্রতিভূষরপ করেক জন সম্ভান্ত লোককে সৰক্ষণীর নিকট রাখিয়া আপন রাজ্যে প্রত্যাগ্রম করিলেন। তরনন্তর কার্পনা প্রশুক্ত হউক বা লক্ষা বশতই ইউক সেই অজীকার পালন না করিয়া, गरक्षी টাক। ও रखीत क्या व मक्ब लाक श्रित्र क्रिशाहित्वन छाशामिश्रदक आष्ठेक क्रिश विनित्वन गरक्रभी প্রতিভূগণকে প্রতার্পণ না করিলে তিনি ঐ मक्त ब्लाक्टक मूक्ति भिरवन ना। हेकिमस्था बाजा 2

জয়পাল দিল্লী, আজমীর, কলিঞ্জর ও কান্যকুর্জের রাজাদিগের নিকট পাত্র লিখিলেন তাঁহারা হিন্দুধর্ম রক্ষার্থ ভাঁহার সহায়ত। করেন।

সবক্তগী জনপালের অভিপ্রায় জানিয়া পুনর্কার রুণসজ্জায় যাত্রা কলিলেন : রাজা ক্রপাল এক লক अवादतारी ও वहमञ्जाक लामानिक जना ও तनमा छ 'লইয়া দীহার দহিত যুদ্ধ করিতে গেলেন। কিন্তু দুদ্ধ কয় করিছে পারিলেন না। সরক্রণী ভাঁহাকে পরাত্তর করিয়া ছিল্ফুকুশ ও পেনোয়ার দেশ একবারে অধিকার করিলেন। এবং তিনি গেসোমার দেশ বুকার্থে এক জন সেনাপতি নিযুক্ত করিলেন: ঐ দে**নাপতির** অধীন দশ সহত্র অথারোহী গ্রহরী বহিল। এবং পর্যন্তবাদী থিলিজি পাঠান স্থাতী-গ্ৰের। সবস্তগীর অধীনতা স্বীকার করিল । ইহারা পুরের ২ লাহে।র দেশে সর্বাণা উৎপাত করিত। ভাহাতে আর্বদিগের আগমন অবধি লাহোর দেশের রাজারা ইহাদিগকে পর্বাতের কিয়দংশ অর্পণ করিয়া धरे थार्ग कतियां जिल्लान, देशांता उथाय थाकिया आंत्र ফোন শক্তকে ভারতবর্ষে প্রবেশ করিতে দিবে না। मूंख्यार छोहाता दावतकरक्त एक्स हिन, धरे छन। কোন শক্ত ঐ পথ দিয়া ভারতবর্ষে আসিতে না পারিয়া, তৎকালে সিস্থা দিয়া এই দেশে গমনাগমন করিত। ববক্তগী তাহাদিগদে আপন অপীন করিয়া रम्हे बल्जावस्त्र धुष्ठाहेश फिल्जन ।

এই ব্যাপারের পর সবক্তগী ভাতার দেশে মুদ্ধার গমন করিয়াছিলেন, এজন্য ভাষ্ট্রতেই আবিতে পারেন নাই।

শ্বজ্গী অতি জ্ঞান্ধান ও দ্যাল্যভাব ছিলেন, এবং অন্যান্য রাজাদিগের ন্যায় ঐতিক সুখের পরতন্ত্র ছিলেন না। কথিত আছে তাঁচার দ্বিতীর পুতা মহমদ এক অপূর্ব্ব অটাবিকা প্রস্তুত করিয়া ভাঁচাতক ঐ অটা-লিকা দেখাইয়া ভাষার সৌন্দর্যোর কথা জিজাসং করাতে তিনি **উত্তর করিলেন বে, অটা**লিকা জলবিলের नाशि, कनकारी यांज काशी. अमन अकल करा आंभटतं द रेख नर्ट, य कर्म कविरम महेनारसङ नाम जाबनायांन থাকে ভাহাই কয়া মন্তব্যের কর্ত্তব্য। সবক্তনী বিংশতি গু ১৯৭
বৎসর রাজ্য করিয়া, হিজরী ৩৮৭
কং ৪০৯৯
আজে, পর্লোক গমন করেন।

নব্য অধ্যায়

भजनी अमेरीय तांकारमत तांकाय।

भरसूम र अनवी।

নবজ্গীর দু চূরে পর ইম্নেল নামে টাঁহার এক পুঞ বলপুর্বক লাভা অধিকার করিয়াছিলেন। নহমুদ ভাতার মহিত মৃদ্ধ কবিয়া টাহাকে পরাজয় ও যাব-জীবম বন্দী অবত সরাখির। আপনি সন্তাট (সল্তান) নাম গ্রহণ পুজক লাভা ছইলেন। সংখ্যুদ অভাত গারাক্রমনালী রাজা ছিলেন, তভ্না বীর পুক্ষ আদিয়া থতে আর কেহ রাজ্যত ধারণ করেন নাই।

নহমুদ অংশ বর্তে সন্দিশ্বচিত্ত ছিলেন। তাঁহার প্রথম সন্দেহ এই, মতুগোর এই অন্মের পর আর জন্ম হইবে কি না। দ্বিতীয় সালেহ এই যে, তিনি সবজ্ঞাীর উর্ম-জাত পুলা, কি আর কোন বাজ্জির পুত্র। তাঁহার এই ছই সন্দেহ অনেক দিন পর্যান্ত দুর হয় নাই, পরে তিনি এক কম দেখেন, জাহাতে উভয় সন্দেহ দুর হয়। তদ্বধি তিনি ধর্মকর্মো নিতান্ত নিবিকীমনা ও উৎমুক্ত হইয়াছিলেন। কিন্ত হিন্তুদিনের পৌত্তিক ধর্ম বিনাশ করিলে ঈশ্বরপ্রিয় ছইবেন ইহা তাঁহার দৃঢ় বিখাদ হইয়াছিল, এজনা তিনি পূর্বাবিধি প্রতিজ্ঞা করিয়া ছিলেন, রাজা প্রাপ্ত হইলে তিনি হিন্দুদিগের ধর্ম একেবারে উন্মূলন করিবেন।

্ অতএব রাজনিংহাদনে উপকোন করণানস্তর, প্রথমতঃ পশ্চিম রাজ্যের উপত্রব নির্মন্তি করিয়া, মহমুদ পূর্ম্ব প্রতিজ্ঞা পালন জনা; সিন্ধু নদীর পালন্ত হিন্তু-রাজ্য ও দেব দেশী বিনাশ করিতে আরম্ভ করিলেন। তিনি দ্বাদশ বার এই রাজ্যে আর্লিয়াভিলেন। এই দ্বাদশ যাত্রার বিবরণ পশ্চাৎ লেখা যাইতেতে।

প্রথম যাত্রা।—প্রথম যাত্রার মহমুদ দশ সহজ্ঞ আখারোহী দৈনা লইয়া লাহেরাপিপতি জয়পালের সহিত যুদ্ধ করেন। রাজা জয়পাল সবস্তানী কর্ত্বক পরাজিত হইয়া তাঁহার অধীনতা স্বীকার করিয়াছিলেন। কিন্তু, তাঁহার মৃত্যুর পর, হিজারী ৩৯১ অকে, (য় ১০০) সে অফীকার উল্লেখন পূর্বক বছন্ত্রক, (য় ১০০) সে অফীকার উল্লেখন পূর্বক বছন্ত্রক, (য় ১০০) করিয়া পেশোয়ারের প্রান্তরে আপন স্বাধীনতা উদ্ধারের চেকায় তাহাঁর সহিত যুদ্ধ করেন। কিন্তু জয়নলাত করিতে পারেন নাই। মহম্মদর্শুক্রী হইয়া তাঁহাকে এবং তাঁহার সম্বিবাাহারী পোনের জন স্পতিকে বন্দী করেন। তাহাঁরী পার ভিনিশক্ষ্য পার হইয়া বাতেওা রাজ্য লুঠন

করেন, ভদনন্তর তিনি গজনীতে গিয়া রাজা জয়-পালকে মুক্তি দিয়াছিলেন। কিন্তু রাজা জয়পাল বার ২ ছইবার মুদ্দে পরাজিত হইলেন, ইহাতে আপনাকে কাপুক্ষ জ্ঞান করিয়া জ্লন্ত চিতায় আরো-र्ष पूर्वक छा। छात्र कतिरंगन। खराभारमत स्ट्रात পর তাঁহার পুত্র অনঙ্গাল গজনী রাজ্যের অধীনতা খীকার পূর্মক রাজয় করিতে লাগিলেন।

দ্বিতীয় যাত্রা।—ভদন**ত্তর (৩৯৫ অং**ফ) মহযুদ यूक्छारनद एक्टिंग छाडिया दोका आक्रमण करदन, বেছেডু রাজা বাজীরাও তাঁহাকে বিয়মিত রাজত্ব अमान करतन नारे। भव्यूप धरे त्राका जाकमन করিলে বাজীরাও সন্মুখসংগ্রামে গুরুত না হইয়া जिल्हिया नामक पूर्वमाला शाकित्वरा। पूर्व উভযরতে शकुरकी कहा किन, अवर हिन्दूरमनाशन एककाए विन-ক্ষণ সাহস প্রকাশ করিল, ভাহাতে মুগলমান সেনাগণ অত্রেক দির্গ পর্যান্ত চুর্গ জয় করিতে পারিল না। কিন্তু তৎপরে রাজার মনে কেমন একটা ভয় জায়িল, তাহাতে তিনি ছুর্গ রক্ষার্থে কতগুলিন বসন্য রাখিয়া, प्यार्थिन मिन्द्रनमी छीत्र अक खत्रत्य शनायन कतित्वन। শক্তদেনা ভাহার অনুসন্ধান পাইয়া ভাঁহাকে অর্গ্রা-মধ্যে বেউন করিল। তথ্ন তিনি অন্নেলাপায় হইয়া र्यानात्म्य कामकाव कासन रक्त बादा कासनादक

বিনাশ করিবেন। তদনস্তর গ্রনাগিপতি তাঁহার রাজধানী লুগন পূর্বক অসন্ধা অথ লইয়া সংদশে প্রত্যাগদন করিবেন।

ত্তীয় ঘাতা।—দাওদ থা নামে রাজপর্মাদেখী পাঠানস্বাতীয় এক ব্যক্তি মূলতান প্রদেশের অধিপতি বাজীরা**ওয়ের নহায়তা করিয়া**ছিলেন, অ**পত ভাঁ**হাত পিতা সবক্তগীর অপীনতা স্বীকার পুরুক শগপে করিমা-ভিলেন তিনি ভাঁহার অধীনে থাকিবেন। এই স্লগ্ন রাধের দত্তের জন্য মহমুদ পর বৎসর সমর্মজ্য করিয়া পুনর্বার হিন্দুখানে যাজা করিলে । ইতিমধ্যে রাজা - সনম্পাল পেশওয়ারের প্রান্তরে বহিচা উটোর প্র ज्यबद्धाय कतित्वान । देशांत्र त्याव छत एष्ट्र बहेन : অবশেষে হাজা অৱস্থান পরাস্ত হইয়া ক্লীরপর্বতে প্রায়ন ক্রিলেন ৷ মহ্যুদ মূলতানে হাইয়া গতে मिदन शर्गा**न्छ यो छान दिकेन क**दिया शक्तिरानन । দাওদ খা অপার্যামাণে উংহাকে ২০০০০ টাকা কর দিতে স্বীকার করিলেন, এবং খ্যুৎ রাজধর্ম গ্রহণ कतित्सम ।

ইহার পর তাতার দেশের রাজা ইলিক থা খোরা-সান লুইবার মাননে তথায় উপস্থিত হইলেন। তাহা-তে মহমুদ খোরাসানে বাইয়া ইলিক বাঁকে পরাস্ত ক্রিলেন্, এবং ভাঁহার পশ্চাৎ ধাৰ্মান হইতে উদাত হইয়াছিলেন। কিন্তু অভান্ত শীত প্রযুক্ত তাহা না করিয়া অদেশে ফিরিয়া আসিলেন। মহমুদ খোরা-নানে গমন গালীন মুসলমান-পর্মাবলমী মুপপাল নামে এক হিন্দুকে সিন্ধুগারত রাজ্য রক্ষার ভার দিয়া গিয়াছিলেন; খোরাসান হইতে প্রভাগমন করিয়া নেখিলেন, মুখপাল মুসলমানপর্ম পরিভাগ পূর্বক পুনর্বার হিন্দুপর্ম এবন করিশা ভাঁবার বিরুদ্ধা-চারী হইয়াছেন। অভএব ভাঁহাকে যাবজ্ঞীবন করিন ক্লেক্ক করিয়া রাখিলেন।

চতুর্থ যাত্রা — মহমুদ খোরাদানে গমন করিলে রাজা সনঙ্গল উঞ্চিনী, গোলালিয়ার, কালিপ্রর কান্যকুরজ, নিল্লী, আজমীর ও অন্যান্য রাজাদিগের মহিত পরামণ করিলেন মুদলমানদিগকে এ নেশে আর প্রবেশ করিতে দিবেন না। অতগ্র মকলে একর হইয়া মুজের ভুমুল সজা করিলেন। কথিত আছে এই মুজে এত দৈন্য একর হইয়াছিল, যে তজ্ঞপ সৈন্য সঙ্কলন বছকালাবধি দেখা যায় নাই। অনঙ্কল পাল এই সেনা লইয়া, হিজরী ৩৯৯ কং ৪০০ বিলাল করিলেন। মহমুদ এ প্রাক্তরে লালেরের প্রাপ্তরে গমন করিলেন। মহমুদ এ প্রাক্তরে লালেনা উপাছিত হইলেন, কিন্তু সংগ্রাহেন অসমর্থ

সেনাগণ ৪০ দিবস পর্যান্ত গড়ের মধ্যে বহিল, একবারও ষহিবতি হইল না। হিন্তু দেনারা বিলবে অসহন হইয়া। প্রথমেই যুদ্ধে স্থানর হইন এবং পর্যতবাদী অতি माहमी त्यावया काडीत्यवा महसूरमत तमना भरगत উপর এমত শররটি করিতে লাগিল, যে ভাহাতে जातक मुगनभागरमना १७ रहेन। किस कठीर अकरी অভ্যেনীয় ঘটনা উপস্থিত হইল, ভাহাতে হিন্দুদিগের একেবারে সর্বনাশ ঘটিল। ভাহার বিবরণ এই--धानक्षणील त्य रखीत अत्रे धारतारन कवियाहित्यन, त्महे इस्त्री अदमा एवं भाहेश द्वाकारक नहेगा द्वनहरू হইতে প্ৰায়ন করিল, রাজা ভাহাকে কোন প্ৰকারে কিরাইতে পারিলেন ন।। প্রাভা পলাইবেন এই বোপ করিয়া সৈনাগণের উদামভত্ব ও শক্ষা উপস্থিত হইল, এবং ভাছারাও রলে ভঙ্গ দিয়া শ্রেণীভন্ন হইয়া পলায়ন করিতে লাগিল। মহমুদ তাহাদের এই প্রকার ভীর-ৰুভাব দেখিয়া দকৈনের ভাছাদিপের পশ্চাৎ ধারমান रहेरलन, ध्रवर अस्तान विरम्धि महस्र हैमना चंद्रामर्थ व्यर्भन कदिशा वह व्यर्थ ও वह हन्ही ও व्यन्ताना जना आख स्टब्स ।

শহমুদ এই প্রকার হঠাৎ জয় লাভ করিয়া পঞ্চাবের প্রথা উত্তর নগরকোঠে যাত্রা করিলেন। এ স্থান হিমানয়ের অধঃশিখরত্ব এক পর্য়তের উপরে, এবং তথায় এক স্থানে মৃদ্ধিকা হইতে অগ্নি উটিয়া পাকে। এজন্য এই স্থবের নাম জালামুখী, এবং ভাহা হিন্দু-দিলের মহাতীর্থ স্থান। প্রস্তু ঐ স্থানে এক উদ্ভয पूर्व फिल, इंशांक जीमकूर्व बजा याहेल, हेकांत चांत क्रक করিলে কাছার সাধা ছিলনা যে ভদ্মধ্যে প্রবেশ করে : ইহাতে নিঃশক্ষ বোগ করিয়া আর ২ নিকটন্ত রাজগণ আপন আপন দেবালয়ের বাবভীয় ধন পুরুষাকুলণে তথায় রাখিতেন। এই ছর্ণরক্ষার্থ উপযুক্ত দেনাও পাকিত, কিন্তু পেশওয়ারেরা যুচ্ছে নিশ্চর জয়ী ইইবেন এই বিবেচনা করিয়া হিন্দু রাজগণ ঐ লুর্গ আফ্রেমণের আৰ্স্কানা করিয়া তত্ত্তেনাগণকে আপনাদের সঙ্গে লইয়া বিয়াছিলেন, কেবল প্রজকেরা রক্ষকস্ক্রপ ছিলেন। অভএৰ ষধন মহমুদ তথায় হঠাৎ উপস্থিত হইলেন, তথ্ন পুজকেরা একেবারে ছুর্গছার অরারিড করিয়াদিলেন, এবং প্রাণভয়ে উঁহোর পদানত হইালন। মহমুদ অবাধান ভাবৎ ধন প্রহণ করিলেন। ফেরেলু লিখিয়াছেন তিনি এই সূর্ণে ৭০০০ লক্ষ স্থ-মুদ্রা, ৭০০ নোন স্বর্ণ ও রূপার উত্তজ্ঞস, ২০০ নোন স্বর্ণের বাট, ২০০ মোন রূপা এবং বিংশক্তি মোন মতি হীরা ও আর ২ বছমূলা প্রভার পাইয়াছিলেন। মহমুদ वाजधानी क्षणाविज हरेया, जे नकत धन वाजनीवानी व्वाटकता व्यथित्व विनया कृत्यक मित्रम वीहरत मास्रो- ইয়া রাথিযাছিলেন, এবং দ্রিজ ও ধর্ম্বার্সাচী লোকদিগকে অনেক দান বিতরণ করিয়াছিলেন ৷

ইহার পর, ৪০১ জনে, মহমুদ হিরাটের পুর্বে গু ১০১০ কং ৪১১১ সুর বংশীয় পালন জাতিরা বাদ জরিত। মহমুদ তরামপারী তদেশের রাজাকৈ পরাস্ত কবিয়া ঐ দেশ জয় করিজেন।

পঞ্চম যাত্র। —ভংগরে ঐ বংসরেই মহমুদ ভার-তবর্থে পুনর্মার যাতা করিলেন, এবং মুলভান প্রদেশ ভয় করিয়া ভদ্দেশাধাক আনুলফতে লোদীকে বন্দী করিয়া কইয়া গেলেন।

মত যাত। — নগরকোঠের ভূগ জয় করিয়া নহমুদ কিন্দুদিগের বন বিজ্রন সকল বুনিজে পারিয়াভিলেন, এবং ইছাও দেখিয়াছিলেন যে ভারতবর্ম অভি ধনাত্য দেশ, অততবংশ স্থলে কুফপাগুবনিগের বৃদ্ধ হইয়াছিল ভনিক্টবর্তী, প্রাচীন ও অনেক অর্থে পূর্ব অভিমানা, কাণেধর * নগরে যাত্রা করিলেন। ইভঃপূর্বে নহমুদের সহিত লাহোরাবিপতি অনক্রপালের সৈত্রতাব ও সন্ধিপত্র হইয়াছিল, অভ্যাব তিনি লাহোর প্রদেশে উপনীত হইলে, রাজা অনম্বপাল অতি বিনীতভাবে

शुर्क अरे शांबरक कूलरकत रना गारेख

ভাঁহাকে পত্ৰ লিখিলেন যে, হিন্দুধৰ্ম বিনাশ করা আপনার যে অভিপ্রায় নগরকোঠের দেবালয় ভত্ত করিয়া ভাষ্য পূর্ণ হইয়াছে, অভ্রব তালেশ্ব পদনের ন্সার কি প্রয়োজন, জাণেশবের বিপ্রহ্মকল চিত্দিগের অভিযান্য, ভাহাকে প্রতি কোন ব্যাঘাত ক্রিবেন না, बद्धक की ज्ञादन दब दाकक मध्यार रहा छ। छ। छ। छ। छन। रमञ्जा याद्देव । प्रसूप छेलत क्रिक्रम व्यक्ष्यात्मत धर्मात्रव दिनाभ कदिएन आश्रीटमत भएमाँ र राज्य र राज्य হটতে পারে না, ভাগরা এই ধর্ম যত আদিক প্রচার করিব পরকালে ভাষার ভত পুরস্কার পাইব, অভএব আমি ভারতবর্যহইতে পৌরুলিক ধর্মের মূল একেবারে উচ্ছেদ করিব, ভাগার কোন চিক্ল রাখিব ন।। ইহ। বলিয়া তিনি তাণেখনে ধানা করিলেন।

भिन्नीय बाजा अभीकांत कवियाहित्यम, डिमि के स्थान बुक्यार्थ माहाया कडिएवन, किन्ह डीहाइ रेमन। १११ তথায় না আসিতে আসিতে মহন্দ তথায় উপভিত হইলেন, এবং পুরুষপুরুষানুক্রমে তথায় বে ধন সঞ্চিত হইয়াছিল ভাহা নিমিষে গ্রহণ করিলেন। ইহা ভিন্ন তিনি প্রায় ছুই লফ হিন্দুকে বন্দীবেশে लहेगा (भटनन, धद९ यावंडीय (भवसूर्वि हर्व कविया। द्राक्रमार्श निर्काल कडाइएलम, द्ववल क्रमम मारम करु हरू विश्वर हिन छारा गस्मीटि नरेशा शिलन,

এবং মুদলমানের। তাহা দক্ষি গদদার। দলন করে এই জন্য তাহাতে এক মসজিদের গোপান প্রস্থাত করাইলেন।

मखम ও अस्म राजा। — हेन्द्र পर यहमून मिली-নগর আপন অধিকার ভুক্ত করিবার মান্স করিলেম, কিন্তু লাহোর প্রদেশ মধ্যবর্ত্তি থাকাতে, যে মানস সক্ষর হওয়া কৃতিন বিবেচনায়, প্রথনে লাংহার লওয়া कर्द्या रहेल। किन्दु व्यवस्थीत्वत कान कृष्टि छिनसा, जिमि निग्नशिस्त्रदेश केते क्षणीम कतिः जन, बार व्यक्ति দাৰবানে চলিভেন, অভএন ভাঁহার সহিত মুজেঃ কোন স্থত্ত না পাইয়া তৎকালে দিলী অপিকাংর বৃহ-দাশায় কান্ত ছিলেন। রাজা জানফগালের মৃত্যুব পর তাঁহার পুত্র জয়পাল লাহেটরের রাজা হইলে, पर्युम, 803 जरफ, डोश्रंब हाजा श्रूनकींब आक्रमन করিলেন। জঘপাল ভাঁহার ভদে কাশ্রীরে পলায়ন করিলেন। মহমুদ ভাষাতেও কান্ত না হট্যা তাঁহার शम्हाद शंकाद वाहेब्रा के कान मुक्त कर उदमनीय অনেক লোককে বল পূর্বাক মুসলমান পদ্ম গ্রহণ করা-ইলেন। পর বৎসর তিনি পুনর্যার ঐ প্রদেশ আক্র-मन कदिरलम । _ धर॰ करग्रक मान नर्गास क्लारकार हे द इर्ग दरकेन कतिहा थाकित्तन। किन्छ भी पूर्व अप्र

En la region to

ফরিতে পারিলেন না, বর্গ শীতাভিখনে তাঁহার অনেক সেনা ন্য ইইল।

ইহার পর, হিলরী ৪০৭ অকে, মহমুদ মাউরগ্লার
জয় করিলেন। এই রাজ্য বোধারার রাজ্যদের ছিল।
মহমুদ ঐ রাজ্যদিগতে মথেউ সম্পান করিতেন, এজন্য
জাপনে ঐ বাজ্যের প্রতি লোভ করেন নাই। কিন্তু
মখন ঐ রাজ্যাদিগতি ইলিক খাঁ ছুই জন স্থীয় সেনাপতি কর্তৃক হত হইলেন, তথ্ন তিনি উজবকদিশের
সহিত দক্ষণা করিলা বোধারা ও সমর্বজ্য রাজ্য দংশ্য এবং মাউরস্থার প্রদেশ আপন রাজ্য-জুক্ত করিলেন।
এই কর্মা তাঁহার আর হাল্যক্ত করিলেন।
এই কর্মা তাঁহার আর হাল্যক কর্মা হইলে।
বিশ্বনাধী পর্যান্ধ ভাবং ভান তাঁহার অবীন হইল।

নবন যাত্র। — নাটররহার জন করিয়া নহাযুদের মাকজিলা আরো রজি হইল। অভন্তর ভিনি, ৪০৯ অব্দে, এক লক ভাষারোহী ও জিশ নহল্র পানাতিক সৈন্য লইয়া কাশ্মীর দিয়া কানাকুব্রে বাত্রা করিলেন। কান্যকুবল দেশ হিল্ফুস্থানে অভি বিখ্যাত। এত-কেলীয় লোক ও নুসলমান-ইভিহাপ-লেখকেরা সকলেই ঐ স্থানের সৌন্দর্যা ও ধুমধানের প্রশংসা করিয়াছেন। উহিরা লিখেন ঐ স্থানে এমন এমন উচ্চ মন্দির ছিল, যে তাহার চড়া গ্রাপন্সাধ করিয়াছিল, এবং ঐ নগরে এত এমর্থাশালী লোক বাস করিতে যে তামূল বিকা জনা ৩০০০০ থান দোকান এবং সংগীত-ব্যবসায়ী ৬০০০০ মনুষা চিল। ইহা তিল রাজার তিন লক পদাতিক, ছই লক পলুদ্ধর, এক কক স্থারোধী ও অনেক রণমাতক ছিল। যুদ্ধকালৈ থখন ঐ সকল সেনা এক স্থান হইতে স্বার এক স্থানে বালা করিত তথন তাহারা পিপীলিকার প্রেণীর ন্যায় চলিত, এবং অগ্রসায়ী সেনাগণ আভ্যান পৌছিলে প্রেও পশ্যাহর্তী সেনাদের তামূ তাকা হইত সা।

যৎকালে মহ্মুদ কানাকুব্রে উপত্তিত হইলেন।
তৎকালে কুণ্ডর রায় তথাকার বাজা ছিলেন। তিনি
মুগলমানদিবের বীর্ত্ম এবং তাহাদিগের ছারা আর হ
িন্দুরাজ্যের তুর্গতি চুক্তি করিয়াছিলেন, অভ্যুব হুজ্জর
মুগলমানদেনাগণ তথায় উপত্তি হইলে তিনি তাহাদিগের সহিত যুজের কোন উল্লোগ না করিয়া সগরিবারে আফ্রমণকারির পারণাগত হইলেন। তাহাতে
মহ্মুদের অন্তঃকরণে কেনন দরা জ্মিল, তিনি তাহার
প্রতি কিছুমাত অভ্যাচার করিলেন না। তিনি তিন
দিবস মাত্র ভ্রায় অবস্থিতি করিলেন, পরে মিরটে
ঘাইয়া এ স্থান অধিকার করিলেন।

उर्भारत महमूम कूरनत्र श्रुतीत जूना शिक्टरणत मश्रुता श्रुतिरु गाँवा कतिरुवन । ये ज्ञान हिन्स्तिरुवत श्रुवा

क्तित, अर्थः दमवालदस शतिपूर्व किल। सहमूम श्रुती खोरिन कतिया मिलिन मकरबाद स्था छ छ असरपा वर्ग ও রজত নির্দ্দিত রড়াফি ও নানা রড়ে বিভূষিত রহৎ बुर्द विश्रष्ट प्रथिया অভिশয় চম্द्रु रहेलन। তিনি এতালুশ খণীও রত্বাশি কখন চক্ষেও দেখেন नाहै। অভএৰ অবিশবে थे मकल विधार छग्न करारिया প্রনাইতে স্বাজ্ঞা দিকেন। পরে বর্ণ রক্ত ও রত্বাদি ' সভজ পত্ত করাইলা ভূরিং উট্ বোঝাই করিলা আপন রাজ্যে লইয়া গেলেন ৷ তিনি প্রথমতঃ মনে क्रियोडिनन प्रवालय मकल डॉक्या एर्न क्रिया क्लि-त्तन, किन्हें है शक्त एवं नासत्र त्रोफर्या मन्दर्भ ভাঁহার অন্তঃকরণে কেমন মমতা জন্মিল ভাহাতে তাহা ভয় করিতে পারিবেন না, কেহ কেহ বেধেন এ সকল মদিবাদি অভি চুচ্ত্রপে নির্দ্ধিত হইয়াচিল, मिहे बना छोड़ा छन्न बहित्छ शाहन माहे ।

मधुद्री करवत शह महमून छ शामित्या महात्त नगर जाक्स कित्रजन। कृतिहान नात्य थे व्हाटनत वाजा हिटलन, जिसि युचापि ना कवित्रा छै। हात अधी-नय बीकांत कविरसना छ। हाटछ जात्र मध्यानीम हडेस কিন্ত তীহার বৈদ্যাদিলের সহিত মুসলমান কেনাদের এক বিষাদ ঘটিল ভাষ্টেত মুসসমান रिवर्गाभन जममत्र खानद विस्कृतिभएक मरहात कतिम।

রাজা ইহা দেখিয়া অপমান ভয়ে, আপন ত্রী পুত গণকে বিনাশ করিয়া, আপনি আহহত্যা পুর্বক ভাহাদের হস্ত হইতে মুক্ত হইলেন।

তদনস্তর মহমুদ মঞ্জনামক স্থান আক্রমণ করিলেন।
তদেশীর রক্ষপ্ত সেনাগুণ অতি সাহসিক রুপে
তাঁহার সহিত যুদ্ধ করিল, কিন্তু অনুষ্ঠেই পরাজিত
হয়া, কতক সেনা প্রাণের আদা পরিত্যাগ পূর্বক
করিয়া অনেক সৈনা বধ করিল, তাহার পর আপনারা মরিল। অবশিশ্র সেনাগণ ছর্গের উচ্চ প্রাচীবের উপর হইতে নীচে নাপ দিয়া, কেহ বা সপরিবারে অনন্ত চিতা আরোহণ করিয়া, প্রাণ্ডাগ করিল।
তথাপি মুনলমান-হত্তে মৃত্যু শীকার করিত্য না।

এই প্রকার মহমুদ আর করেক স্থান জয় ও লুওন করিলেন। অনস্তর শীয় রাজধানী প্রত্যাগ্যন করিলা মারভীয় লুঙিত ধন সর্বসাধারণের দর্শনার্থ কাছিলের রাখাইলেন। তাহাতে দেখা গেল তিনি আলেশ্বর ফ্রতে যে ধন আনিয়ন করিলাভিলেন, এ যাত ল প্রাণার্থিক যে গেল জানিয়াছেন। তদির ভাগার পারিষদর্শ অনেক ধন প্রাপ্ত ফ্রাছিল, রাজা যে এথ প্রাইরাছিলেন ভালা অপেকা ভালা অপে নছে। তিনি উপত্র শহুবা বাদী করিলা আনিয়াছিলেন, কিন্তু

একেবারে এত অধিক মনুষ্য স্থানাতে ভাষার উচিত मना रहेन मा, धक धक मनूरा पूरे पूरे विकादक विकास इहेल। इंशात शृद्ध भक्ती नगरत यत कात अधिक इन ना, धे दान नागाना अवानी मनुत्यात वानदा-त्मेत नाम हिन। व्याङ्ख्य यथन गर्भन कानाकुर्ज छ মধুরা পুরীর অপুন্ধ দেবালয় ও অটোলিকা সকল দেখি-লেম, তথন ভাঁহারও অভিনাধ হইল ঐ স্থান অভি महमारत क्रिकाटिक सुरमाछिक क्रियम, शब्दी ন্ধুর পৃথিবীত্ত আর আর সকল নগর অপেকা অধিক পৌশ্রের রস্ত হইবে, এই অভিলাবে তিনি উচ্ছল শেষ্ট্র প্রাপ্তরের স্তর্যুক্ত এক উৎক্র ট নশজীদ নির্মাণ कार्याम्, अयर मर बादिन यथम व्य वश्यना अपानि আৰু হইবাছিলেন ভদারা তাহা ক্ষেপ্তশোভিত করি-त्तर्न, युख्दार के ममझीन खेंखि अधूर्य व्यर हैस्सपूरी बिक्स छावड आनिसाट विथा छ हरेग । अस्तित वहें जान अहे कि पिया उन्नवस् महास लाएकरा छ ब्रह्म र सदमारंत अक्रीनिका निकान अतिएं अतिएतन, कोहाटक गलनी महत्र करम धनन पुष्पत्र बहेसा छिठिन ता चात्रकेंदर्ग उचना मुक्तत छान आत किन ना १

নাম ও একারশ যাতা।—বখন সহমুদ নগর-লোভনে এই একার বাস্ত, তখন নম্ম নামে কালিঞ্জ-ব্যুর রাজ্য জার ভার হিন্দু ভুগতিপণের সহিত পরা-

, मर्न कतिर्वित त्य, कामाकूबर्छत ताङा बर्मुएमत अधी-नंच बीकात कताटल दिन्छ नाटम कनकलाल हट्ट्रेन, অতএৰ ভাহার দত্ত করা উচিত, এই মন্ত্রণা করিয়া मक्दन कानाकुन च ब्रांका चाक्सन कतित्वत । सहसूत धरे मर्बाम भारेया कानाकृत्स्यत बाबात मारासार्थ যাত্র। করিবেন, কিন্তু তিনি তথায় উপস্থিত না ইইতে হইতে, নন্দ কান্যকুব্জ অপিফার করিয়া ভব্ত ভূপভিকে সংহার করিলেন। মহমুদ বসুর নাছায্য করিতে না পারিয়া নানরাজার সহিত যুদ্দ कतित्वन, এই প্রতিজ্ঞা করিলেন। नम्म ज्ञासक देनेस् একর করিয়া সংগ্রাম সক্ষাতে ছিলেন। কিন্তু নহযুদের व्याचमत्त्र दोक्यांनी পविद्याण कविद्या भनायन इदि-लन। उन्न भूमलभारनद्रा अप्रि ও अञ्च पति। भी तास्थानी अदक्वादत छातथात कतिल। उत्तरे अविध কানাকুবজ নগর এতিউ ইইয়াছে, তাহার পর পুর भाज बाब बाख हरेटल भारत नाहे।

धेरे यूटकेत श्रव महसूम मारशाद श्राटम धारकवारत जाशन ताकाण्ट्रक कतिरान । रेजिशूटके स्मधा श्रियारक, धे तारकात श्रवि तक्षितभावधि छाषात मका हिल, स्माना थे श्राटम छात्रखनर्यत बात स्तर्भ, एकिम छात-जन्म सावितात स्थात श्रथ हिल ना। क्षेत्र मारश-ताक्षिणिक छात्रात गरिक तिवाम निम्हों किंदू रे करतन ভাদপ যাতা।—তদনন্তর মহমুদ বিচ্ছাই দমন
ভাগ ভাভার রাজ্যে গদন করিবেন। তথা এইতে
প্রভাগন্ত ইইয়া তিনি গুজরাট প্রাক্রমণের প্রভিনাষ
করিবেন। গুজরাট প্রদেশে সমুদ্রের তীরে সোমনাথের মাদির ছিল। মুদলমানেরা এ প্রান্ত যত
মাদির বিনাশ করিয়াছিলেন, সোমনাথের মাদির স্থাপেকা উক্ত ও উৎক্রই, এবং হিন্দুরা উহার যাতিশা
সামান করিতেন। ভাহাদিপের এইরূপ বিশ্বাস দিল,
সোমনাথ মর্ভালোকে মুক্ত লোকের বিভার করিয়া
ভাকেন। ক্রেমনাথের নিভালেবার জন্য হিন্দু রাজপ্রান্তন্ত অর্থ ছান করিতেন, এবং ওটিন বাসার্থ

মই সহজ্ঞখান প্রায় নিয়োজিত ছিল। পাঁচ শাঁচ
কোশ পথ লইতে গলাজল আনাইলা সোমনাথের
নিতা মান হইত। ঘুই সহল্র পুলারী ও তিন শাত
ভাগুরী নিয়ত ভাঁছার পরিচর্যা করিত। ইহা ভিন্ন
পাঁচ শত নর্তনী এবং ভিন্ন শাত গায়ক সংগীত কটে।
নিযুক্ত ছিল। পুজকেরা এই বলিয়া অহস্কার করিভেন যে দিল্লী ও কান্যকুর্জে পাপ প্রবেশ করিয়াছিল্ল, এজনা ঐ রাজা পতন হইলাছে, কিন্তু পুণাভূমি
ভালাটে পাপমাজ নাই, অতএব অস্পর্নীয় যেবনেরা
এই পুণাভূমি স্পর্ণ করিতে পারিবে না। যাবনরাজ
এই ভ্রান্তি দুরীকরণ জনা অনেক সৈনা সামন্ত সমাজিবাছারে ছিল্লী ৪১৫ অকে, মূলভানা
কং হ্রহত দিয়া গুটরাটে যাত্রা করিজেন।

धरे गुल्क भननार्थ नरमृत स नारम कतिग्राहित्तन खाराट छीरांक खलास श्रम्थमा कतिर उद्यु, क्या-ना भक्ती हरेट अज्ञतारे ज्ञानक पूर्, ख्याचा ५१६ क्यांच क्रम्य क्रम्य मुद्रा नर्द गमनाभयन कराहे किन। महमूद्भित मम् छिगारांद क्र मना भिग्नाहित खारा जिल्लिक र्यु नारे, क्रिस्ट विश्लिक मर्च खेरे छीरांद क्या ७ क्रिमे लिखाद्य खारांदीय ख्यांकि देशन क्रिमा भिग्नाहित। हरा खिग्न अद्युक्त रेममा .ভাপন আপন দ্রবাদি শ্ব শ্ব অশ ও উন্টে লইয়।
বিয়াহিল। অধিকন্ধ তাতার দেশীয় অনেক লোক,
ধন লোডে হউক বা ধর্মার্থ হউক, ভাঁহার সঙ্গে বিয়াছিলেন। এই দ্রুল লোক ও পশাদি লইয়া ঐ ভয়ানক ছুর্গন মকুভূমি দিরা গমন করা কেমন কটিন ভাহা
পাঠকেরা অন্যানে অনুমান করিবেন।

মহমুদ এই দলবল সমতিবাহারে আজনীয়ে উপনীত হইয়া দেখিলেন, তত্ত্ত রাজ্য প্রজা সকলে গৃহ দ্বার ত্যাগ করিয়া পলায়ন করিয়াছে। তাহাতে তিনি এ দেশ উৎপাত এবং নগর লুঠ করিতে আজ্ঞা দিলেন। তদনস্তর ভাজরাটের রাজধানী উপনীত হইলে তত্ত্বছ চ্চুপতি রাজ্য চাড়িয়া পলায়ন করিলেন। মহমুদ এই স্থান অনায়াসে লইতে পারিতেন, কিন্তু তাহা মা করিয়া একেবারে সোমনাথের দন্দিরাভিমুধে চলিলেন। ঐ মন্দির সমুজের তীরে এক হুর্গের মধ্যে, তাহা প্রায় চতুর্দিকে জলে বেটিত, কেবল এক দিক স্থান্য স্থান উপর পিনীলকাপ্রেনীর নায়ে দৈন্য সকলাপ্রেনীয়ন্ত উপর পিনীলকাপ্রেনীর নায়ে দৈন্য সকলাপ্রেনীয়ন্ত ইয়া যুদ্ধার্য প্রস্তুত হইয়াছিল।

शक्र-ीशिक्ष यभिद्रास्थिए श्रम कतिए बादक कतिएम, हिन्दुशन पुरुषादा धरे दनिया स्वयक्षप्रभन कतिएम, ए. यूगनगाटनद्वा ब्रह्मक स्मन एमी मके कतिः

য়াছে, সেই পালের প্রায়শ্চিত জন্য যোমনাথ ভাষ্ট দিগকে এখানে আদিবার ছম্মতি দিয়াছেন, এখানে আসিলেই ভাহার। নিশ্চয় সবংশে ধ্বংস হউবে। মসলমান নেনাগণ এই কথায় কৰ্পাড় না করিয়া নির্ভয়ে অতি বেগে থানিরাভিদুখে চলিল। হি ত্রুরা काश (पश्चिम काञ्चापाम रहेमा रजन (नरक स्वामना र বের দোহাই দিয়া ভাঁহার সম্প্রে গিযা পড়িল। কিন্তু সোদনাথ কি করিবেন, তিনি নুসল্মান্দিগকে আইফ করিতে পারিলেন না। ভাহতে যথন ছাছাত্র। मिधन युगलगाम देगमानन आहित छिहाण्यन कपितावे खिरमान क्षिएएटइ, उथन रेप्तनरल निर्म्हत मा अधिक्री মরণ অবধারিত করিয়া, সংগ্রাম আরক্ত করিল্য নি যুদ্ধ অতি খোরতর হুইল। সমস্ত দিংলের মধ্যে কোন পকের জয়াজয় নিশ্চয় হইল না। সহ্যার ममग्र पुत्रलमान देशभागन क्रांख हुई।। नरखारम क्रांख मिन ।

পরদিবস পুনর্বার মুক্ত তারগু হইল, তাহাতেও
মুগলমানেরা জয়ী হইতে পারিল না। তৃতীয় দিবলে
আরও জনেক সেনা আসিয়া হিচ্চ্চিলের সহিত
নির্দিশ, মহনুর ভাহাতেও ভীত না হইয়া রণারস্ক
করিনের, কিন্ত তেনেশীয় লোকেরা অতি সাহসী এবং
মন্ত্রিক ভাহাতে তাহাদিসকে অনায়ালৈ পরাক্ত

করিতে পারিলেন না, খোরতর যুদ্ধ হইতে লাগিল। अनुखुत वाहेदाय ७ प्रवी मलीया न्नार्य छहे अबदानि রাজা অনেক সৈন্য লইয়া হিন্দু পক্ষে নাহায় করিতে আসিবেন, সূত্রাৎ যুদ্ধ কারে। ভয়ানক হইয়া উঠিল। उथम नर्बाष्ट्री महसूरमङ्ग महन् छह हरेन शास्त्र बरे-বার পরাত্র মানিয়া প্লায়ন করিকে হয়। অভএর ভিনি অশ্ ইইতে অবরোচণ পুর্বক নতজার হইয় প্রমেশ্বের নিকট এই বলিয়া প্রার্থনা করিতে লাগি-লেন হে জগদীশর, এইবার লজা নিবারণ কর। তদ-ন্ত্র পুনর্কার অখারোহণ করিয়া কটক পরিভাগণ পুর্বক দেনাপতিলণকে বিনীত বচনে উৎসাহ দিয়া ৰলিতে লাগিলেন ভোমরা এইবার আমার লক্ষা রক্ষা কর ৷ এই বুদ্ধ ধর্মমুদ্ধ, ইহা জয় করিতে পারিলে इंड्कंटन रमेंध अवर शतकात्म मझन स्ट्रेटन, इंड्रांटल পরাজয় হইলে ইহকালে অহশঃ এবং পরমার্থেন হাৰি। অভএৰ প্ৰাণ পণ করিয়া যুক্তে অগ্ৰনর হও, যদি ইহাতে মৃত্যু হর ভাহাতেও পরমার্থের কার্যা ESCC!

পরিস্তাগ পূর্বক, পরবেষর থনা, এই স্বনি করিয়া একেবারে ছিচ্ছুসেনার উপর পড়িল। ঐ ধার্নার শ্রীত সহজ্ঞ হিচ্ছুসেনা একেবারে নিহত হইল। আরুৎ

देमनाश्रम छोटो दिश्या छिक्कश्राटम अलाजन क्राइट्ड লাগিল, এবং তুর্ণরক্ষক সেনাগণ তুর্গ পরিভ্যাগ করিয়া शमाहेन। मन्युन व्यनशास्य मन्त्रित व्यद्भ करिस्सम । मिनित किया महमाद्य अ ध्यापेख, यहेलकामार खास्त्र মণ্ডলাকারে পরিবেভিত, তমপের নানা কাতীয় রচম বিভ্ৰিত হুহ্ৎ২ প্ৰথম বিগ্ৰহ, মগ্য প্ৰে দশহস্ত পরিনাণ দোমনাথের শোভন মূর্ভি বিরালমান। यद-নরাজ ঐ মুর্ভির নিকট যাইয়া অতি ফেটেগ ভাহার নাসিকাতে দণ্ডাঘাত করিয়া তাহা তগ্ন করিতে আজা भिरतम । शृंखारकद्रा के बाख्यांग दावात मनार्थ नष्ट-জানু হইলা ভমিৰারণ বাঞ্চান অস্থা অৰ্থ দিভে ठाहित्सम्। त्य मक्स मञ्जाह लाक मञ्जाहत स्टब्स ছিলেন ভাঁছারা প্রামর্থ দিলেন ধন এছণ পুর্বক বিগ্রহ নাম্মে কান্ত হউন। কিন্ত হিন্তুদিকের ধর্ম ও বিগ্রহাদির প্রতি মহণুদের নিভান্ত ছেব ছিল। তিনি ্মনে জানিলা ছিলেন পৌতলিক ধর্মা বিনাশ করিলে यूग क्रांशम हम, क्राच्या क्रांथ এहन पूर्वक विव्यानित्रक विश्रह मान कतिहान, को भटमात ल्यानक ध्वर विश्रह-বিকেত বলিয়া অখ্যাতি হইবে, এই বিবেচনাত তিনি वर्ष क्यों इं क्रिया विवाद ज्या क्रिट्ड का का निटनमा नियह छ। कहिएडर छोडांत क्षत्र हरेटछ नाना बाजीय वान पूछा ও वहपूना प्रश्नान वाहित रहेया

পড়িল। মহমুদ ভদবলোকনে অভি বিসমানিট হইলেন, অভতৰ ভৎক্ষণাৎ আরহ সকল মূর্ভি ভগ্ন করাইলেন, এবং ভগ্নখোও অনেক অর্থ প্রাপ্ত হইলেন। পারে তাঁহার ধর্মপরায়ণভার চিহ্নস্কাপ সোমনাথের ভগ্ন মূর্ভি মক্লা, মদিশা, গজনী, ও আর আর মুললমান প্রদেশে পাঠাইলেন।

মন্দির লুঠনলালে গুলরাটের রাজা গন্ধর্ম নামে
এক চুর্বে পলায়ন করিয়াছিলেন, এ চুর্ব সমুজের প্রলে
বেন্ডিত থাকিত। ভাটার সময় জল কম হইলে
মহমুদ এ স্থান আক্রমণ করিলেন, কিন্তু রাজাকে
পরিতে পারিলেন না। তৎপরে তিনি গুলরাটের
রাজ্পানী অনহলপুর অধিকার করিয়া তথায় চারি
মাস অবস্থিত করিলেন।

वहे गूटक महण्यात जातक मिना नके कार जल-तिनीम कर्ष वात शहेशिक। किन्छ मामनाटबंद मिनत क्र क्रिया जिनि य धन आंख हहेतान छोहाटक गक्त नाम निर्मार शहेशिक जमका कर्ष मांच हहेता। क्रिक जाटक करे गूटक जिनि ये धन श्रीख हहेगा-हिकान छोश कानामा गूटकत मसूमन धनोटलका ज्यानक अधिक। शूक्रवार जिनि क्षेट एम्स क्रम क्रिया क्रिक-नम बाक्नामिक शहेरमन, क्षर भरन गरन चित्र क्रिक-लम के द्वारन ग्राक्यांनी क्रियन, क्ष्यां के खरमन खाशन ताजाकुर कितरबन। किन शक्ती हाका खजराँ रहेट अन्न एत जबर शिविधि आहा प्रक्रह, जजना माना खाश कित्या, उज्ह जक गामाना जाकारक जे ताजा अर्थन श्र्यंक श्रदान ज्ञाभमन कित्रजन। किन्तु कुँहिश गणरनत श्रद उदमगीय जाटकता जे जाकाश्रद ताकाण्य कित्या श्र्यं त्राकामिनटक आनिया निर्दामस्न स्नाव्यां शिक कित्या

सर्युष गमनकारम स्माठीन निया गाजा अविदाहितन. ভাষাতে বৎপরোনাস্তি রেশ হইয়াছিল। অতএর ঐ পথ দিয়া । মন না করিয়া আজমীরের পথ দিয়া প্রভাগেমন করিলেন, কিন্তু কতক দুর ঘাইয়া শুনিলেন अण्डाटिक ताला जटनक रेमना गांमस नहेवा जे शटब ষুদ্ধার্থ প্রস্তুত হইয়াছেন। এই কথা গুনিয়া তিনি সাজ-শীরের পথ পরিভাগ করিয়া দিকুও মুলতানের शर्थ निया हिलालन । किन्छ थे शर्थ वर्छ विशव घडिन, তাহার কারণ যাহারা পথ-প্রদর্শক হইয়াছিল ভাগা-দের একজন বিশাসখাতকতা পুর্মক বালুকা রাশি দিয়া नरेशा छलिक। अकादन छिन निधनत मध्या कुमानि बक विन्धु क्या शोख्या देवन ना, अधिकन्नु स्ट्यांब उद्योश बाह्य मन्त्र अगठ उत्थ श्रेमाहिन, त्र उरिष्क लाहरमन कहा निकास प्रश्नामा । रेन नाचन ध्यक निशास्त्रीय प्रख्यक, ठाशास्त्र केंद्र स्व त्रोत्ना द

चात्रियद दोल्लारम अवकारत किल्ल्यास हरेल, महन्त्र সহস্র সৈন্য মারা পড়িতে লাখিল। এই ছুর্যটনা দেখিয়া भरुभूम् व्यक्तान्तु 'डि.वि.श' रुटे.जम्' करर शर्थक्रमर्गकरक আনাইল আজা দিলেন বেটার কোন চাড়ুৱী আছে ইহাকে প্রহার কর 🖟 এই আজো পাইয়া রাজপ্রছরী-গণ ভাহাকে গ্রহার করিতে লাগিল। তখন দৈ যান্তি কহিল আমি সোমনাপের পাঞা, মহমুদ সোমনাথের প্রতি অনেক ভাতাটোর করিলেন এই কারণ আদি ইহাকে নকভূনিতে আদিয়াছি। এই কণা এবণ মাত্র সহযুদ ভাহার প্রাণ দ্যাওর জাজা দিলের ৷ ভংপরে উভয়ভাগে একটা পূত্ৰ নক্ষা উদ্য হইল, সেই মক্ষত্র রক্ষে তিনি গমন করিখেন, আর কোন বিপদ হইল না। কিড নিয়া পার কালে নিয়াভীরত কঠি-काडीरमञ्जा काहात रेमनाबंगतक काफना कतिन, अटब 'आत्मक रेमेंसा ए टाइंझ दिन।

মহমুদ জাণে ভাগে রাজধানীতে ঘাইয়া জাঠ-मिर्द्राह अक्रियन जना कोइननाका मर्द्रुक जरनक ्रभ २०१० - सर्गडरी अञ्चल कराष्ट्रकन, धनर अंत देशमत (854 बार्फ) से गंकन छती महें। जिनि काशास्त्र महिन कम्पूरक अब रहेश हाशासिशास े बिक्वार्य भवन्त्रम विमान कतिरुधन।

🎬 ড্ৰপন্ন বৰ্ণন তিনি খোৱাদানে যুদ্ধ করিতে গিছা

शिष्ठि रहेत्वमः। कविष्ठ बाट्ड होगा श्रहात शार्यात व्याप्त व्य

্ৰোন কোন অভ্কার এই রাজাকে অতি উত্তম ৰশিয়া ব্যাখ্যা করিয়াছেন। অপর লেখকেরা ভাঁহাকে श्रीक लाखी ও अनाधकाडी राल्या निन्म कतियादकत्। স্কৃতিত তাঁহার চরিকে দোৰ গুণ উভয়ই মিঞ্জিত ছিল। महमून य गकन कर्म कविशास्त्र स्कृति। अगन त्याप **१३ हैं। शांत बाटका मधी हुः भी अकटन सकटन दानु** कंद्र हैशं फाँशांत वामना हिन, ऋष्ठि भीन शीरनतांत्र হাপ জানাইলে তিনি ভাছার এতীকার করিতেন। डॉरोइ क्षेपान भोदम उम्हल कड़क क्ष्मा मुद्रा अक्षी স্ত্রীলোকের সন্তান্ত্র হতা। করিল তাহার যথাসক্ষ अशर्त्र कतियाहिल, ভाষাতে दे श्रीत्नाक बालात निकटि अजिद्यान कतिक जिल्ल छेज्य कतित्वन वे रम्भ जटन के हुत, चंकवा दर्गाकात केलाव कि लेकार्य পাঁত করিব। জীলোক দলিল মদি আপনি প্রকা वर्षा करिएक मा शोदिस्तान, उदर समा कर करियान कि क्व, जोका रहेगा आका प्रया ना कतिरंग शह-

নেশকের হানে কিরুপে নিশ্বতি পাইবেন। রাজা
নহমূন এক কথার দ্বাম ভাবএই করিয়া এ তুরবেশে দ্যারতি নিগারনের উপায় করিলেন। কিন্ত
ক্ষিতি দামানা হইয়া এ জীলোক উহাতে এপ্রকার
উচ্চ কথা বলিল, স্থিনি ভাহাতে ক্ষু দইলেন মা, ইহা
ভাহার দামানা গৌরবের ক্ষা নহে।

ভীহার আব একটা বিচাহের করা বেবা আছে, ভাষাত অতি আক্ষা। গলনী নগৰবাদী কোন भागामा लाएकत अक शहम जाशवाकी डाईत हिन । চলোর কোন পারিষদ ভাষার প্রেমানজ হইয়া ভাষার इटह शहेक, ध्वर काशन बागीटक एवं शहेटक पृती-রুত্ত্রিয়া ভাহার মহিত সহসাস করিত। ইহাতে ने गाकि निकास मनश्लीका शाहेश दानाव शाहन সমুদায় ব্ৰভান্ত নিৰেশন কবিল। স্বাজা ভাষ্য শুনিয়া ভাহাকে विज्ञानन, धर्मन जे मास्कि एकामात १८६ श्रम-र्वाह जातित्व ज्ञथन जुभि जातिहा जागादन मरवान क्षित्र। देशांत एक पिरम भेटत से वाध्यि त्यांगियाः क्रीकार्य मरवाम निमा. तम कांकि आंत्रिशांटक । सद क्षा दक्षीन कीय भंदीश्वरकक क्रायक क्षत्र देनना मनकि-व्याम्बद्धाः क्षेत्रात भटक भन्नम केन्द्रितम, वनर छोहात हार अनेनीकं श्रेषा शहरत सील निर्मात कतिएक वाका TRANSPORT THE PROPERTY OF A PROPERTY OF THE PR

करक शंदक ध्वादमण कतिया वे भीशीयादिक व्यवद्वार मर. इति कतिस्मित्। जमनसन् भारतीक भारतिशास्त्रानः ब्रिख ,वाख्यिक प्रविद्या, मछ्यानु करेवा जैक्षद्वत् नमा-বাদ করিতে লাগিলেন। ইহার ভাবেলনা ঐ ছান্ড্রান যায়িত ব্যক্তি কে ভাষা তিনি অন্তে জানিতে পারেন नारे, महत्र मध्य प्रामाका हित. खत्रन वा लाईतिप গ্ৰীলে ভাষাকে বিদ্যুপে সংখ্য কবিষ ভল্ন্য আলোক নিষ্কাণ করিতে বলিগাছিলেন। স্বভঃগত্রধন নেশি-स्मिन स्म वाकि 'पश्चीय नटर, रूपन तम श्रवना प्रव हर्रेटन शत्र अंद्रद्रसाद्धव धमावाम क्रिट्रिकर, यशास्त्र मोविक मर्पन कविरक्ष हरेन ना। द्यान २ जारध वैदाख ब्लाट्स महम्म अहे काना हादाद कथा छनिया पार्वीय बानजारून करतम नाहे, व्यक्तिका भाग्याहित्यन जे लद्रमाद्रश्वीत छानम् मा कविमा सन्धर्भ कति-दिन मा, अञ्चर छाहांद्र अरहांद्र कृतिमा सन्धानन करिटलम ।

মহস্বদের এবস্তুত ভবে কেছ কাহার জতি অভাচার.
করিতে পারিত না। ধনী ও নির্থনী সকলেই নিয়ন্দ্রের থাকিত। লোকেরা বলিত উল্লায় রাজেন বাবে পি ছালে এক কাটে জল পান করে। কিন্তু বেজনে ভিত্তি বয়হ অর্থ প্রস্থানের বিধেনা করিতেন নেখাল বাবে বজা নাছায়োরের বিধেনা করিতেন না। নেক্সিড

कार के जिनात भूटत अरु धनवस्त सूनवमान हिन, मक्सूम তাহাকে জ্পান্তিক হিন্দু-মতানলমী বলিয়া ভাষার यथानकाव कडेवात भाष्ट्रा मिटनम्। हेराटल जे गालि নিভাত ছংখিত গ্ইয়া কহিল ধৰ্মাৰতাৰ আমি সঞ্জি-भानी पि, किन्ह रश्लोजनिक वा जनमञ्जाभी नहि, यनि আমার ঘন হরণ করা আপনার বাঞ্চা হয় ভবে তাখা कक्षन, किन्छ अथार्थिक जलवान निया आधात यन्ध्र श्वर्ग कतिरहर मा। धरे क्या वसार्छ ३ वर्ष लांकी सुनि ভাহার অর্থ হবন করিবেন। ' কিন্তু ভাহার ধার্মিক-ভার বিষয়ে এক সুখ্যাতি-পত্র দিলেন।

ंधर्म् दिषद्यं खेरसूका है महसूदमत मकल करमें त सूज हिन । सूनलयान-४वी पुंख्यक ब्लाटब क्वरन वी धर्मा घाता मनुद्रात पूष्टित काममा निकित्रहेट भारत, अख्याय धे भन्ने अतन करणार्थ चळत भाद्रभ कदित्व। सरसूप अहे पर्याञ्चरात् कर्मा कतिएउन, धनः विष्यूप्य विमारम প্রতিষ্ঠা আছে ইছাও বোধ করিছেন। কিন্তু ভরণ-अरक बाका व बेचरी दृष्टि किशाहित्तम, देशारकहे পর্যাণভার বিষয়ে সংক্রে ছণিফাছে। 🍅ারণ ভাঁবাণ সূত্যুর ছুই দিবস প্রের্জ ভিনি আক্রা ीं बटलान मनीय स्थाना व्यक्ति गारकीय अर्थ, अपू, हरा. ेहरी कामात मन्द्रत्य चानप्रस कर, मतिवात श्रद्ध चामि ু ভাষা অবংলাকন করিব। এই আজাকমে ভাঁহার

ভূতাগণ রাজ-ভাতার হইতে ধর্ণ রঞ্জত পা মুলা ভাষা টাছার সম্পূর্ণ আমিয়া দেরী করিব। মহনুদ ভাষা দৈখিয়া আক্ষেপ করিতে পারিব না। তদনত্তর ভিমি কিল্লগণকে আক্ষা নিলেন ধন সকল পুনর্কার ভাতিপর লইমা রাখে, কাছাকে এক কপ্রদিক দান করিতে পারিকেন না। ইহাকে নিশ্চন বোধ হইতেছে ভিনি লোভের দশীভূত হইয়া কর্ম করিতেন, ধর্মপরা-মণ্ডা নাম মাত।

হিলা কুলিল ন বিষয়ে মহমুদের মধেই অনুরাগ হল। তিনি বালগানীতে এক মহাসা করিয়াছিলেন হাইতি নানা প্রকার লাখা নিক্ষা হইত এবং ছাত্র-নিগের রতি নিযোজিত হইয়াছিল। উলাতে অনেক টাকা বায় ইইড়। তিন্তির যথন চলমুদের ফগ্চ-স্থার গগণ উদ্দীলন করিলেন তথন গজনী নগালে অনেকা-নেক কবি ও বিদ্বান লোকের গনাগদ হইতে লাগিল। হিনি ভাঁহাদিগের ইভি নিযুক্ত কহিয়া দিলেন। কর্মেন এবং আদিয়া থাতের বিভীয় কবি বলিয়া বিশাভি ভিনি ভাঁহার দক্ষ মন্ত্রাল্যা ছিলেন। ক্রিনাভি ভিনি ভাঁহার দক্ষ মন্ত্রাল্যা হিলেন।

কর, ভীতাতে মত কবিতা রচনা করিবে প্রতি কবি-তাতে এक धक वर्षम्या পातिरछ। विकः निव। काकी-द्वनी वह जामाएक विमं रूपम् स्थादानां खि लाम करिया शुष्पक तहना कतिरसन थे शुक्षक ७००००. কবিতা ছিল, কিন্তু মহমণ উচ্চাকে ৬০০০০ ঘণ্যুপ্ৰ না मिद्या ७०००० (दौष्या मुखा मिट्ड प्राहिटनम् । ४दिनत ভাহা অঞাহ করিয়া ভাঁহার সভা পরিত্যাগ করি-टलन । महमून केशिएक पून्यानसन् कवियात जना অনেক বন্ধ করিয়াছিলেন, কিন্ত ভিনি আর অভি-रमन ना, राष्ट्रा कविशा अक करिङ लिथिया পाठी-ইলেন, ভাহার ভাব এই –গজনীর রাজ্যতা হড়াকর गटरे, किन्तु की त्रपाकत अखनम्मार्ग भवर कुलाहि छ আমি রত্ব লোভে ভাহতে জাল নিকেপ করিয়া-ছিলান, কিন্তু আমাৰ লোভই সার হইল, র্ডাদি किङ्के बाक क्रेन मा। प्रक्षम बहे कविछात्र कुछ ना इहेंगा नाम बाम जातित्वम काफी खमीत व्यापन शाह-ৰার আশা ছিল ভাষা পাৰ নাই, এজনা আমার নিন্দা করিয়াছেন, যদি তিনি ইন্ধানত ধন পান তবে সুন-व्यात जामात अन्या नित्र न। हेश जितिया जिन উচ্চিক্ষে ৬০০০০ স্বর্থা জ্বেরণ করিলেন। কিন্ত বে विषय ब्राज कुटलाहा के मूला बहेगा औ हिम त्महे निषय क्टमेंखिमी शहरमांक गामन क्तिरमन। व्यञ्जान धरे

अर्थ छोषांत क्यांक त्रवश रश, टिनि कोर्क जहेशा अक्षे पियो चनन कतान !

আনসরী নামে জার এক কবি রাজসভাজে ছিলেন। তাঁহার অভান্ত কবিতা-শক্তি হিল, তিনি চতুম্পাঠীর অগ্নাপক হইয়াছিলেন। রাজা তাঁহাকে চারিশত পভিতের অথাক্ষ করিয়া, আজা নিয়াছিলেন কহ কোন পুস্তক গ্রন্থত করিলে তিনি আগ্রে নেখিকেন, পুস্তক তাঁহার মনোনীত হইলে, তিনি ভাহা রাজাকে দেখাইবেন, নতুবা দেখাইবেন না। বোগ্রার রাজার প্রেরিভ জারুরিহান নামে তর্ক ও জান শাস্ত্র গ্রন্থায়ী আর এক পণ্ডিত রাজসভাতে ছিলেন। তিনি উক্ত শাস্ত্রে এনত বিচক্ষণ দে, তাবিদিনার ত্লা বলিয়া খ্যাত ছিলেন। কিন্তু কেবল জোতিহ বিদ্যার জনাই তাঁহার আধিক গোরব ছইমাছিল।

मञ्जूष ।

মহদ্দের ছই পুত ছিলেন, নমুদ ও মহমুদ। নমুদ মতান্ত বলবান ও বীর ছিলেন। কথিত আছে অতি বলবান পুরুষেরা তাঁহার হস্তের দণ্ড হুই হত্তে উলো-লন করিতে গারিত না, এবং তিনি তীর কেপথ করিলে হন্তীয় প্রীর তেল হইয়া মাইত। বিভ্ তিনি আতাত ক্রহুলিয় ছিলেন, এজনা মহমুদ তাঁহাকে অতিমুহ্বতী ইম্পাহান দেশের রাজতে নিযুক্ত করিলাছিলেন। বিতীয় পুত্র মহমুদকে আপন রাজত্ব দিবার মানসে নিকটে রাখিয়াছিলেন। অতএব মহমুদরের মৃত্যু হইলে পার, ৪২১ অলে, তাঁহার বিতীয় পুত্র মহমুদ রাজা হইলেন, কিন্তু তিনি অতি ধীরস্থতার ছিলেন, মৃত্যুং তেং মানে যে সকল সুদ্ধানি উপস্থিত ছিল তাহা নির্বাহে অক্ষ্যু হইলেন, এজনা রাজসেনাগণ তাহা নির্বাহে অক্ষ্যু হইলেন, এজনা রাজসেনাগণ তাহা করিলে করিলেন করিলেন। মহমুদ ইম্পাহান করিলেন। মহমুদ অক্ষ করিলা আলানি রাজ্যাধিকার করিলেন। মহমুদ

মনুদ রাজ্য গ্রহণ করণানন্তর হুই বংগর পর্যায় পারম দেশের ঘুদ্ধে হান্ত থাকিলেন, এজনা ভারত-বর্ধে আমিতে পারেন নাই। তৎপরে ৪-৪ অন্দে, তিনি কাশীর যাত্রা করিয়া সরস্ভীর হুর্ব জয় ক্ষরিলেন। গ্রহুর্ব আজ্মন করিলে পর তত্ত্বক মেনাথান ভীত হুইয়া টাহাকে অনেক টাকা ভেট ও বার্ষিক কর নিজ্যে সমূদ ভাহা প্রহণ করিছে উদ্যত হুই.
গ্রাহিকেন। কিন্তু ক্রেক্টার ম্যুলমান মহাক্ষম ও প্রাহিকেন। ক্রিক্টার ক্রম্বে ভাহারে ক্রিয়া প্রস্কার ক্রম্বে ভাহারে প্রস্কার ক্রম্বে ভাহারে ক্রম্বে ভাহারে ক্রম্বিলা ক্রম্বে ভাহারে ক্রম্বিলা ক্রম্বে ভাহারে ক্রম্বে ক্রম্বিলা ক্রম্বিলা ক্রম্বে ভাহারে

বাণিক্সা করিতে আসিয়াছিলাম, অত্তম্ শাসমকর্তা আমাদিগের সর্বাহাপহরণ পুর্বক বাদ্যী করিয়া রাখিয়া-ছেন। এই সংবাদে মন্ত্রদ শতান্ত রার্গ প্রাপ্ত হউ-লোন, তিনি আলো শুনিলোন যে, ঐ ছুর্গরুকক সৈনা সপের আহার দ্রুব্য প্রান্ত পোর ইয়া আসিয়াছে, ভাহারা লগিক কাল দুদ্ধ করিতে পারে না। অত্তরু ভিনি ঐ ছুর্গ বেন্টন করিয়া থাফিলেন, এবং নিকটম্ব স্মেতের ইম্মুর দ্বারা খেল পূর্ণ করিয়া, প্রাচীর উল্লেখন পূর্ণক ছুর্গ প্রবেশ করিয়া তুর্গরুক্ষক ভাবং সেনা সংক্রিয়া কুর্গরুক্ষর হার ত্রুবিক্সা করিয়া মুন্সকার্মা মহাজন সকলকে ছুর্গলু ক্রিক্সা ভাবং ধন প্রদান কর্মিন লোন। ইহাতে দেশ বিদেশে ভাহার অত্যক্ত সম্মান ও যশোর্ছি হুইল।

৪২। ভাষে মনুদ শিষ্টাক পর্কতে যাকা করিয়া হানির ছুণ জয় করেন এবং ভাষাতে অসভা অর্থ ও ভব্য সামগ্রী প্রাপ্ত হন। ভদনন্তর দিল্লীর বিংশতি ক্রোল ব্যবগানে ননপত নামক হিম্মুদিনের মহাজীক হানে গমন করেন। ভক্ত লোকেয়া তাঁহার সহিত্ত মুদ্ধাদি করিতে ইচ্ছা করে নাই, ভথালি ভিনি ভ্রথা কার ভাষৎ দেবালয় ও বিজ্ঞা চূর্ণ করিলেন। ভবপরে ভিনি লাহেছারে বাজা করিয়া আপনার সুক্ত মক্তম্পক ভ্রথাকার ভ্রমান্ত করিয়া অপনার সুক্ত মক্তম্পক

क्तिमस्य राजक्षां विश्वत सहित्व अक्री मुक्क इंडेश । रमनकथ आजीरवता छाजात बाक्यर त्याहर, भूरक नक्षनीत वाधीन किन, शरह क्रम्भः नजरम् ७ अवन इहेश र्षाहामान धारमण जाकनण कतिल। मचून ভাহাদিগের সহিত বুঁজ করিতে গেলেন, কিন্তু পরাস্ত **ছইরা ফিরিয়া আসিলেন। তৎপরে আর ২ অনেক** স্থানে পুন্ধানল ক্ষাৰল স্কৃতিক লাগিল। বিলেষতঃ তীহার সেনাগণের মধ্যে বিরোগ উপস্থিত হইল, তিনি ঐ বিরোধ নিবারণ করিজে পারিকেন না। ভাষাতে বেলাগণ মহালপদা যুক্ত হইবা ভাঁহাকে গদচাত कतिल, अवर छीरांत मरुशन्त भर्युनस्क भूनसीय व्राक्कप निमा । भर्यूम कक स्ट्रिगाड्टिनम, असमा আপনি রাজত্বনা করিয়া আপনার পুত্র আমনুদকে রাজ্যাপুণ করিলেন। আহমুদ রাজা হইয়া মনুদকে, रेशिक अञ्चिषके माहिक हिलान, उंबोलि विमान्त्रनीहारम किरमंत्र अकुष्ठांच स्विष्ठम ।

NAM!

মনুদের মৃত্যুকালে জীয়াব পুত্র নছন ভিন্তুকুশের সন্ধাধ্যক ছিলেন। নতুদের মৃত্যু বংবাদ পাইবা মাত্র

धरे व्यवगत विश्वीचर ठार छवर्च र मृत्तवना मिरण व र र र र र छ छेला व कितवार निमिष्ठ श्रक्षात्वत त्राकारम्ब गरिक मक्क्षा कित्रमा त्रभगका किति छ कथा ताके कित्रका गर्मात खेल्यार स्वता किति धरे कथा ताके कित्रका र मृत्रकार खेल्यार स्वता किति धरे कथा ताके कित्रका र मृत्रकार खेल्यार स्वता किति धरे कथा तिश्रास्त्र हिल्ला कित्रमाहिला, धे विश्रोद कीरोट स्थ निश्रास्त्र, किला दनस्थात स्वापन मिलाल स्वापना हिल्ला कीरोट कित्रमा र स्वता स्वापन कित्रम कीरोट किला केरियान। धरे

मिल्लीश्रंत के मकन देमना नहेंगा नगद्रकाटि बाका कहि-द्यात असमेकाटन कार्राहरू, दानि, क आह करत्रक कान कहा कहिलान। कमनस्त्र नगत्रकार्टर উপত্তি হইয়া তথাকার তুর্গ আক্রমণ কুরিলেন। धूर्गद्रकक यूगनगाम रिममान्य जानि गाहिमिक करण धूर्य রুল। করিতে লাগিল। ভারাতে দিলীখন হঠাৎ ভিছু করিতে না পারিয়া, চারি মাস পর্যান্ত ভাহা বেউন ক্রিয়া থাকিলেন। ছর্কে যে প্রয়ান্ত আহার তথা ছিল শে প্রাপ্ত ভবছ সেনাগ্র উল্লেডারে রহিল। আচার দেব্য শেষ হইলে নত হইয়া রাস্থার শরণাগত হইল। স্কান্ত পুৰ্ব প্ৰেৰেশ করিয়া কোকাশা করিলেন, যে, বে বিপ্রহের মুর্ভি মুদলমানেরা পূর্বেভার করিয়াছিল, নেট বিগছ পুনব্বার আপন মন্দিরে ভাসিয়া বিয়া-खिक इहेग्राइन। ब्राङ्ग के विशद्य अन मूर्डि नियान कहारेसा मध्य लहेता विसाहित्यम । हालि-त्यादम् त्येष्टे प्रक्ति प्रक्तित्व श्रीधारेषा, श्रीमितन श्रीहरू ेबे विश्वह गुजबादक रम्थाइटलम् । ' छस्त्रम् रम्बङ्कादक कांबंद ভावित्रा ভिक्तित्रहम स्रांख हरेल, धरार सम বিমেশে লোকেয়া রাজায় অভান্ত প্রতিষ্ঠা করিতে लेशिली ए हाट केरमें स् जीवार मन वन अदिहा इक्ति एड एक माशिल, धनर कामसा जाक डीएर्स लक 'रहेश गुद्ध कहित्य हिला । बहे पूर्वित मिनीयत,

मिक्द पूर्व करण मूनलगारनदा यक ताका कर कहिता-किटलन श्राम नक्ष्य पूनक्षी करिएणान । टक्युंग सारहात व्यक्तम मूजलमांमिक्टियन स्टब्स विका

হিং १३६।

য়ত্ত পরলোক গমন করিলে পর্
য়ত্ত ১০৫১

আবলহোসন নামে জীহার এক
আতা তাঁহার আতুম্পুর্তে হব করিয়া রাজ্য অবিকার
করিলেন। কিন্ত ছুই বৎসর রাজ্যের পর তিনিও
আপন পিতৃরা আবল রিসি কর্তৃক রাজ্যান্ত হইলেন।
এই আবল রিসি এক বংসর রাজ্য করিলে পর,
ভোগুল নামে এক প্রথান ব্যাক্ত তাঁহাকে এবং রাজশারিবার্থ আরু মনকলকে সংহার করিয়া বলপুর্বক
রাজ্য পুমু করিলেন, কিন্তু চলিশ পিন্দা না মাইতে হ
তিনিও হতে ফুইলেন। তদনস্তর ফরোখেলান নামে
সকল্পীর পরিবার্থ এক ব্যক্তি রাজ্য হইলেন।
ভিনি প্রথমে সেলজ্য দিগ্রেক পরাজ্য করিলেন র
কিন্তু পরে ভারারা আর্থা প্রবল্গ ইয়া উঠিল। ভ্রানি

व्याद्याः।

थ्डाप्ट्स कर्द्राचलात्मद्र मद्द्राम्ड । सर्द्राचळाट्न । थ्रुश्च भ्रुश्च भ्रुश्च भ्रुश्च । स्ट्राच्च जिल्हे । सर्व १९१९ । स्ट्राच्च जिल्हे ।

শায় নীভিজ এবং ধর্মগুৱায়ণ ছিলেন। রাজত আগু इंदेशी छ। । २२ वर्गव स्मनस्य मिर्गद व्यक्तिम् সভান্ত অস্থির ছিলেন, ভাছার পর ভাছাদিখের সহিত मिक्क विद्यास । भटतः, ४१२ खट्यः, छिनि खटनक टेमना সঞ্জলন পুৰ্বাফ হিন্দুজ্বানে আদিয়া মহারণ্ড সদীপ্রভী আइम्मिन नभन्न बर्धन कितिकने। उदश्यात तिथा। রপালের তুর্গ কয় করিয়া তগা বইতে এক লক্ষ মনুষ্য दन्तीरवरम अकसी स्मर्थ कडेगा अस्मन ।

১৯৯৮ विद्यास्त्र ४० दरमञ्जूषेत्र ज्ञानश्रीताज्ञ थ अन्तर्भ विकास्त्र । अन्यास्त्रं भागा स्टामा केरिकि ३० पूज द्वर एक कमा किन ।

ছিতীয় মহুদ।

মসুদ এবাহেনের পুর ! তিনি রাক্যাভিষিক্ত ইইয়া প্রাচীন বাবস্থাদি সংশোধন পূর্মক অনেক স্থতন म। वहां कतिद्रवस । এই সকল बाबका श्रंकालिका छेउम ইছন। পর্যন্ত ডিনি সেলজখনিবের রাজা নিঞ্জনের क्रिप्रोटक विवाद कविद्रतम, खादाटक वे काजीबरमव নম্পে ভাঁহার পিশ্রে যে সন্ধি ধ্বেন ভাষা আলো ভূচ-खत्र वहन । यह त्राकात त्राक्तकारम जुबानरके स्थारम डीहांद्र स्थमीशिक हिन्द्रशास बुक्यांचा करियोक्तिनः धवः शक् शांत्र व्हेश कायक त्मल क्य कार्य के छारोड़

क' १३३१ लिंद्र क्यांत मध्भागिषि इस माठे। मधूष. क' १४३५ दिश्व कारक, भिन्नदाक भगन करन्न।

অর্ফিলা !

অর্সিলা সমুদের পুত) তিনি রাজসিংহাসনে উপনিষ্ট হইয়াই আপন সহোদরগণকে কারাকৃত্ কবেন। এই অপ্রিয় কর্মে তিনি নকলের অভাস্ত গুণিত হন। পরে ডিনি অপেন পিজ্যা বহরানকে কারাগারে রাখিতে উদাত হইয়াছিলেন, কিন্তু বহরান পুর্মে তাঁহার অভিপ্রায় জানিতে পারিয়া গজনী হুইতে প্রায়ন করিয়া সিঞ্চরের শর্ণাণত হুইলেন। নিঞ্_য তীহার নহায় হইয়া সমরনজ্ঞা করিতে বাগি-दनम । अत्रमिना शहे मध्याष्ट्रणाहेशं निश्चद्वत्र मत्या-वार्थ एके लक्ष मुख्य उपहान ममस्मिताकारन श्रीह गर्नु-পারিণীকে উইহার সদলে প্রেরণ করিকেন। উষার अधिक्षाम, जमाना यीत्र काठाइक युक्त रहे छ काछ করান। কিন্তু তাঁচার মাভা ভাঁহার অভ্যানার এবং তৎ কৃত্তি আপনার আর ২ সভানগণের ছুর্গতি দেখিল छै। होत आफ वित्रक किटलन, जलना खाउँदिक पूटक াষ্টাভাস। করিয়া প্রাকুত উহিংকে মুদ্ধ করিছে অনুবোধ ৰব্বিবেন। ভাহাতে দিঞ্চর সময় সজ্জাবেরিয়া এজনী यात्रा कतिरकान्।

অর্নিলা বিশ সহত্র অধার্ট ও অনেক পদাতিক ও ১৩৮ টা ন্মর্মাভজ লগীয়া যুক্তে প্রস্তু স্ইলেন, কিন্তু উচ্চার দেনগুল রুণে প্রাপ্তা স্থল। তাহাতে তিনি সংগান করিতে অক্ষম স্থান। হিন্দুস্থানে প্রান্ যুন করিলেন। সিঞ্জুর গজনীতের বহরানকে সিংহাসনে বসাইয়া সদেশে প্রভাগন্য করিলেন।

খু ১৯১৭ ৫১১ অন্দে অর্সিলা রাজ্য প্রাপ্তির কং ৪০১০ চেন্টাতে প্রনর্কার যুদ্ধ করিতে গিয়া-ছিলেন, কিন্তু পরাজিত ও বন্দী হইয়া অনুসেনে ওড়া-মুখে প্রতিত ইইলেন।

वस्त्राम ।

वंद्रांग गांद्रमी ५ अ.च. भिंगानी छितान। विनि विद्यान कार्कद गहनाम मर्ग्यन। शक्ति।, क्वर विद्यान कार्कद व्योद्धव अभूतकान निव्दान। कार्काद द्राक्षय कार्क जनक शुक्षक अभू ७ १३ शक्ति, क्वर व्यथ निकामी माम्य कक विशास किन कार्यात गला भिंछ छित्यन। वहताम वहत्यभाग्यन वाद माग्र-भंद्राग्रन छित्यन। वहताम वहत्यभ कार्य मिनाइ मिन्गाटक कन्मभाक हहेशात्छ। क्षित्रप्रन कहे — महुप शाला विशामशास्त्रका श्रेर्यक भाग्रत कार्य कार्यन वहत्व क्रिन

रमरणह बाका कुछदुकीन महत्राम तहत्रारमझ कनाराक বিবাহ করিলাছিলেন। কিন্দু কোন বিষয়ে উহার সাহিত বিয়োগ হওয়াতে বহরান ভীহাতে বধ করেন্দ্রী अधिकारिन अपसूज नियात छेलीन अध्यक देनना नहेश পজনী আক্রমণ করিলেন। বছরাম ভীতার সহিত, বুদ্ধে অক্স হট্য়া নগর পরিত্যাগ সুর্যক্ত হিন্দুস্থানে পলা-यन कतिहरून । गिकन जेमी म मधह अधिकात कतिहा ले कारन शाकित्वम, अवर त्वतारमत श्राह्मानम्बन्ध आंगका ना थाकाटल, त्यात बहेटल खाँहात महत्र त्य সকল বৈমা ভাষিয়ালিক ভাষার অধিকাংশ ভাষত व्यानाउँ सीरमह गणिकाल्याहारह लाएत शवस करिया। किछ बच्चेभीवानी लात्कहा छ।ए। बचाउदा अन्युक्त ছইয়া ছিল, অভাগ্ন গেই বংগর ছিন্যাত্রশংঘ পোর হইছে গঙ্গনীতে গ্যনাগণনের প্রু ঘাট বন্ধ হইলে, উহিরা, বহরামকে আহ্বান করিল। বছরাম নটসনো ভথাৰ উপস্থিত হইলে ভাহানা সিক্ষাউদ্দীনকে ভাঁহার रटेख नमर्थन अविका निक्रमखेलीटनंत्र छाछि वहतारमञ् गर्गोस्डिक ध्कांभ दिवा, जाउक्तर डीहोट्स शाहेश्रा स्टिन ভীষার মুখে মনী কেপন করিছা আহিছে আহেরাইণ कतारेण ममस मगत कितारेटलम, छाराव लदद छाए।- माना अकात यक्षमा मित्रा मध्यातः कृतित्सम् अवस् তীহার হিল মন্তক নিঞ্জরের মহীপে পাটাইলেন 🗥 🐎

्यानाज्यीत वह जरुनाम श्राष्ट्रश ब्रह्मगात्र बनगात्र रहेरनन, अपर लाह आडीए लक्डवाही महादन হসনাদল সম্ভিয়াহারে অগ্নির ন্যার গলসী অভিযুখে यांका कतिरमन । वहतान सारमक रमना बहेशा है। हात দহিত যুদ্ধ করিতে জন্মর হইলেন। কিন্তু পর্যত-বাদা গোর দেনাদিলের মহিত যুচ্চে প্রাজিত হুইয়া नाट्यायः अवार्ट्यम्। जानाजेचीन शक्ती नन्द्र अतम् क्रिया प्राक्ता किरनम, अवसीरामी बक आगी-কেও রাখিমে না, ভাবনগর সম্ভূত্র করিয়া কেলিবে। ইহাতে হুৰ্দান্ত দেনাগণ অবিলোভ মাত বিৰস উন্ধ-तक मात्र भागनीयांनी मिन्नदक मध्यात कतिहरू माणिन, बर्ध मेंत्र बात ज्यो ७ एक कतिया संश्वन । केत्रिम । कारोम निवल्स को मशरतत्र किछू हिङ्काई द्रश्लि मा। व সকল অটালিকা বছ হতে প্রস্তুত ও মছে মডিত বইয়া-विवा, खादा विकेन-त्रांभि व्हेज, रकरण करवको। करव-স্থান ভাষা বার মাই, ভাষাই নগান্তর চিত্র বরুপ इंडिज । बालांख्यीन पर क्षकांत्र नलंद नान कतिया enits, अकाम कहिलाम। देशांत शत सुमनमान भ्रामाया वह प्राप्त यान कहिर छन वटमें, किल छोहा क्रमान भूषितः मात्र हरेशहित । अन्तरतान जन्मीः श्रदेश्य भवाषन कविश करिनेके देग-गानि अवस्थिता-शांद्र मारशांद्र थाकितम्, कार नामा स्थापेरम् द्वाचिक

्य १८००) क्षेत्रा, ६० वस्त्रह राख्य करणी-वर ४२०२) भवाह, दिवारी ६ - "घटम, १८४" (सांक धरम क्यिस्सन)

খসন (প্ৰথম

वस्त्राध्यय प्रभूष ११० डेस्य । श्रमी
ताका सक्तराज कानंत्र करिया था। स्मिनानी
कर्तिकाम। वर्षाद्व त्रवामी त्यादकरा । स्र श्रास्त्र भानक्तिक वस्त्रा समझ क्षारि भारत्यका १८०, वर्ष्य स्राम् महिल मूक्त विद्युद्ध व्यक्त स्म् माल वस्त्रम् हाक्य स्वित्रा, वद्यम् ।

थमक (पिछोद्र:।

चमक्रक अञ्चलक अवनात छत्र छै। हो। प्रश्न विश्वीत अभक्त भारहारत्र द्वाका हहेरणन । किति क्षांच २० १६ मञ्च राज्य करतम, काहात्र श्रन्त, १६०२ व्यस्त, मङ्ग्रल १९१००। वे वाका व्यक्तित्र क्षित्र। कैरिश्व कर १९४४ व्यक्ति व्यक्तित्र क्षांचित्र मञ्चल १९६०। १६८८ व्यक्ति व्यक्तित्र विष्टित्र व्यक्तित्र व्यक्तित्र व्यक्तित्र व्यक्तित्र व्यक्तित्र व्यक्तित्र विष्टाचित्र विष्य विष्टाचित्र विष्टाचित्र विष्याचित्र विष्य विष्य विष्टाचित्र विष्याचित्र वि S 1

म नाभ, सि ।

वि प्र' क्र. भिट्या स्थाप र ।

का,फेकीम श्रासी।

वर्ष अपि विशेष व्यः । उन इत्याहिता ।
प्राप्त वर्षाम हेशा अव श्रमात्र भिन्तिक यहें।
सार्थः व्याप्त स्ट्रांस महत्यास प्रमुश्न महत्त्र ।
अर्थः न उर १८०० महत्त्र भूषण्या स्ट्रांस व्याप्त व्याप्त स्ट्रांस स्ट्रांस स्ट्रांस स्ट्रांस व्याप्त स्ट्रांस स्ट

कराय सारक ज्या विवादक वाया, कुछ कीन नेट-गयरक भादतात करिएक लग्न, कीकांत मरकागत निकेश विज्ञान प्रवादी देशाल किवल एक कीता के काशित हिस्सान प्रविद्यातिक स्वतांग कर्जुक काणानिक व विवाद क्रिक्श काला केवीन स्वतां क्रिक्श काणानिक व कार्य केतार प्रवाद काला क्रिक्श क्रिक्श का काणानिक

শিষ্কর, পোর ও গকনী উভয় রাক্য আক্রমণ করিয়া তীহাতে বন্দী করেন। তদনস্তর ভিন্দি তাঁহাকে 🗟 वाका श्राह्म कार्यन । श्राह्म व्यक्तिय वाकाद সহিত মুদ্ধে প্রায়ত ইইয়া তিনি তুক বংশীয় ইউঞ নামৰ এৰ অসভা জাতি কৰ্তৃক গারীক হল। ভাইতে बे জাভীয়েব। কিছুকাল গোর ওগজনী উভয় রাজ্য अधिकात करत । পরে চীনের উত্রঅফলবাদী ধতান নামধারী পার এক অগভা জাভীয়ের। অংসিয়া সেল-अथ क रेडेल डेडम आफ़ित्य में क्षापन रहतं उ पूरी-ভূত করিয়া দেন, ভাহাতে সেল্জখেরা প্রাব একেবারে নিপাতিত হয়। আনভঃ এ থতান জাতীয়ে। किछुकाल शक्तनी अधिकात कतिया, उथा हहे-তে পশ্চিমাঞ্চলে গমন করে, ভাছাতে গৌরের जाकाता के हाका भूमध्यास रुम्। बह लामस्यालंतः नमश जानाजमीन त्यांशी अवतनाक अभन करदमक व्यामाजिकीत्वक मृजात भारत १८०० व्याम, देमहक्किमीन भाजी नाम डांशात थक पूज ताका रहेगांकालन। কিন্ত তিনি এক বংসর সাত্র রাজ্য করিয়া গুলে হত হন ।

गुरुवाम् छेन्द्रीन त्यात्री।

रेनवक्षेकीरनत कृष्ट्रात शतः विदास निज्यापूर नवकानकेकीन बाकाव्यास इत । ववतानकेकीन भावन

সভাব এবং মুদ্ধে অনিপুণ ছিলেন, এজন্য তিনি সীর चमुक गाएक डेमीन नश्चम शाबीक 'समापिड করিলেন। তিনি ভাঁহার কর্মাক্রী হইয়া রাজকর্ম চালাইতে লাগিলেন। মহম্মদের প্রমান্থি ভারত-বর্ষের প্রতি দক্ষা ছিল, অভএব পশ্চিমাকল সুস্থির হইলে পর, ডিনি (৫৭২ অব্দে) ভারতবর্ষে যাতা क्रिया, त्य प्राप्त शक्षांनीय शक्ष नभी गिकु नभीएंड পড়িয়াছে, দেই স্থানে অচ নামক স্থান জয় ক্রি-বেন। ভাছার ছই বৎসর পারে, (৫৭৪ অব্দে) ভিনি खंकत्राटि भेमन कतिरवान। उपकारण जीमरपद बे দেশের ৰূপতি ছিলেন। তিনি অনেক হিস্তুদেনা সংগ্রহ করিয়া যুদ্ধে প্রস্তুত হইলেন, ভাহাতে মুসল-মান সেনাপতি জয় লাভে বঞ্চিত হট্যা বহুকেশে দেশে ফিরিয়া কাশিলেন। তৎপরে **তিনি চুই**রার লাহোর ঘাতা করিয়া গজনীরাজবংগীর খদর রাজার 'স্হিত্যুদ্ধ করেন। ভাহাতেও ছিনি ছয়ী হইতে পারেন নাই, বরং প্রাঞ্জি হইয়া দেশে প্রভ্যাপমন করিয়াছিলেন। তৎপরে তিনি বিদ্ধরাজ্যে যাত্রা करत्रन, बहुर ममूख अर्थाख बी (मान उरशांक करतन। क्षत्वत, केश्य प्रदेश, किनि पुनर्यात नारहादत ्या १ अस्ति विज्ञान स्टबने, असर दक्षेणन पाल ो अनक ब्राह्मादक साथन रखगड

कतिष्ठा अदरभटम छीशांदक मनीतिचारत निमाल व करतेन ।

ধনরকে পরালয় করিলো পর, মহম্মদের আর মুসল্মান শক্ত রহিল না, কেবল হিল্পু শক্ত রহিল। হিল্পু সেনাগণ মুসল্মান সেনার নায় সমর্মক্ষ ছিল না, ভাহাতে মহম্মদ গোরী অনায়াদে জন্ম লাভ করিতে লাগিলেন। কিন্তু রজপুত জাতীযের। নিভার্ত্ত বীর্যাহীন ছিল না, ভাহারা যুদ্ধ কর্মে অভান্ত পার্গ, এবং সহজ্যে নত হয় নাই।

मे मगरत य प्रकल विन्धृताला किल, ভাষার মধ্যে निली, आङ्गीत, कानाकृत्य ও श्रक्ता वे और वालिंग ख्रेषान, अर्थ कर्यक म्हान्य तालाता अर्थ व्याप्त क्रियान, अर्थ कर्यक म्हान्य प्राप्त, क्रिया तालात क्रियान हिल्ला है स्वाप्त क्रिया क्रिया तालात प्राप्त क्रिया तालात प्राप्त ना स्वाप्त क्रिया क्रिया तालात प्राप्त क्रिया हिल्लान, देशांक क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क

লেন। পূলীরাজ জনানা রাজাদের সপক্ষভায় ছুই
লক্ষ নেনা ও তিন সহজ্ঞ রগ্মাভঙ্গ লইয়া আন্দেশ্বর
ইইতে সাত জ্যোশ দিলী হইতে চলিশ ক্ষোশ ব্যবধানে

লু ১০৯০
কং বহনত প্রিশ্বন মুসল্মান সেনাল্লনের সহিত
সক্ষান ইইটা রগ্যক্ষা হইতে লাগিল।

ं भूगणभानभिर्वाह गृरक्ष्य धरेक्षण निराम हिन, खर्यस्य অশ্বারোহী এফ এক ঘল সেনা অগ্রানত হইয়া শরক্ষেপ করিত, ভাষার পরে, হয় অত্যেই বল কলিয়া যাইত. নতুৰা পাশ কটিটিয়া ফিরিয়া আনি ড, ভখন পশ্চাডে দৈনের। দেই প্রকার অগ্রেসর হইত। হিল্ফুদিগের নংগ্রামের প্রথা সেরুপ ছিল না, ইহাদের স্থ্রের সেনাগণ আক্রমণ করিলে পশ্চাতের সেনাগণ চুই দিক হইতে চক্ষাকারে যাইয়া শক্তকে বেইটন করিতান উপ-ষ্ঠিত যুক্তে মুদলমান দেনাগণ আক্রমণ করিলে হিচ্ছ-टेमरनाह्या रमें है अकांत विकेत कहित छ लोगे। महस्मान বেষ্টিত প্রায় ক্রয়া অস্বারোহণে অকুডোভয়ে যুদ্ कतिएक गांगिरेजन । अवश श्रृशीतांखरक शहरकं बनाति सामा के क्रिटनेनी श्रीताक का पाठ खाश हहेगा হাতির উপর হইতে উাহাকে এমন শরাখাত করিলেন य छ। हो छ जिल्ला ने प्रमुख हो देश है। कि से दिशह কাৰে উহায় এক বিখাদী কিন্তন্ন তদানোহিত অংশ

লফদিয়া উটিয়া ভাঁহাকে রণস্থল হইতে স্থানান্তরে লইগ্নিংগল। ইহাতে ভাঁহার প্রাণ রক্ষা হইল বটে, কিন্তু সংপ্রাম রক্ষা হইল লা, যে হেতু ভাঁহার সেনাগণ ভাঁহার পলায়ন দুয়ে রণে ভল দিয়া লেণীভক্স হইয়া পলায়ন করিছে লাগিল, কোন প্রকাশে প্রি হইলনা। হিন্দুসেনাগণ ভাহাদিগকে কাটিভে ২ বিংশতি ক্রোশ পর্যান্ত ভাহাদিগের পশ্যান্তাবসান হটল, এবং অনেক বিনা নই করিল।

बारे विकार हे व त्र गरमान भारी जारशंदत याजा করিংলন, এবং ভাঁছার ভগ় দৈন্য একত হইলে, তিনি হি ৫৮৮ বিগারে প্রত্যাগদন করিয়া এক বৎসর
শ্ ১৯২১ বিগান্ত পুনর্কার যুজের আন্নোজন করিতে লাগিলেন। কথিত আছে এ পরাসয়ে তিনি मधास्त्रिक विषयी शिहेगांडिटनम, धवर लाएंड याहेग्रा অবধি এক দিনও সুথে নিছে। বান নাই। উংহার নিভাস্ত প্রভিক্ষা হইয়াছিল হিন্দ্র রাজাদিগকে পরান্ত্র করিবেন। অতথৰ তিনি যুদ্ধপারণ অমুদ্রকুন্য অতি ছর্ণান্ত ভূক,ভাজিক ও পাঠান দেন। আহরণ করিলেন। वहें रकत दमनोत्र गर्या (कर्म अर्थाद्योशी ५२०००० ছিল, ভাইটেমর পোলাতের পোয়াক, এবং নতকের টুপী বছষুৱা প্রস্তার সুশোভিত। ইছা ভিন্ন পদাভিক/ देन गाउ अधनक किल। ये देन गा. लहेशा पर्याप्त मह

সমারোহ পূর্বক প্রথমতঃ গজনী বালা করিলেন।
তথা হইতে, লাহোর বাইয়া হিন্তু রাজাদের নিকট
সংবাদ পাটাইলেন, আমি ভোমানদর সহিত পুনর্বার
মুদ্ধ করিব।

मिलीयत धरे भंदरान পाইशा कित नक अधातारी, जिन गहल ए डी, ७ वहन एथाक लगां किक रेमना नहेश উহিার সহিত যুদ্ধ করিতে অগ্রসর ইইলেন, সেনাগণ ভান্ত ভুগগী স্পৰ্শ করিয়া শপথ কমিল, যুদ্ধ ভার করিব महुवां आण पात्रन कवित मां। এই সকল मেमांत्रन प्रद-কতী নদীর তীরে উপস্থিত হইল, সন্তরদের দৈন্য-গণ তাহার পরপারে ছাউনি করিল। মহম্মদ দেখি-त्वन रिन्ह्रदेशना स्रोमः था, भृशीदारु मुमनगान त्मना-পভিক্তালীরভাভাবে বলিয়াপঠিাইলেন, যদি ভুমি আপন জীবনকে ভার বোধ করিয়া থাক, ভবে মুদ্দ কর किं नोहे, बिन्ह तमरायगरक रकम खकारण कामजारम मिटकर्भ केंब्रिटर । यमि हेश्राट्ड कनाग्न राष्ट्री कर्र उटर अधन अरमध्य छाडिनमन क्य, नजुरा तसनी खनाड হইলে আমাদের রণমন্ত মাতক, দিখি জয়ী তুরল, ও देनीविज्योती रेममाधन क्लामात प्रकार मन नन दिन ভিম করিয়া একবারে রনাতলে দিবে । সহস্মদ উত্তর ক্রিনেন আমি ভোটের আজাতত সংগ্রাহের আসি-प्राहि, डिशांत अनुमन्डि चिम् अिंडिशमन कतिएड शांति না। কিন্তু ভাঁছাকে পত্র লিখিভেছি যে পর্যান্ত তথা হইতে প্রাত্যুত্তর না আইনে সে পর্যান্ত যুদ্ধ করিব না। হিন্দুগণ এই কথায় ভূলিয়া এক গ্রহার সক্ষদ হইল: এবং রজনীযোগে নানাপ্রকার আনন্দ-কার্য্যে

মহম্মদ সভর্ক পাকিয়া সেই রাতেই নদী পার হইয়া অৰুত্মাৎ ভাগাদিগকে আক্রমণ করিবেন, এবং व्यत्नक रमना कारिया क्रिम स्थित क्रिक्टनम । हिन्दु वोब्या-দিগের এন্ত অধিক উপন্য ছিল, যে এক দিক পরিষ্ঠার না করিতেই আর দিগের সেনাগণ সুসঞ্জিত ইইয়া गर्थारम अञ्चल इहेन। ख्यम गुननमान (मनोलाक আর কোন উপায় না দেখিয়া যুদ্দপারণ উভস হ দৈয়াগণকে স্বভন্ত নাখিলেন, অবশিষ্ট কত্ত শুলিন অস্থারোহী সেনা গইলা, ক্লন মুদ্ধ করিবাল আকারে এক কালীন অগ্রসর হইতে বাণিলেন; কথন বা প্ৰায়ন ছলে হটিয়া ঘাইতে লাগিলেন। হিন্দুদেনাগণ काशास्त्र भक्ताद्य यादेश व्यवस्थ क्रांस स्टेल, एथन मर्यम चंडल ब्रक्टि भवन अशाद्धारी रेमना गर्काद्व क्रकराद्यः ভाषाप्रिश्रदक जाक्रपन क्रिटलम्। ठीराह অ্থারোহী সেনাগণ মন্ত মাত্রের নাম হিন্দুলৈ-क्लाक (क्ली) एक कविशा व्यविधान मः शह कविष्ठ With the control of t

ুইহাতে অনেক হিন্দুরাজা হত এবং পৃধীরাজ রণ্বনী হইলেন, হিল্পুদেনাগণ ছিম ডিল হইয়া পলা-यन कविन। किशादमव यावजीय क्यामि পढ़िया बहिन, महत्राम जो जनन संगामि धर अमर था अर्थ आश्र হইলেন। ভৎপরে ভিনি আজমীরে যাইয়া **ঐ** দেশ অধিকার একং পৃথীরাজ প্রভৃতি সহত্র ২ মনুষ্যের खाग नध कतिदलन । जानभिष्ठे मकलदक वन्ही कतिया बहेश बारेट छमाक रहेश हिल्लन, खे समय शृक्षीता-জের পুত্র গোলা ভাঁহার অধীনতা বীকার পূর্বক কর-श्कर 'श्रामक वर्ष मिरलन। 'छ। होटछ छिनि हे सकत ৰোৰকে মুক্তি দিয়া ভাঁহাৰে আজ্মীর রাজা প্রতাপণ कतिराम । उपनक्षत भरूषाप पिछी श्रीका मुक्रेन किंद्र-बाब मानाम उथाय भनन क्षित्वन। क्षि उज्ह बाकपूर्व लीकारक अरमक व्यर्थ ७ वक्ष्मुना जना जेशहाह দিয়া কান্ত করাইলেন। এই ব্যাপারের পর মহম্মদ সীয় বিশাসপাতে কুতৰকে ভারতকরে রাখিয়া, গবেশ্ वा (मन भारितमा जादद मूठे ७ नक कतित्व र शबनी अक्रांश्यम क्रिक्त ।

মহান্দের প্রত্যাগণ্যনের পর,৫৮৯ খবে, কুতবউদ্দিন মূ ১৯৯০ বাজপুতকে পরাজন করিয়া পদ্দী কং ৪২১৫ রাজ্য করিয়া করিলেন, এবং তথা হইডে, শির্মিক বাজা করিয়া করিয়েন রাজধানী করিলেন। ख्दशंदत शक्षा यसूनात क्रखःशास्ति स्थान नामक पूर्व क्रिकात क्रिटलन ।

পর বংশর মহম্মদ পুনর্কার হিন্দুজানে যাজা করিয়া ष्युनात उँखंदत रेषे ५॥ शर्याम निक्षिण्य शनन करिस्तन। ঐ স্থানে লামাজুব্লের ভূপতি ভাটন্ডা ভাঁহার সহিত সংগ্রামার্ড করিলোন, কিন্তু তুত্রউদীনের সেনাগন তাঁহাকে পরাস্ত করিল ৷ ভার্তিত কানাকুবল মুসল-भागिष्टिश्व ताका कुल कहेन, अबर दे पटकांत अधि-कार्य (वारकता कामगुर्व पदिखाण कहिया महिल-श्राटिए क्य कि किंदिन । उदर्शन्द महस्म वातागरम (काभी) धयन कहिएलन, खदर है दिशा ह छीर्थ छ। म জয় করিয়া তত্তত্ব ভাবৎ দেব দেবী ও মলির ভূর্ণ করি-লেন। এই দান জয় করাতে মুসল্মান্দিগের বেহার পর্যাপ্ত অধিকার হাইল, এবং বজ নেশ গুয়েরও স্থাত্ত পাত হইল। ভাহার পর কুত্ইদীনকে প্রভিনিধি স্বরূপ ভারতবর্ষে রাখিয়া তিনি গজনীতে প্রত্যাগমন করিলেন। মহম্মদের প্রভ্যাগমনের পরে ছেনবাজ নামে গৃধীরাজের এক কুটুছ তংপুত্র গোলার নিক্তে अञ्चर्गातमं कतियाद्वितम, जाहाटल कूलवर्जेमीन आञ्च-মীরে যাত্রা ওবং, হেমরাক্ষকে পরাস্ত করিয়া গোলাকে তত্রাজ্যে পুর্বঃস্থাপন করিলেন। তৎপরে তিনি গুল-हाटके बाळा कतिरलम, अवर हे छ द्वार्थ (१ व ॥ अरम) রাজা ভীমদের মুসলমান সেনাদিগকে পরাজয় করাতে উহিার মনোমধ্যে যে অফিলাশ ছিল সেই আজোশে তাঁহাকে পরাশ্ত করিয়া ঐ দেশ লগু ভগু করিবেন।

৫৯৯ অব্দে মহামাদ পুনর্বার হিন্দুস্থানে যাত। করিয়া আগ্রার পশ্চিমে বারিনার ছুর্গ জয় করিলেন। নম্ভর ভিনি গোয়ালিয়র রাজ্য আক্রমণ করিলেন। ইতেমধ্যে খোরাশুনে যুদ্ধ উপস্থিত হইল, মুতরাং ভীছাকে গজনীতে ফিরিয়া যাইতে হইল। কুতৰ-अमीन कांत्रकरार्थ थाकिया कांग्रानियरतंत्र युक्त हाना-हैरेन्ड नाजिर्जन, व्यवर धरनक द्धारमंत्र शत्र वे युक्त क्स कतिरनमा ए ७९०८ इ व कभी दबर बाकारिर गंब মধ্যে পুনর্কার সংগ্রাম উপস্থিত হইল, ভাষাতে তিনি बै सारम यारेश जाला निवादन कतिरनन। किछुकान পরে আজনীর নগবের রাজারা সর নামক আজগীরের ্দিকটন্থ পর্বতবানী লোকদিগের সহায়তায় গোরতর पुषात्रष्ठ कतिरानम । कूछवं छेमीम धरे यूटक शताकिछ ও আহত হইয়া আজনীরের হর্ণে বন্ধ হইয়া থাকি-लिन, गुष्त कतिएक शांतिलान ना। उपनस्तत शक्ती ইইতে দৈনা আগত হইলে, তিনি ঐ দৈনা-সহকারে যুদ্ধ করিয়া জয়ী ইইলেন। তৎপরে তিনি ওজবাটে यांका करिया के खारमण छेरयां कामानस्त निली 🎉 প্রত্যাগনন করিকেন। পর বৎসর ভিনি বুন্দল্পতে

কালিঞ্জা ও কপীল নামে ছাই ছার্থ অধিকার, এবং, ভৎপ্রে রোহিল যতে যাতা করেন।

ইহার প্রকারিক মুসলমানের। গজার পূর্কাপারে আসিতে আরম্ভ করিয়াছিল। এই সময়ে নহম্মদ বজার ধিলিজী অবোধা। ও উত্তর বেহার ক্লয় করিয়া কুতব-উলীনের সহিত সাক্ষাৎ করেন। ভদনস্তর তিনি বেহারের অবনিফীংশ ও বঙ্গদেশ জ্বাকার করেন।

মহন্দদ খোরাসানে যাতা করিছা গরজমের রাজ্যির সহিত যুদ্ধারম্ভ করিয়াছিলেন। ইতিনগো তাঁহার জ্যেষ্ঠ সহোদর গওয়াসউদ্দীনের মৃত্যু সংবাদ পাইয়া তিনি বদেশে প্রতিগমন করিলেন। এপর্যান্ত তিনি ক্যেপ্টের সেনাপতি হইয়া কর্ম্ম করিতেছিলেন, তাঁহার মৃত্যুর পর, ৫৯৯ অকে তিনি গোরের রাজপদ গ্রহণ করিলেন।

्मारङ्बरुफीन सङ्ग्रम लाती।

নহমদ রাজা হই। খরজনের রাজার সহিত যুদ্ধ
করণার্থ পুনর্কার যাতা করিকেন। কিন্তু এ যুদ্ধ
পরাজিত ও ছিল ভিল হইনা স্বদেশে কিরিয়া আদিলেন। এ সময়ে একথাও রাজী হইয়াছিল যে, তিনি
সংখ্যামে হত হইয়াছেন, ভাষাতে চতুর্দিকে নহা

ं लान डेलिंड्ड इंडेन, वरं प्रस्तीरांगी लाटकदा ভীহার বিপক্ষ ইয়া তাঁহাকে নগর প্রবেশ করিছে प्रिम ना। शहल अभाष नाम छैदि। श्रीविक कीक দাস ভাঁহার সহিত বিপক্ষতা আরম্ভ করিল। ভিন্ন তাঁছার আর এক জন প্রথান দেনাপতি সুল-ভানে যাইয়া তদ্দেশ অধিকার করিল, এবং গোরখা লাতীগেরা লাহোর অধিকার করিয়া পঞ্জাব দেশ ছিল বিল করিতে লাগিল; মহমান এই ছঃসময়ে পুনর্কার বৈনা সংগ্রহ করিয়া প্রথমতঃ চুলভান তৎপরে গজনা অধিকার করিলেন। তদনস্তর কুতব-উদ্দীনের সহায়ভায় পঞ্জাব আক্রমণ করিয়া ঐ দেশ शुनर्कात अप्र ध्वर शांत्रशांत्रिशत्क सूनवसान वर्षाव-३२०७ विशे किंदिलन। उपनश्चत ७०२ ११०७ अटक, बाह्यत १३८७ शक्की याजा করিয়া এক দিবদ পিন্ধৃতীরে ছাউনি করিয়া, রাজে অতিশয় গ্রীম প্রযুক্ত ভাগুর, কানাত খুলিয়া শগুন **করিয়াছিলেন। গোরখা জাতীয়েরা তাঁহার পর**ম भक्त किन, अवर डाँशांक विनाम कतिवाद किया। मर्जना फिर्तिष्ठ, अञ्चव जो ताटक छोटानिरभेत गर्पा বিংশতি জন বঙা গোপনভাবে তাঁহার সৈন্য-কটক व्यक्तिम कतिया व्यथमण्डः व्यक्तीवनाक मण्डात कतिन। प्रशास खाद व महाग्राहिश अक्तवीरत मकरण छ। शहर

অস্ত্রাঘাত করিতে লাগিল। সাহেবউদীন মহমদ ল্যাণ্ড্যাণ করিলেন।

मार्टबर्डेकीन मर्थाप लाही गर्व एक ०२ तरमह বা**লছ করেন। তিনি প্রথমতঃ** ভাটার দেনগৈভি ছিলেন, ভাঁহার মৃত্যুর গর ভিনি বীবং বাজ। হন। भक्त्यम् खाँक शीत गुत्रम्, धवर मध्मम गान्ननी व्याल-ক্ষাও অনেক দেশ জয় ও অনেক ধন উপার্ভন করিয়া डिटलम । किन्छ सङ्ग्रह गर्जन्दी स्थमन बर्ग्नमाँ, दिछ-यन, ও विष्मादमाशे हिल्लम, व्हिम उन्दर्भ दिलम না। বর্ণ অভি নিষ্ঠ্র বলিয়া খ্যাত ছিলেন। অভএব गर्भुम भक्तनदीत साथ देशीत माम विधारि स्ट्र

गरमारमञ्ज सृङ्घाकारल गालीव ७ जित्रिकोरेश् करग्रक रमभ ভিন্ন ৰারাণদী পর্যান্ত ভাবেৎ হিল্ফুফ্রানে মুসলমান-নিগের জয়পতাদা উজ্ঞীয়মান হইয়াছিল। এবং সিস্ধা ও বলদেশ অধিকার হইতেছিল। তালরাট অদেশও পরাজিত হইয়াছিল, কিন্তু ঐ ভাচন ভীহাদিপের কোন সমতা ছিলানা। আর্থ ছামে, কোবাও তাঁহার। বাং রাজ্যশাসন করিতেন, কোথাও বা হিন্দু রাজার। তাঁহাদিগকে কর দিয়া আপনারা রাজত্ব করিতেন।

महभाग भावी। नारहर छियीन महत्यम रनाही ह ध्वामि हिम ना

অন্তএৰ ভাঁহার মৃত্যুৰ পর তাঁহার জাতুপপুত্র মহম্মদ द्राजा इहेटलन्। विश्व मार्ट्ड फ्रीन सहसार कलक छनीन जुन्नकी बालक शालन कतियाहित्वन। देशाँता अंदम्र एक लम्छ हरेगाहित्तमः। छग्नद्धा तूक्रवलेखीन ভারতবর্ষের, ইলদাজ গজনীর, এবং নসির্ভদীন निक्ष व बुनजारनद, भागनकर्जा हित्यन । भारश्वेष-দীন সহমদের মৃত্যুর পর ইহাঁরা স্বস্থ প্রধান ও ভাগীন হইয়া ডাঁহার জাডুম্পুরের প্রভুত্ব দীকার कतित्वन मा, पूछतार छिनि लात, हितारे, मिस्तान छ त्यात्रीमीटनम् मेन्डिमार्म सहस्र थाकित्मम । आत २ मकल काम वादीन १हेन। किछ नकारभक्षा कुछवडेनीन প্রবল ছিলেন, এক্সন্য মহম্মদ তাঁহার সৌহান্য আকা-জ্ঞায় ভাঁছাকে ভারতবর্ষের রাজপদ প্রদান করিবেন। ेरेम्पाक ७ मित्रफेनीन छाएक ध्वरम हिस्सन मा, छवालि महत्मम छाहामिशदक ममन क्रिवाम क्रिका करतम लोहे। किन्नु भीत हम वर्गत भारत छिनि श्रद्धांक भेमन क्रिट्न छ। हार्द्धांत मर्पा महा विशाम जिलाहिक रहेन। ये विशास निवृत्ति ना रहेटक रहेटक বরজন দেশীয় রাজা ভাঁহাদিগকে পরাত্ত করিয়া গৰালী ও খোর অভূতি শিকুষ্দীর পশ্চিম পারস্থ ভাষদেশ অধিকার করিকেন ৷ ভাষ্ডে গোর ক্লালা कारक्षारम् भारम ज्याख स्ट्रेन ।

একাদশ অধায়

দিলীতে পাঠান বা আফগান দিগের রাজারত।

কুতবউদ্দীন।

गार्विकेनीन यह प्राप्तत हुजात शत जीकात का कुला महत्त्वान, कुल्व लेनीन के जार कार्य हिन्दी है के बार्य के किया कार्य के किया कार्य के किया कार्य के किया कार्य के किया कार्य कार्य के किया कार्य के किया कार्य के किया कार्य कार्य के किया कार्य क

কুতবউদ্দীনের পূর্ব বিষয়ণ এই—ভিনি ভুক্তানের এক সানানা মনুবোর পুত্র ছিলেন। বালাকালে ভাঁহাকে কোন মহাজন ক্রয় করিয়া নিলারপুরে এক জন্মসুবোর ভানে বিকাশ করেন। এ বাভি ভাঁহাকে গুত্রে রাখিয়া বিদ্যাশিকা করান। পারে ভাঁহার বুজুর

हर्देखा लेग्न होशाह विज्योपि विकर्षकोटन वक जर्म मार्ग-निरंक्षक कुँछनटक कप कहिया भारक्र केंग्रीम भर्न न्में में लोडीव छाटन, निकल करता अवस्मान छीहातक क्ये करिया अथमंदः कुछा यज्ञा दाधियाहित्वमः, छ९-পরে ভাঁহার ভবের পরিচয় পাইলা ভাঁহাকে অখা-द्राही त्मनांत कथाक करदून। अनुस्त यथेन यदस्य र्मिनीय दक्षित महिन्छ युक्त हेय, बे नगरय देननार्गरभंद আহারীয় দ্রব্য আন্য়নার্থ কুতব অভান্ত সাহস প্রকাশ করিমাছিলেন, তাহাতে তাঁহার পাধিক সম্মান হয়: . ७२मा इ. यतक्ती ननीतः शिवतः हिन्दः तासानिटणव সহিত খুঁজের পর, দিলী ও আজ্মীর জয় হইলে, সহম্মন গোরী ভাঁহাকে ভারতবর্ষত্র সেনার অধিপতি करद्रम्। 'एमनिथ कुल्टरউकीन 'लाइल्टरर्यद्र कर्म्यक्र्डा इंदेश एंडक्ट मकल कर्य मन्भापम कतिएएन, धरर महभा २ आत्मक तम्भ क्षाप्र कतियाकित्वन । महन्त्रत्मत मुद्धात लित, जिनि जातज्यस्य मसापे देश मिलीएड ব্রাজপাট হাপন করেন। সেই অবধি দিলী নুপর मुन्नजनाम बाजारमब उाजपानी रगा

কুতবউদ্ধীন রাজা হইখে পর, ইলদাল ভারতবর্থকে সম্প্রবীর অধীন বলিয়া টাহার পহিত যুদ্ধ করিতে আফিলাফিলন, এবং লাহোর পহান্ত অধিকার করিয়া-জিলন। কিন্তু কুতবউদ্ধীন টাইটেক তথা হইতে ছ্রীকরণ পূর্বাক শজনী পর্যান্ত গমন করিয়া ঐ রাজ্ঞা অগিকার করেন। কিয়ৎকাল পরে ইলদাজ তাঁহাকক ঐ রাজ্য ছইতে পুনর্জাব ঢুরীকরণ করেন। তদবধি কুতবউদ্দীন আপেন রাজ্যে থাকিয়া রাজ্য শাসন করি-তেন, আর কোন যুদ্ধে গমন করেন নাই।

বুত্রউদ্ধীন অতিশাস ন্যায়পরায়ন এবং দাত।
ছিলেন, এবং ঐ গুণে সকলের অত্যন্ত প্রিম হইয়াছিলেন। তিনি বিংশতি বংসর রাজকর্ম নপ্পাদন
ন্ ১২১১ করণানস্তর, ৪ বংসর রাজত্ম কবিয়া,
কং ৬৩০০ হিন্দুরী ৬০৭ অফে, প্রবোক গ্রন

জারাম।

কুতবউদ্দীনের মৃত্যুর পর, উহার প্র আর্মে রাজা হইয়াছিলেন, কিন্ত তাঁহার কোন যোগতে। দিল না, তাহাতে এক বংসর অতীত না হইতে হইতে তিনি আলভ্যাস কর্ত্ব রাজ্যভাত হইলেন।

🧢 🧼 সমস্থনীন স্থালভয়ান।

আলত্মাস, মহম্মদ গোরীর আর এক জীত দাস, তিনি, কুতবউদ্দীনের কন্যাকে বিবাহ করিয়া বেহার দেশের শাসনকর্তা হইয়াছিলেন ৷ পরে কুতবউদ্দীনের মৃত্যুর পর তিনি লোভ সমরণ করিতে না পারিয়া আরাদের সহিত সংগ্রাম করিয়া দিলীরাজা অধিকার করিলেন।

ত্রী সময়ে ইলদান গলনীর অধিপতি ছিলেন।
আলতমান রাজাইইলে তিনি নিলীকে আপন অগীন
ক্রান করিয়া আপন ইচ্ছাতে তাঁহাকে রাজসনন্দ
ক্রেরণ করিলেন। তৎপরেই ভারতবর্থ লইবার নান্দে
মংগ্রামনকা করিয়া আলিলেন, কিন্তু আলতমাস
তাঁহাকে পরাজয় ও বন্দী করিয়া কারাগারে রাখিলেন।
তদনকর নিমরউদ্দীন কিন্তুদেশে আপনাকে স্বাধীন
বলিয়া দিলীবরের অধীনতা ভাগে করিবার উপক্রম
করিলেন, ভাহাতে আলভনান ভাঁহার সহিত যুদ্ধ
করিতে গৈলেন। কিন্তু কোন প্রকারে ভাঁহাকে পরাভব করিতে পারিলেন না।

এই বিবাদের সময়ে খরজন রাজা ভারতবর্থ কয় করিবার অভিনাথে বৃদ্ধসক্ষা করিয়া সিকু নদীর নিকট পর্যাপ্ত আদিলেন। নুসিরউদ্দীন তাঁহার সজে যুক্তে প্রাপ্ত ছইলেন। কিন্তু এ সময়ে (ছিল্ডরী ৬১৮) জলিস বা নালে এক নোগল সেনাপতি ভাতার দেশ জয় করিয়া অসক্ষা নোগল-কেনা লইয়া প্রজালত হতা-শবের নাম মুসল্মান রাজ্যে আদিলেন, ভাহাতে করিলে ক্ষকার দেবিল। জ্লিস খাঁমের সজে এত

দৈনা আদিল, যে তাহার পুরুষ বা পরে তত ইদুনা कथम बक्क त्मथाया मारे, जबर जे मकन रेमत्माता ঘেপ্রকার পৌরাত্ম করিতে লাগিল, পৃথিবী সৃষ্টি হইয়া অব্ধি তেমন দৌৱাথা আর কথনই হয় নাই। बे भागत्वत्र। त्कान वर्मा ; ज्ञानाहेत्व क्रिया व्यर्थ श्रदश করিবে এমত অভিলাষ ছিল না, কিন্তু মার আর কাট ইহা ভাষাদের শক্ষ ছিল, এবং ভাষারা বে সকল रमण निश्च श्रममाश्रमम कांत्रब छोटा अरकवारत छेदमञ इहेल।

এই সোগলের। প্রথমে অরজ্ম রাজ্যে উপদ্রব আর্ড্র করে, ভাছার কারণ, জঞ্জিল খাঁ, খারজম-রাজার সমীপে এক দৃত প্রেরণ করিয়াছিলেন, তিনি ভাহাকে বধ করেন। ইহাতে নোগলের। ভাঁহার রাজ্য জাক্রমণ করিয়া তাঁহার ভাবৎ দেনা ছিল ভিন, তাঁহার ভাবৎ রাজ্য উচ্ছিন, এবং ভাঁহার তাবৎ প্রজা সংসার ও বদ্দী করিল। খরজ্মের बाजा अकिम गारियत मुश्कि मध्याद्य अनमर्थ रहेश **मंग्रानी रहेष्म्। अदः ठाँशः श्रुव जनान्छेकीन** इटिकाइ पूर्व व्यारच भनाशन क्रितितम ! किंहुकान भारत बहे ब्रांकशूज ब्याग भग कतिया बे त्याधकमिरभत. সহিত এক্ষার কান্ধারে ও আর একবার সিস্থাভীরে पूज कड़िया क्यों दहेगावित्वत् । किन्छ खादांत भरत

ু মোগলেরা ভাঁহাকে প্রাক্তর ক্রিল। ভাহাতে ভিনি সিশ্ধপার হইয়া দিল্লীরাজ্যে আলতনাদের শর-ৰাগত হইলেন। আলভমান বুদির কর্ম করিয়া, তাঁহার সহায়তা করিলেন না, কেননা ভাগা হইলে श्यां शत्यता ठाँशात ताका नके कति छ। अनान उसीन बे जालांग निवाल रहेगा लावशामिलाव महिल मिनिया मिन्नुनमीभादक जांदरम्य नके वर उरभारत শিকুরাজা জয় করিলেন। তদনন্তর গোগলের। পারদ দেশ হইতে প্রস্থান করিলে পর, তিনি পুনর্কার ঐ রাজ্য অধিকার করিংলন। কিন্তু তাহার পর তিনি बे মোগলদিগ্নের সহিত বুচ্চে হত হইলেন।

এই মোগলেরা যে সকল অত্যাঢ়ার করিয়াছিল ভাষা ফেরেন্ড! লিখিয়াছেন যথন জলাল-অভুতপূর্ধ 🕛 डेकीन निकु बाद्या हिटनन, उथन त्यांगटनता ठाँशांत অবেষণে মুলভান পর্যান্ত আদিয়াছিল, কিন্তু নগর ্প্রবেশ ক্রিতে না পারিয়া নিকুমুখে গমন করিক। এই সময়ে ভাছাদের পাথেয় ক্রায় হইয়াছিল, ভাহাতে সম্ভিব্যাহাটী বন্দীগণকে স্বাহার দিবাধ বন্ধতি হই-द्वना विज्ञा >०००० धक राष्ट्र राफीटक श्रेष्ट्रासूटभ व्यर्शन করিল। কি নিঠুরতা, বদি এই ষ্কল লোককে আছার দ্বার ক্ষতা ছিল না তবে তাহাদিগকে ছাড়িয়া हित्त त्य जावना चारिक का, जादा ना कविया जादा- দিগকে সংহার করিবার কি প্রযোজন ছিল। ৩ই প্রকার ভাষার। আর আর অনেক দৌরাখ্য করিয়া-ছিল।

নোগলেরা প্রস্থান করিলে পর আলভনাস, (৬২২ তকে) নিসিরউদ্দীনের সহিত পুশ্বর্ধার যুদ্ধ করিতে গন্দ করিলেন। এ ঘাতার নিসিরউদ্দীন পরাস্ত হইয়া পলায়ন করিলেন, এবং সিন্ধু নদী পার কালে ভন্মধ্যে নাগরিবারে জলমগ্ন হইলেন, ভাছাতে সমুদার সিন্ধু রাজ্য দিলীর অধীন হইল।

শে বংশর বজার খিলিজী বেছার ও বছদেশ
আপ নার উপার্ক্তি বলিয়া দিলীর সন্তাটের অধীনতা
তাগি করিবার প্রতিজ্ঞা জানাইলেন। ইহার প্রতীকার জন্য আলতমাস সইসনা বেহার যাত্রা করিলেন,
এবং বেহার প্রদেশ ভাঁহার হস্ত হইতে লইখা আপনার প্রত্রুক অর্পা করিলেন। বক্ষদেশ বক্তার থিলিজীর হস্তে রহিল, তিনি অনীকার করিলেন দিলীর
রাজার অধীন থাকিয়া এ দেশ শাসন করিলেন। কুন্ত
পরে তাহা না করিয়া এ দেশ শাসন করিলেন। কুন্ত
পরে তাহা না করিয়া এ দেশ শাসন করিলেন। কুন্ত
পরে তাহা না করিয়া এ দেশ প্রনার যুদ্ধ উপাহ্ত হঞ্জন্য করিলেন। তাহাতে প্রনর্কার যুদ্ধ উপাহ্ত হঞ্জন্যতে তিনি অবশেষে নিগন প্রাপ্ত হইলেন।

ভদনভার আলভ্যাস ছার বংসর হিন্দ্তানের যুক্ত নিযুক্ত থাকিয়া প্রথমতঃ রিভারর, ভাহার পর মানব आमार मा ए जिल्ला ७ उक्तिमी मनत जग्न कति-त्वन। यद्या भाषानियत्र त्रांत्वा त्रोकविष्टांश स्ट्यान ছিল, তাহা শান্তি ক্রিয়া তিনি ঐ দেশ সুনর্গিকার कविदलन ।

এই প্রকার, মধ্যে ২ তুই এক দেশ ভিন্ন, প্রায় ভাবং হিন্দুতান জয় হইল, তরপো কোন দেশ নিভান্ত শাসনাধীন, কোন দেশ বা কতক শাসিত ছইল, এবং মোগলদিনের রায়াড়ের শেষ পর্যান্ত ঐ রাজ্য ভদ-दशा हिन। उद्ध क्यंन क्यंन भागनक्रीं प्रित्त व्यनवंशान हो त्यारव क्यान कान छात्रप्र में रिष्णु ज्ञाकांत्र। মন্তকোতোলন অর্থাৎ স্বাধীন হইবার চেটা করিতেন. কিন্তু সম্রাট শক্ত হুটলে ভাষা করিতে পারিতেন ना ।

আলভ্যাস এই সকল দেশ লয় ক্রিয়া, ৬৩৩ অন্দে, च ५२७७ मिल्ली नगदत अलाभिमन कतिरनन । कः उर्ध । उर्शाःत सूनकादन गमन कतिएक ছিলেন, এমন সময়ে ভাঁহার পরলোক প্রাপ্তি হইল। कुछर-मिनाइ नाटम निजीव्छ अर्व अरुख आव्ह, छोटा आन्छमादमत ताजवकादम ममानम हत्र। व खटबर किरम्थम कृषिकरून काविशा विशादक, किन्छ ভয় হইয়াও এখন পৰ্যান্ত ভাহা ১৬০ হাত উচ্চ साइ। अंड डेक उम्र शृथिती के यात्र कान दारन

तिथा यात्र ना *। कूछवछेनीन, मारश्वछेनीन महत्त्राणत मात्रभार्थ ७३ छक्क निन्धांन करतन ।

बक्यूफीन।

আলভনালের মৃত্যুর পর তাঁহাঁর পুর রুক্রদীন,

গু

র র রুত্ত লক্ষ্য ছিলেন, এবং বেশা ও গভা
গীতে প্রায় তাবং ভাগ্যার শূন্য করিয়াছিলেন। তিনি
করেরঃ এই ভাবে থাকিতেন বলিয়া, ভাঁহার গর্ত্তধারিণী রাজকর্ম সম্পাদন করিতেন। কিন্ত তিনিও
আভি নিষ্ঠুরা ছিলেন, এবং প্রজাগণকে নানাপ্রকার
পীড়ন করিতেন, ভাহাতে প্রজাসকল অভির হইয়া,
গাত মাস পরে, রুক্রদীনকে রাজ্যজন্ট করিয়া ভাহার
সহোদরা রেজিয়াকে রাজ্য সমর্পণ করিল।

[•] বিহার উপস্তম্ভ ৩০ হাতের ন্যুন মহে এবং উপরিভাগের পরিথি অন্যুন ২০ হস্ত। এই তান্ত ক্রমে দক হইনা উচিয়াতে। ইহার প্রথম ১২০ হস্ত কল্পরমা লোছিত প্রস্তাহ, উর্জ্বাপ থেত প্রস্তার নির্মিত। ইহার বাহিরে চার্টী বারাদ্দা আছে, প্রথম বারাদ্দা ৩০ হস্তের উপর, দিতীয় ১৪, তৃতীয় ১২০ হত্তের উপর এবং চতুর্ব ১৩৫ হস্তের উপর। স্বজ্বের ভিতর দিয়া যে চক্রান্দার আর্জনলীল দোপান তদ্বারা এই দকল বারাদ্দাতে গ্রমন করা যায়। সোপান চূড়া পর্যান্ত উচিয়াছে এবং অতি ক্রম্পর। এই জন্ত কুতবের নির্মিত সলিয়া থাটিত, কিন্তু কোন বিচক্ষণ, প্রতিত গ্রমান করিয়াছেন, এই জন্ত প্রথমতঃ হিন্দুক্রতি কর্তৃক্ত নির্মিত ব্রুজ্বনের।

রেছিয়া বিগম।

्क्टइन्डा - निविद्यारहन द्वाजिया ममस ब्रोक्सन-১২৬৬ । বিশিষ্ট। ছিলেন, এবং যাঁধারা ভাঁহার ৪৩৩৮ ি ঘোষারুসন্ধান করিয়াছিলেন ভাঁহার। উহার একমাত্র মই দোষ পাইয়াছিলেন, যে ভিনি নারী জান্ডি, তত্তির তাঁহার আর কোন দোব ছিল না। द्विषया विभावकी हिटलम मा बढ़े, किन्न विकि কোরান পুস্তকগানি অভি মুন্দররূপে পাঠ করিতে शांतित्कम, धरेर बालकर्ष्य धमन विशेषना कितन त्य. ভাঁহার পিড়া হিন্দুছানে গণনকালে কোন পুত্তের প্রতি রাজকর্মের ভারাপণ ন। করিয়া উচ্চাকে ঐ कट्योव राज किश विद्यादिसम्। द्वांबराङ के उन्हें উভ্যত্তপে নিৰ্বাহ করিয়াছিলেন : অনস্তর যথন ষ্ঠাকোর মহৎ সহৎ লোকের। উহিত্য ভাতাকে রাজান ्रा क कतिकात श्रामर्ग करतम, ज्यम जाहात्मत प्रेष्ठे। मेंन रहेशोहिल। अरू मुट्लाब्र व्यक्तिया स्य दहिना तांकतानी या हम, वालीम मञ्जी वह परवंत अधिशंकि ' हिल्लन। चिनि चारनक लाक अन्न कतियाहित्नन, াবং অবেক সৈনা একত করিলেও করিছে পারিতেন, ्रहाश **रहेरन** (तक्षिमात बाक्षाव्याखि इत्त्र रहेड। किस किनि अमन कोमन कतिरमन त्य देमना बाहा त्य कार्या ना दम छोटा के त्योभन बाता हहेन । जिन भक्त

মণের মনোভঙ্গ করিরাণিলেন, ভাহাতে ভাহার। আগন্ত্রিই পরস্পর বিনাদ আরম্ভ করিল, সূত্রহী ভাহাদের মন্ত্রণ বিকল হইল, এবং ১৯ নিয়া অনায়ানে সিংহাসন প্রাপ্ত হইলেন।

রেজিলা রাজবেশ ধারণ করিতা সিংহাগনে ধাস-তেন, রাজস্ত আসিলে যতং তাহার নলে আলাপ ক্রিতেন, এবং ভারি ২ বিষয় আপুনি নিজাড়ি ক্রি-তেন। ইহা ভিম তিনি পূর্বতন রাজনীতি সংশোদ পন স্বারিয়াভিলেন। কিন্তু তিনি এক জন জীত দাসকে অভাস্ত ব্যেষ্ঠ করিতেন, এবং ভাহাকে সকল সভাসনের व्यान कहिया आचित्रण उपता प्रांकि नियाधियान, ইহাতে সকল সভাতেরা অপনান বোধ করিলা গীতার বিরুদ্ধাচারী শ্ন। আলতাগিন নামে ভূর্বপাতীয় धक क्षणान वास्ति अहे विष्णाद्यत मून छित्वन। दर्शका विद्याह निवादन खना खा॰, च क्यातन कतिया-**फिरमन: किन्नु क्रफंकार्या शरेटक शादतार भारे । कार्याटक** বিপক্ষণ ভাঁহাকৈ কারাক্রড কার্যা ভাঁচার গ্রহাদর बरदाबरक दाक्य करतम । ८५ किया एन्सी रहेगा ३ विश्वक मन्ना छह्न अवस अ ताहमा इ अत्ना अपनी कतिया । बागम वर्गीकुछ कजिटलम, १५० छ।११६ % में वर्गफ केशिएक विवाह कतिन केशिय धारा । ने हे दरभास क्षात्रस कविता। किछ खादार्ट ए तरावे ६० घरे-

লেন। ঝেজিয়া তিম বৎশর ছয় মাস রাজত্ব করিয়া-

भशकुकीन दश्याम।

মূ ২২৫২ ছিজরী ৩৩৭ অন্দে, বহরান রাজা বং ^{৪৩৪১} ইইয়া বিশ্বাস্থাতকতা পূর্বক তাহার महाम्याती मजामम्गरभंत छान महेर्छ छेगा हरे-त्मन । किन्तु व्यक्तमाद अक मन्तुरांत्र त्यांचन रेमना লাহোর পর্যান্ত আদিয়া উহিত্তি রাজ্য আক্রমণ করিল। ভাহতে সে অভিনাধ সিদ্ধ হইল না। পরে মুদ্ধের नमटस केंद्रित कालनात देननार्थल कूमजान कतिया ভাঁচাকে হত্যা করিল। বছরান সূই বংসর ছই মান माक द्वांक क कांत्रग्राहित्वन ।

আলাউদীন মস্থদ।

३३३३ वस्त्रारमत्र मुक्तात शत् ७७३ लटकः करः व २०१० चित्रकोटनत पूज मञ्चल त्राका इटेटलन। ক্ষিত্ত তিনিও পিতার ন্যায় ইচ্চিরপরতক্ত হইয়া ধাকিতেন। ভাহাতে ভিনি হুই বৎসরের কিঞ্চিৎ আখিৰ কাল রাজত্ব করিয়া রাজাত্তই ও হত হইration t

[&]quot; बद्धानंत्र ज्ञाक्य कारण त्यानमं देनप्तात्री हरि बात्र

রাজ্য ক্লাক্রমণ করে। প্রথমনার ভাহারা কেবল আবর্ত দিয়া বোন্দানে গমন করে, দ্বিভীয় বার রাজ্যের উত্তর পশ্চিমে অচ পর্যান্ত আসিয়াছিল। কিন্ত ইতকার্যা ইইতে পারে নাই।

नित्र छेन्नीन सङ्ग्रन।

ন্দিরউদ্দীন গ্রন্থান, আনত্যাসের পুত্র ৷ আলত-মাদের মৃত্যুর পর, ভাঁহার ভাতা ও ভগ্নী ভাঁহাকে कार्ताक्रक अतिहा त्राणियादित्तम । अहमार कार्ताक्रक ধাৰিয়া পুস্তৰ পাঠ করিতেন, এনং কোৱান পুস্তক নকল করিয়া বিষয় করিতেন, তাহাতে উদেরে দিন-পাত হইত। এই প্রকার কিছুকাল বাপন করিবে পর তিনি এক কুদ্র রাজ্যের শাসনের ক্যা পাইয়াছিলেন, बै कर्म जिनि चिछि विष्यमण्ड। शूर्वक निकार काहम । ১২৪৬ 🍞 ভাহার পর, হিজরী, ৬৪৪ অলে, ्बर ^{१८९४}ि मिलीत ताङ्य आख श्हेश जिनि लाजां के मंगकी हहेरवान, छोशांत कांत्रम, विमा अस्मी-नन ও अजीभीनदन उँहित विस्थय महनाहणा हिन, पत्र जोका इषित्र क्रिके। मा कतिया गोराटक छाहा রক্ষা হয় ভাষারই বন্ধ করিতেন্য কিন্তু এত বড় बाट्यात अधिभिन्नि इरेगां जिनि विश्वकात गांत्रामा कार्य श्रीकिर्छन्, छाहा छनिरम, होता बाहरम्। सुर्ख

कालाबादत श्रीकिश देवन शुखक निश्चिम पिनशास्त्र कांबर जन, मिही बड हरेश छ नारे अकांब्र मुखक विकास कतिया यण्डकथिकदक्रत्भ जीवन-याका निर्वाष्ट कर्त-टिन। इंटिअर इकिन इटिबार कर्माई राष्ट्र इरेड, ভাহার এক কণ্ঠকেও আপনার কর্মে ব্যয় করিতেন ना। आत अगम (छाननाम्धी मत्त्व छिनि वानीत नाव श्रांकिएन, छाँदात द्रांबदानी वरुष्ठ छाँदाद बस्तन करिक्रा निरंडन । ताली अंक विन बस्तन कड़िएंड र इन्छ मक्ष कतिहा छ। हाइ खारम धार्यमा कविरमन, असन কর্মের জন্য আমাকে এক জন পরিচারিণী দিতে व्याब्धा रुकेक। ताका ভाराও जन नारे। तानी धका-किनी मकल इंडकर्म कदिएछन। देश किए छीर्रात अगल बीस्ट्रा किंब त्य, अनुत्यात्र त्यक्षण क्रीय दङ नां। त्यान নৰ্যে তিনি একখানি পুড়ক কিমিলা এক আলীল सम्बद्ध दम्थाइटनन । तम आक्र कारा दम्बिका क्रमे ক্রা অশুদ্ধ বলিয়া ভাষা সংশোধন করিছে বলিলেন। महत्त्वाम जिल्लात कथाग तमक कथानि मर स्थापन किन रमन। भारत ये वास्ति आहान स्तित्व श्राष्ट्र कथाहै केंगरेवा जाशनाव क्यांकि श्रनकार निश्वित वासिटनन। কোন বাজি ভাহার কালে কলাগা কাচত, তিনি क्षेत्र कतिरमन वह तथा एक लाश हिन । किन कारा मा कार्करक शास्त्र के माकि नगरक राजन।

अंकना छाटा कोष्टिमाहिनाम, याखदिक श्रे कथा श्रेष नटर, वेकना छोरा युनकीत मराभावन कविया ग्रांधि-नामे। धेर अनात ठीरात यात जात सरनक छन किन।

া নহম্মদের প্রধে বে ছই তিন অন রাজা হইয়াছি-रतन, डीट्रांस्त्र ब्राह्मकार्धा व्यवस्थात । जानमा প্রায়ুক্ত নিকটস্থ করেক হিন্দু রাজা বিদ্রোহ আরম্ভ করি-য়াছিলেন ৷ বহুমান ভাহাদিগকে দুমুল করিয়া ভাহা-मि: वत त्रांटका कालनांत काथियंका यूनक्ट्रांलन व्यटः, पिक्षी क्षवि हमन नमी भर्गास म्याना अपन करणावस কার্যাভিলেন। অধিহন্ধ গোরখা জাতীয়ের। এক-বার মৌর্মলনিগের সঙ্গে মিলিয়া ভাঁছার রাজ্যে উৎ-পাত করিয়াছিল, 'এজনা ভাষাদিগকে সমুচিত দণ্ড निया भौगम क्रिस्मन। एसिम त्यागन रेगरनाया शिमानाकाम मर्वामा छेलछा क्रिक्र, जांश निवादन क्रमा जिमि के अंकरण रमदर्श मार्ट्स कर जम उठ्छ শাসনকর্ত্ত নিযুক্ত করিলেন। এ বাক্তি তথার পাকিয়া **क्वल 'गांभगिंग्लिस 'উद्यांड '**निवाद्य क्रिट्डिस ,এমত নতে, লিনি কাছাদিলের সভিত সংগ্রাম করিয়া প্রজনী রাজ্য পুনর্ধিকার করিয়াছিলেন।

धर्ध ध्यकात डीहोड त्रांच दकारण मकन त्राच्या छेखार ऋरण मानिफ रहेशाधिन, बिक वाजीन मेटम डाहाक

যে মন্ত্রী চিলেন ভিনিই ইহার খুনাপার। বালীন পুরুষ ক্ষালত্র্যান্যর জীত দাস দ্বিলেন, পরে স্বীয় গুণে তীহার জিল হইল। ভাঁহার কন্যাকে বিবাহ করেন। মহম্মদ ঐ সন্ত্রীকে কভান্ত বিশ্বাস করিতেন, এবং তীহার প্রতি সকল কর্ম্মের ভাগার্পণ করিয়াছিলেন। মন্ত্রীও ঐ সকল কর্মের ভাগার ইইলাছিলেন।

वालीन।

১২৬১ বালীন, পূর্বে রাজত্ব অর্থা সম্ভিক্র ^{৪০১৮} ি করিতেন। তিনি অত্যন্ত বৃদ্ধিমান ও পর্যক্রমশালী ভিলেন, অভ্যব মংগাদের মৃত্যুর পর তিনি অনায়ালে সিংহানন অধিকার করিলেন। আলতমাস রাজার প্রতিপালিত তাঁহার সভী আর ং दा मक्स की उमान खेळलम्ब एरेसाछिन, छार्यामस দলে ভিনি মন্ত্ৰণা করিয়াছিলেন বনি কোন প্ৰকারে রাজ্য অধিকার করিতে পারি ভাষা হইলে আপনারা ब्राक्त विष्ठान कविता नरेव। किन्छ ब्राका आंछ हरेश छिनि त्र अभीकाइ तका ना करिया, इटन नटन छारा-क्रिटीत काराटक विनाम श्रादिणन, व्याराटक अभागान-अंख कतिया श्रामित्सम् । असमग्रह जिनि व्यक्ति प्रम-भाष्य द्वांका जात्रक कतिस्थम । जिम स्टन र विका-किटबार अमराजे राष्ट्री छ त्यादक नेवान करते हैं। ब

धव धूमशाम्य श्रहण्य कांत्रणम्। विरुष्धः श्रे मर्गुद्धः स्माप्तवाद्यः स्

এই দকল রাজাদের সমভিব্যাহারে অনেক বিদান
সমুধ্য দিলীতে আফিয়াছিলেন। ভাহাতে এই কথাও
রাই ইবাছিল যে তিনি বিদ্যালগালক, কিন্তু দে কথা
ভাকিফিকের। সাহদ নামে তাঁহার এক পুত্র ভিতরত
ভিনি অভি বিচক্ষণ এবং ঐ সকল বিদ্যান লোকদিকৈ লইনা সর্বদা আমোদ আহলাদ করিতেন। এবং
পারশ দেশীয় দেখা সাদী নামক বিখ্যাত করিকে
আপন সভাতে আদ্যান করিবার যত্ন করিয়াছিলেন,
কৈন্তু সাদী বৃদ্ধাবদ্ধা আয়ুক্ত আলিতে না পারিয়া
ভাহাকে আশনার ক্লত করেকখান গ্রন্থ গ্রেরণ করিয়ান
ছিলেন। খদক্র নামে বিধ্যাত কনি এই রাম্মুক্যারের
সভাতে আলিতেন।

্ৰানীন, সহংশোদ্ধ ৰাখীত জীড দলি বা দাবান্য

लांकरक ब्राट्मां नहां है लान कर्य पिटलम ना, अवर श्रद्धावित एरक्ष्मिणाटक केंक्र कर्य रमस्टर्में देव ब्रीस्ट িছিল ভাষা রহিত ক্রিয়াভিলেন। ভার **সকল ফর্লেই** उँहात षांटराम शामग्र हिना स्मान शाम ब्रांच-विरक्षां हरेरन एक राजानियात बाजक कारन धरे রীতি ছিল প্রথা দিকে দও দান প্রক শাসন কৰিয়া দেখা মা ত, ভাহায়া অমত কৰ্ম আৰু না करता किंद्र दानीटमन ममाम भी आकात विद्याह इहेटन इहारे ४७ २३ वरकहे थे आ-गूर्य पर्शन करा बाइंड, बहुक देहाड खनायांत्र यनि कथन कान দেশের নাগনকতা কোন জাট করিতেন ভাষা स्टेटल मिमालन अश्दाद डांश्य आन नाम अवाहे-1 7500

् । अहे खकांत भागन थाकाटक तोक्रिटिताहांनि व्यवनरू ্লাভ ইইয়াছিল, তথাপি প্রসাও বমুনার ভীরত্ব এবং যক্ষ ও যেওছাত পর্কতের রাজারা পর্কতবাদী দল্লা-श्रद्भत त्मोद्रारका म्यञ्चगात्री दक्षेत्राष्ट्रियन । चालीन जे क्षेष्ठां अभाक मनम कविशा की अकटल देशना उपन्य छ ক্ষম্য প্রকাব শাসন ছারা ঐ উপত্রব শাস্তি কবিয়া विश्वम, रेस्। त्र *क्रम*) रमक्षांटक ष्राष्ट्राम क्रफ सन्तरमात्र ্জিলা মন্ত ক্ষিতে কট্যাছিল। প্ৰান্ধৰ ডিনি ঐ পৰ্যা-देखें बारनक खन्न काउंदिया भिगाहितन, टाराटक

ভদবরি ঐ পর্যক্ত দমুরে, বাসস্থল না হইয়া রুমিশণের উপজীবিকার পথ হইয়াছিল।

७ १९ अटन ट्लांशन बाद्य रहदनकीर पूर्वामात लाक নগর জন্ম করিয়া দিলীশ্বকে লুভিত এবোর আংশ व्यविक्त करहान बाही, अवय जालीन ताज्ञलम अव्य करिन ষাহিলেন। বালীন ভাঁহার দণ্ড ক্রে ইদন্য প্রের্থ করিলেন, কিছ ভাষারা উহিচকে দমন করিতে পারিল না: বালীন ভাষাতে সেনাপতির গ্রাণদও করিয়া আন এক জন সেন্পাক ত্যেরণ করিবেন। এই সেন্দ পতিও বৰ জয় করিতে পারিলেন লা, ভাষাতে জিনি यस्य गरेमरना वलस्यरमं असन कतिरसन। उत्तरिक्ष উছি।র জাগমনে ভীত হইয়া সংসদে। অরণো পঞ্জা-यम कतिदलमा वायोत्मत अके क्या त्मामी छाष्ट्रात সন্ধান পাইয়া চলিখ জন মনুষ্য লইয়া উইোকে আজ-মণ করিবেন। ভোগ্রন এই দেনাপতি ও তাঁহার চ্লিশ জন সমীকে অন্যয়াসে বিনাশ, করিতে পারি-তেন, কিন্তু প্রচাতে রাজ্যেন। আসিতেচে এই स्टा छारा ना कतिया भनायत्मत त्वका कवित्वन, जाशास्त्र मनी शांत घरेबांत समग्र के रमनाशिक उँ। एएक वय कतिरम्म । रखायात्मतः मृद्यतः अव वामीन वन-**रम्हर्म अटमक अन्त्राहात कहित्सन, स्टा**त आंश्रमात विकीत पूर्व क्यादिक एमानात अधिशक्ति क्रिया मिली

প্রভাগনন করিলেন। তদনত্তর তিনি প্রনর্বার বল-मान कामिनात कल्लना कतिशोष्ट्रितन, विन्तु उद्योशन সভাস্থ লোকেয়া ভাঁহাকে নিরস্ত করিলেন।

ইছার কিছু কাল গরে তাঁহার জ্যেষ্ঠ পুত্র সাহদের মৃত্যু হইল। এ রাজপুত্র পঞ্চাবের সুবাদার ছিলেন। পিতা বছদেশের বিজ্ঞাহ পাঙ্কি শরিয়া দিলীতে প্রত্যা-গ্রমক ক্রিলে, তিনি উল্লার স্কিত সাক্ষাৎ করিতে আনিবাছিলেন। পরে পার্য দেশের রাজা আরগান থাঁ আনেক যোগৰ বৈদ্যা কাইয়া পঞ্জাৰ আক্ৰমণ করিলে ভিনি তথায় ঘাইয়া ভাঁহাকে পরাজয় করেন। उरशाद रियाण जिस्से से खे खामन बाकमन कहितन दिनि छीशांदक शहांख कहिरजन, किन्छ प्रथम छिनि मेल्यु अभाषावतान हरेटनम एथन डिमुद थाँद्यत কৃত্ৰপ্ৰা দেনা ভাঁহাকে বিনাশ কৰিল। মহাকৰি षाभित्र अर्थक के नटक जनवानी दन।

্রাছ্ম অতি সং ও উপযুক্ত ছিলেন, অতথন তাঁহার সূত্রতে অপর সাধারণ সকলে শোকাকুলিত হইল। बालीम कार्याप त्रव व्हेशकित्सम, जवर श्व-त्सीरक क्रशामाय बरेगा, ब्यहारक हाका धर्मन विश्वत मीनर्त 🗆 बक्रदमभं इडेटल जानयन कहाडेटलन। किन्छ खर्थन ভীছাথ মুক্তার আশক্ষা ছিল না, ভাহাতে কেরা পিডার कार्यां का महिया सकत्मान पूनर्यम कविर्द्धन ।

বালীন ইহাতে জুছ হয়। ভোগ গুডের পুত কৈলসক্রেকে রাজ্য প্রদানের অভিযান করিলেন। ক্রিজ ভাগা
হইলে আপ্রবিজ্যে ক্রেল্য ন্ট্র হইবার আশক্ষার
মক্রিগণের পরামর্শানুদারে ভিনি কৈথ্যক্রে প্রাবের প্রাদারী দিয়া, কেরার পুত্র কিলোবাদকে ভারার
উভরাধিকারী করিলেন। কেরা বহুদেশের সুবাবার
জ্ ১২৮৬ বহিলেন। বালীন ২০ বংসর রাজ্য
কং ৪০৮৮ করিয়া, ৮০বংসর ব্যুক্ত, ৬৮৫ অক্তে,
পর লোক প্রান্ত করিলেন।

देकाःकावामः।

কৈকোনাদ যথন সিংহাসন আবোহণ কাইতেন,
তথন ভাঁহার ব্যাক্রন অন্টাদশ বংসর নাত। তিনি
রাজা হইল ব্যাক্রন থর্নে ইন্দ্রিয়সুথে মত হইলেন,
এবং নিজাম নানে ভাঁহার এক জন বয়সা সর্বেনরা
হইলা বাহা ইছা ভাহা করিতে লাদিল। এবং ভবিষতে
রাজাকিকার প্রথমতঃ তাঁহার জোঞ্ডাতক জাতা
কৈবসক্রকে নথা করাইল, পরে আর হ যে সকল মন্ত্রী
রাজার ভভার্য্যায়ী ছিলেন ভাঁহাদিগকে কর্মচ্যুত
ভহত করিল। নিজানের ভাগ্যাও অন্তঃপুরে থাকিবা
অন্তঃপুরের করী হইল। ইহাতে কোন কোক ভাঁহার
নিকটে বাইছে বা কোন কথা বলিতে পারিত না

সুকরাং নিজামের বারা মনে হইক ভাহাই করিত, भर्द जाराज्ञ भोदादशा मकत लाक प्रस्ति हरेशा डेडिन ।

त्कड़ी निजाटनय भोड़ीटकात कथा श्रीनिश शुक्रदकं বার্মার প্রত্র লিখিলেন ভারার প্রার্থ না শুনেন, किन देकाक वाम छात्राटक भटकारवान कविटलम मा। व्यवंद्धत त्यता शुङ्क छेशानगः मानार्थ व्याशनि निश्ली নগর যাতা করিলেন। নিজাম তাহার বিপরীত অর্থ ঘটাইয়া রাজানে উহিার সহিত বুদ্ধ করিতে পরামর্শ मिल। रेकरकावान त्मरे यथात्र एड्रबङ जाना नुमाल-ব্যাহারে পিতার সহিত সংগ্রাম করিতে অগ্রসর হই-- तम् । - त्कता श्रेटजन करे छानं मर्गन कतिया - छार्राटक পৰ লিখিলেন, বুছ করিতে হয় পরে করিও, কিন্ত জানি ভোমার সঙ্গে এখনতঃ একবার সাক্ষাৎ করিতে বাঞ্চা করি। টককোরাম শিক্তার এই পার পাইয়া তাঁহায় সহিত্য গাক্ষাৎ করিতে সমাত হইলেন। কিন্ত कुमेजीक नतामार्ग बहे न्यूत रहेन त्य छिनि तामारवरण निर्दागण्य खेशिविके शांभावत , कदा भागांना मह-स्थात माग्र त्मनाम कहिएछ २ डीलाइ मन्यूर्य प्यामि-ध्वम ।

क्तां कि कारतम, **क्ति**क स्हेग्रा पुष्टक किनवात 'कानाम महित्यम, अवर पुरवेह क्षपुचरव कार्या हर्ष

व्याप कतिया त्यामम कतिएक नानिएनम । ऐक्ट्रुवानीम পিভার জন্মন দর্শনে দিৎহাসনে থাকিতে না পারিয়া সিংসাসন হইতে অববেচিণ প্রক্ত ভাঁহার চরণ পারণ করিতে গেলেন। কেরা ভাষা কইতে উত্থকে নিরক্ত করিয়া ভূজহয়ে তঁখেরে পকাদশ ধারণ করি-त्वन । ज्यम উভरमद रमजनादि वर्दम १३६७ वार्षित्र। मछानम्यव छाष्टा स्मिथिया विश्व क्रेट्टन । धनछत्र কৈকোৰান পিতাকে বিৎহাসন। দে উপবেশন করাইয়া ভাঁহার উচিত সম্মান করিলেন। কেরা ভাহার পর निकटिन कराक निरम जैक्कि अधिक मार्काद करिएकम. धरर युदीकि पुत जना लाहादर नाना अकाव मह्ल-रम्भ पिटलन । रैकटकारोन ध्यक्तीकाव कविरणन ध्यात कुकटम् ५७ इंग्रेटबन मा, धवर मिजारमह कथा। कर्न-পাত করিবেন না। তদনন্তর পিতা বলদেশে, এবং পুত पिछी मगद्य भमन क्षित्वन।

দিলীতে প্রত্যাগমনের পর কৈবেলান কিছু চাল
সুনিয়মে চলিলেন। ভাহাতে এমন বোধ হইল তিনি
নিজামের শঠভাচকে আর পাদকেপ করিবেন না।
কিন্তু ঐ শঠশিবোমণি ভাঁহাকে কতি সুক্ষরী ২ কামিনী
আনিয়া দিল, ভাহাতে তিনি আপন প্রতিজ্ঞা রকা
করিতে না পারিয়া পুনর্কার ইন্দ্রিস্থাবে মৃত্ত হইন
লেনা এই দকল কুকিয়াতে ভাঁহার শুনীর প্রকেবারে

জীর্ণ ইইরা পক্ষাযাত রোগ জ্বালা। তথ্য মনের মধ্যে কিঞ্ছিৎ চেতনা পাইয়া সকল অনক্ষরের মূল নিজামকে বিষ প্রয়োগ দ্বারা বিনাশ করাইলেন। কিন্তু এক শক্রর নিপাত হইয়া অনেক শক্রর উৎপত্তি হইল। তাহার ওকারণ, প্রধান পক্ষীয় লোকেরা রাজ্যাতিলাধী হইলেন, ইহার মধ্যে থিলিজী জাতীয় প্রধানেরা অতি প্রবল ছিলেন। তাঁহারা কৈকোবা-দকে হত্যা ক্রিয়া জ্লালাউলীন থিলিজীকে নিংহাসন দিলেন। তদবধি থিলিজীরা রাজ্যাধিপতি হইতে লাগিলেন।

বাদশ অগ্যায়!

পিলিজী রাজানিলের রাজ্যাসন।

अलाल्डिकीन।

१ १२५७ | रिक्स्ती ७५६ अटक यथन कनान-वर १९७० | - छन्दीन हाका छ। अट्न कविटलन, তথম ভাঁছার বযঃজন ৭০ বংগর। ভিনি বলীনের অভান্ত জনুমহপান ছিলেন। সেই অনুগ্রহ নার্ণ করিয়া তিনি প্রথমতঃ রাজবাসীতে অম্বারোহণ না করিয়া পদত্রজে যাইতেন, এবং সিংহাসনে উপবেশন না করিয়া প্রবাদনে বসিতেন। কিন্তু রাজগদ প্রতি इहेग्राहे जिनि देक्टकोबोटमब्र भिन्छ गस्त्रानटक कार्राक्रफ क्तिया द्रांटबन, खरलदा ताळलान पृशीकृत द्रेय। कुष्टिंग्टर विनाम करवन । अहे क्एम् या जलवाम इहेश খাকুক, ভাহার পর ভাঁহার চরিত্তের আর কোন দোষ . দর্শন হয় নাই। বরং তিনি, অতান্ত দয়া-পরবর্শ ध्हेश कर्म कहिएड मानिएमन।

তাহার প্রমাণ, বালীনের এক ভাতুত্পুত নিলী লইবার বাসনায় রণসক্ষা করিয়া আদিলে, তাঁহার দ্বিতীয় পুন ভাঁহাকে ও ভাঁহার সঙ্গীদিগকে এণক্দী कतिशा चाहित्यन। जनामछमीन डाँशमिशक मध क्षमान ना कतिया जाडिया मितन न, जन्द जाहादमत अधानरक मूलंडारनत सूनामात्री मिटलन। उৎপরে काँचात जामभीय कन्डकथना लाक काँचात्कहे विनाम করিয়া রাজা লইবার মন্ত্রণা করিল, তাহা জানিরাও তিনি তাহাদিগকে কন। করিবেন। এই সকল কর্ম व्यक्ति क्षाभार मनीय घटते. किन्तं इन्हेम्मन त्य दोक्सपर्य **टाहा हहेन ना । क्रुड**हा९ चुनाबाद ग उहगीनमाद हिन्स বেখানে ছিলেন সেইখানেই বুদ্ধি প্রাপ্ত হইয়া জাপ-मारमह महन बाहा हेव्हा छात्राहे कतिरक वाणिहनत। कत्रम आक्रमन आकारक कत्र रमङ्ग्रा वस्त्र कत्रिरमस, धावर দ্যুব্রতি এত বুদ্ধি হইল বে তাহাতে দুর পরে গ্রামনা-शतम এक्कार्त त्रहिङ हरेल।

এই প্রকার অনেক অত্যাচার হইতে লাগিল।
বিলেষতঃ মালিব রাজো মহা রাজবিলোহ আরগ্
হইল। এই বিলোহ দমনার্থ জলালউদ্দীন স্বয়ৎ সকৈনো গুইবার বারো করিলেন। কিন্তু রক্তনাবের
বিভান্ত অনিকাও বার্কিন প্রযুক্ত করেকটা প্রধান
প্রবিশ্বাহ একেবারে নিবারগ হইল না। কিন্তু করিকাল
পারে দৌলবান আনিয়া প্রকাব আন্তম্ন করিল। তথ্ন

তিনি স্থাৎ অস্ত্রধারণপূর্মক যুদ্ধ করিলেন, এবং ত্রীছা-দিগকে পরাজ্য করণানস্তর ৩০০০ মোগুলকে স্বপ্রদা-ক্রান্ত করিয়া দিল্লীনগরে আনিলেন। এই মোগলেরা ভদরণি দিল্লীতে বাস করিতে কাসিল।

পর বৎসর মালবে পুনর্জার নাজবিলোহ আরম্ম ছইল। তাহাতে জলালজনীন পুনর্গার হয়ং তপায় হাত্রা করিলেন । কিলু তাহা সমাক্রপে নিবারণ করিতে পারিলেন না। পারে, আলাউলীন নামে উলিরে এক জাতুম্পুল গঙ্গা মমুনার মধ্যজ্ঞি কেরা প্রদেশের শাসনকটা ছিলেন, তিনি পিত্রোর অনুমতি প্রান্ত হইয়া বুক্লথণ্ড ও মালবের পুর্য অঞ্চলে বিজ্ঞাহ দমন করিখা ক্যেকটা চুর্গ লয় করিলেন। জলালউদীন এই সমাদে অভান্ত আজ্লামিত হইয়া উলিকে অধ্যাধ্য রাজ্যের কর্ত্ব প্রদান করিলেন।

जानाजिकीन जरवाशा द्वारकात छात्र श्रद्धः कतिश मिक्न द्वाँका क्षत्र कत्नगां छन्। यस्त क्षत्र क

निश्चिक १९८मन। (कह मर्श्राम मच्हा कतित्वन ना। ভাহাতে তিনি পশ্চিমাভিযুখে যাত্রা করিয়া একেবারে महाज्ञात्के व वाक्षतांनी भवितिहरू छेलनी ए इन्टेन । ভিংকালে নহায়ান্টাধিপতি রামদেবের এমন আমে-जन जिन मा त्य जैवहात गरिंख युक्त करतम, भूखतार সংগ্রানে অদমর্থ হইয়া ভিনি নিকটন্ত এক পর্বতীয় पूर्व लगागन कतित्वम ।

व्यानाजिमीन जान मगत जुर्छन कहिरलन, जबर यावडींग धंभी ও মহাজন লোক निগকে नाना अकात बजान मिला जाशामत यथामक्षेत्र इतन कहि-लिन। उपनेखा दांचा दागरपर (य प्रार्ग ललाइन कहि-য়াছিলেন তথার যাইয়া ভাঁহাকে বেইচন করিলেন, - आह अग्र त्यमर्गनार्थ देशां अकाम कहिरमन, छाहात নজে যে কেনা আদিয়া ছিল ভাহারা অগ্রকামী রক্ষক সেনা, উহাদিগের পশ্চাৎ অস্থ্য রাজাসনা আসি-তেছে। শতিষভাৰ মহারাট্যবিপতি এই কথায় ख्य भारेता है। हो हो त महिष्ठ मुक्कि कहारे conserve कामित्यम अवर मधित उत्मान हरेट गानिमा ইভিনপো ভাঁহার পুত্র অনেক নৈনা লংগ্রহ করিয়া व्यक्तियोदनतं महिल युक्तं क्रिएक व्यक्तितनं । वह श्रमधिक जिस अनावात्म छत्री श्रहेत्छ लाहित्छन, किन्ह वाम कियो न कंड कंडना देमना भागा । प्राचिया मिया-

দ্রিলেন ভাষ্টারা হঠাৎ উপস্থিত হওয়াতেই ভাষাদিয়কে वालदेशमा काम कविया हिन्छू स्थानाशन श्वासन कविल, সতরাং তিনি জয়ী হইতে পারিলেন না। তথালি অনা দেনার আখানে রাজা হঠাৎ দল্ধি না 🕆 ৢয়া प्रगंदाधा धाकित्सन, मटन कहिर्दिन जना रेमना আদিলে ভিনি পুনর্মার যুদ্ধ কড়িবেন : কিন্তু এক অভা-वनीय शालात উপস্থিত হইল। তিনি দেখিলেন रैमना किटचड पाद्यावार्थ मराषा उद्यान फविया त्य मकल ৰতা আনা হইয়াছিল <mark>তাহা</mark> ন্যদার ৰতা নহে, সমুদ্র मराव भून, व्याज्य मालाभारत व्यक्ति आहाँदीय स्वतः আনিবার পথ রুছ, আহার।ভাবে দৈনাগণ জি প্রকারে छूर्ज आम थात्रन करत्र, हेश किरवहना कहिशा नालि করিতে বাগা হইলেন। তথন আলাউদ্দীনের আঞ্চাক্ষা রুদ্ধি হইল, ভিনি যত অর্থ চাহিলেন ভারাই দিভে খুইল, হাভিন্ন ইলিচপুর ও তদধীন ভাবৎ হাজা টাছা সর্পণ করিতে হইল। এই প্রকাবে আলা-केमीन कित्नोगटन भश्राताके दर्भ कप्र क्रियान, धर अनुका अर्थ ७ इस इंसी बहुमा यरमन मिया মান্তে প্রভ্যাগমন করিলেন।

मूनलभारतम् द्राक्षातिष्ठ 'इहेश अविधि, महाद्राके मन्न जिन भेक नरभद्र वांगीन दिल, धनः, रिक्क्शन बहेरक हेदान शक्ष स्वत्रक शक्षक क करणब मधः निया ছিল, ভাষাতে খালাউদীন শুদ্ধ ৮০০০ সেনা বইয়া দীরাজ্য জার করিলেন, ইহা সামান্য গৌরবের কথা নহে, ইহাতে অভাস্ক বীর্ত্ত প্রকাশ হইয়াছে, কিন্তু বি পিত্রাকে যেপ্রকারে হত্যা করেন ভাষাতে তীহার নামে ধলকীগাত হইয়াছে।

শুহতার বিদর্গ এই—তিনি গিড়বোর বিনাত্মতিতে মহারাই নাশ জয় করিতে গিয়াছিলেন,
ভাহাতে, কি কানি তিনি রুট চইয়া পাকিবেন, এই
ভয়ে তাঁহার সহিত সাকাহ না জরিলা এলেবারে
আপিন রাজেল সমন করেন। জলাল্দীন আলাউদীনকে পুরের ন্যায় সেহ করিতেন; এবং অনেক দিবসাবিধি তাঁহার কোন সংবাদ না পাইয়া অভ্যন্ত উদ্বিধ
ছইয়া ছিলেন। অভিএত যখন শুনিলেন আলাউদীন
মহারাই দেশ জয় করিয়া দেশে কিরিয়া আদিয়াতেন,
ভথন নে য়ভাবনা দ্বর হইয়া সনের মধ্যে বাজনার
ভামিল। এ আনোদে তিনি তাঁহার সহিত বে রাজ্যে
সাকাহ করিতে আপিনি গ্রাম করিলেন।

व्यान जिम्मीन शिञ्चादक दम्बिशा छै। हात शमान छ इंडेटनम्। क्रणान्त्रीम् छै। हात् वनन तृथन श्रुवकं शिके व्यक्तना कृतिया बिटनन वीसि द्यामादकं वाला काला-विश्व नामन श्रीसकं कृतियात्रि, धनश् श्रुव हहे द्वे छ। विश्व विश्व कृतियान কর, ইহার কারণ কি, এ কর্ম ছোমার উচিত নহে।
তিনি এই প্রকার সেং-বিলাপ করিভেঙ্গেন, ইভিনথো
আলাউদ্দীনের সংস্কাত-ক্রমে উহারে দিলিত কয়েক
জন কোক আলিয়া একেবারে উহাকে হুই খণ্ড করিল।
হিং ৬২০
খু ২২২৬
বর্ষার অথ্যে বিক্লি। ইসনামগুলী
মধ্যে ও ভারদম্যরে প্রদক্ষিণ করিল। জলালুদীন সাত
বৎসর রাজত্ব করিয়াছিলেন। মৃত্যুকালে উহার, ৭৭
বৎসর বহঃজন হইয়া থাকিবে।

জলাক্দীনের রাজত্ব কালে এক আশ্চর্যা ঘটনা ছইয়া ছিল, ভবিবন এই সিদ্ধিগোলা নাথে পার্দ রেশীয় এক উদাসীনে অনেক দেশ জনণ কর্ণা-নস্তর দিল্লী নগরে আদিয়া এক দিদালির ও অতিথি-শালা স্থাপন করেন, অভিথিশালাতে অনেক লোক প্রতিপালন ইইতে লাগিল। সিদ্ধিমীলা ইয়ং ওওুল ভোজন করিতেন, এবং ভার্যা বা স্থৃত্যা কিছুই রাখিতেন না, অধ্য বড়ং লোক-দিলকে আপন আলবে আনিয়া অতি উৎক্ত রূপে ভৌজনাদি করাইতেন, এবং সন্তান্ত মুহা পাজিলে ভাঁচাদিলকে এককালে গুই তিন সহস্র মুহা দান করিতেস। এই প্রকার বায়বাহলা দেখিয়া প্রথ-

भारेश वाक्तिता । भद्ध अनक्षेत्र स्टेन **रिनि**-होक्या-काष्ट्राटल वह नकत कतिरल्डाह्म । जनावस्थीन वह কথায় ভীত হইয়া তাহাকে বিচার জন্য আনমূদ করা-ইলেন, কিন্তু ভাহার অসদভিশ্রোয় কিছুই প্রমাণ হইল না, তাহাতে কেহত কেই মধ্যিলেন তিনি অগ্নিকুও ক্ষরেশ করিয়া আগনার দোষ পরিহার করিবেন। কিন্ধু এই প্রকার পত্নীকা মুসলমান গর্মাও মুক্তি বিরুদ্ধ অভনৰ ভাষা না কয়িয়া রাজা ভাষার কারাবাদের আজা দিলেন। কিন্তু যখন ভাষ্ঠাকে কারাগারে লইলু যায় তথন রাজাব, উপদেশমডেই হউক বা जालन डेक्टाइडे ३७० क्राइ अन उपामीन काहाद बाध्यमध्य मध्यात्र कवित्र। अलालस्मीन मन्य পূৰ্মক বলিয়াছিলেন ডিনি ইহার কিছুই জানিতেন मा । याष्ट्रंडिक कल्लामाल अक्टे। पूर्नीय वायु उपिड हरेशाहिल, ভাহাতে দকলের মহা শক্ষা হইল কোন देशके विशास हत्वा । विष्टुमिन भारत वास्तात अस शूच ल्यानाम प्रयम कवित्तमम, ध्रवर खे दरमत अमाइकि छ प्रक्रिक रहेल, उर्शाद क्यांन्ड मीन समर एउ हरे-रकत्। इहारक कालशर्म नकरमञ्ज्ञ अकेल अकीयमान इत्याद्वित, निकित्नोगांत स्ट्रास्ड और नकम इर्गम ABOUT !

वानाडेकीन ।

मिलीनशदत अवाजिकेमीरमंत्र मृज्यं गृश्यां श्रांकां विश्व करें करें करें करें करें व्याप्त करिया क

এই প্রকার ছন্দিয়া দার। রাজ্য প্রাপ্ত হইয়া মালা-উদীন প্রজাদণকে আপনার বলীভূত করিবার জন্য দান বিভরণ ও অনেকানেক লোককে উচ্চ ২ কর্ম আদান করিতে লাগিলেন। কিন্তু আপনার সর্বাধ্যা-বিভা ও বেছাচারিতা প্রযুক্ত তিনি কাহারেও প্রিয় হইতে পারিলেন না। বিজ্ঞাহ ও রাজ্য লইবার কুমঞ্জা সর্বাদা হইতে লাগিলা, তাহাতে তিনি সত্ত অভির থাকিলেন।

আনাউদীনের প্রথম যুদ্ধ গুজরাটের রাজার সহিত ইয়। সাহেবউদ্দীন মহম্মদ এই দেশ জন্ন করিলা যে ইসন্য তথায় রাখিয়াছিলেন ভাহা ইতঃপূর্বে উঠিয়া আসিয়াছিল। ভাহাতে গুজরাটাখিপড়ি দিলীখরের

क्षांच्य अधीकात अक्षक कर्त मान त्रहिं करतन। वानाडमीन हो तम पूनक्ष कर्गार्थ तीय खाला व्यात्मक थे। ए उनानी मकत्र थे। तक त्थातन कतित्वम । ইহার। তথায় যাইয়া অভিরাৎ যুদ্ধারম্ভ করিলেন। গুজুৱাটাখিণতি প্রাইজত হইয়া ধনের মধ্যে একটী वानिका कमा नहेश रानत मानामिश महाताक ताच्या প্রায়ন করিলেন। তাঁহার আর আর এখার ও পরিবার নকল পডিয়া রহিল। মুসলমান সেনারা ভাষা मगुनम मूठे कतिल . এবং রাজান্তঃপুর বাণিনী यानक कानिनीटक विकिं - वितेश नितीट सानिन। **बरे मक्त तम्बीत मरब**्क मना भानी ब्राव्हात बक छाया। ছিলেন। কথিত আছে ভরুকা প্রদারী নারী ভৎকাংস ভারতবর্ধে আর ছিল না। 'দিলী'ার কমনাকে পাইয়া अंदर्भ एंकि श्रुर्वक आधनात तार् होती कतिरवन

े अर्थ पुरस्य देमनानन व्यवन व्यर्थ तुर्र कविशाहित, বিচারতঃ ভাহারাই ভাহার অধিকারী 🕍 কিন্তু সেনা-পতিগণ ভাষা রাজধন বিশ্বুয়া অধিকা। করিতে চাহিল ্নেনাগণ ভাষাতে আপত্তি করিন, সুভরাং একটা विद्वाह उनहिंछ रहेन। छाहाँटक मञ्जीत काका वर व्रक्ति जन बाजुम्मूब २० इहेटनम । ताका छारा अनिया गक्त रेमनाटक बख्तमार क्रिटक जाजा मिलना रेरा छ जानम तमा चलामू व थानल रहेत । करक গুলিন সেনা প্রায়ন করিল। আরাউদ্দীন ভাহা-দিগকে ধরিতে না পারিয়া ভাহাদের পুত্র পরিকান সকলকে গোমেষের নায় বধ করিতে আজা দিলেন।

ইহার পর মোগল সেনাগণের সহিত ভুগুল যুদ্ধ আরম্ভ হইল। পুর্বের পুরের এই মেন্নগলের। কেনল লুঠের বাসনাতে আসিত, কিন্তু এধাতা তাছার। তারতবর্ষ জয় করিষার প্রতিজ্ঞায় দিল্লীযুথে অপ্নিমুখীর নাম আসিতে লাগিল। আলাউদ্দীন তাহাদের গমন প্রতিরোধ কন্য অনেক সৈনা প্রেরণ করিলেন। কিন্তু বাভাগ্যে যেমন শুদ্ধ পত্র উড়িয়া যায়, রাজপ্রেরিত সেনাগণ তাহাদিবকে দেখিয়া সেই প্রকার গলাইয়া আসিল। অধিকল্প মোগলদিগের ভয়ে নিকটস্থ প্রেন্থেনিত আনিতে লাগিল। এই সকল লোকের প্রান্থেনিক আগমনে দিল্লীনগরে আনিতে লাগিল। এই সকল লোকের আগমনে দিল্লীনগরে ভালিল ক্রত জনাকীর্থ ইইল, বে, পথ ঘাটে লোকের চলাচল একেবারে বন্ধ হইল, প্রব্যাদি অভি মুর্ন্থাতি হুর্ন্থ, এবং অচিরাৎ স্থিতিক ইইল।

कालाक मीन दित करिया किरलन मागदनता आक-यन करिया काशनारक तका करियम याज, मगत हरेटल याहेशा काशानिश्तत्र महत्व प्रनटक्यत गुल करियन ना किस यथन मगदत लोक शतिशूर्व ध्वर प्रत्म क्रिक रहेन, क्रयन क्रमनाविक रहेगा गूटक अध्यात

रक्षारे त्यारकण कानित्वन । अञ्चव तात्यात देमना একল করিয়া মহা সমারোহে যাতা করিলেন, ভাঁহার अस्य এउ मिना विना य उज्जा रेमना देशह भूट्य मिली हरेएड कथन वाहित रप्न नाहे। धरे देमना नहेना व्यानाडेकीन त्यागनपूर्वत मत्य पुष्तात्र कतित्वन । ক্রেকটা মহা যুক্ত হইল। খেল মুদ্ধে জাকর খাঁ মানে ভীহার এক জন বিখ্যাত সেনাপতি অপাক ছিলেন। बे राक्तित मर्धाभ स्कोभत्त सागत पन हिम किम হইল। কিন্তু বৰ্ধন ভিনি প্ৰায়িত ইমনাগ্ৰেয় পশ্চা-দ্ধাৰমান হইলেন, আগতিদীন বা তাঁহার জাতা কেইট ভাঁহার সহারতা করিতে গেলেন না, সেনাপতি একাকী পড়িয়া যুদ্ধে হত হাইলেন। জাফর খাঁ অভি বীরপু-ক্ৰম ছিলেন, তিনি জীবিত্যাৰ থাকিলে পাছে বাল্যা-काणका करवर्न जालां जेकीन मध्य २ गर्जवा এই जानका করিতেন এই জন্য ভাষার সহায়তা করেন নাই :

ংমাগৰ সেনার আস চইতে বাজা উদ্ধার হইলে পद्र, আमाউদীन तिखामत अधिकातार्थ मञ्जीदक व्यतन করিবেদ া মন্ত্রী প্রথমতঃ জাচন জন্ম করিয়া রিস্কারর আক্রমণ করিবার উপক্রম করিলেন। কিন্তু ভাহাতেই इंड इहेटनम्। धरे विकादे जना डालकाछ। जना टमलीत अदशकाय आकर्मात सांख हरेगा जाग्रदन सिदिया व्यक्तित्वन । जाता जेबीन खादाव महायुक्ता

सना चंद्र गरेमरना याजा कतिरमन । किन्न करे याजाय তিনিমে বিপদ হইতে উত্তীৰ চইলেন ভাষাতে ভাষার यूनकांग्र टिलटल इंडेटब। एक्टिया बाई—िएमि स्थ প্রকারে পিতৃষ্যকে সংহার করিয়। রাজা অধিকার করিয়াছিলেন, ধলিঘান নাবে তীহার এক ভাতুম্ব্র ভাঁহাকে সেই প্রকার মংহার করিয়া রাজ্য লাডের আৰু জ্ঞা কৰিয়া ডিলেন। অত্ত্ৰ এক দিবৰ আলা-উक्षीम रेमना निविद्धत किराज्यत मृत्यार्थ शमन नतिरन, তिति गूंगनमानयखारवधी कडक छनिन भागन असी-**रहाशी-पञ्चाः अम**िनगाश्चादत छे।शह मदम जीनाना । चागांखेबीन डीहात चाङिळास किन्नुहे लानिटडन মা। ভাঁহার সম্বভিষাহারি লোকের বন্য পশুর অছে-ষ্ণে গ্ৰমন কৰিলে ভিনি একাকী অশ্বাহেরাছণে থাকি-व्यान । अ नमदेश निवादन मधी धानध्यत् सका ভক্করিয়া ভাঁছার প্রতি এমন তীর ফেল করিল যে ভাহাতে ভিনি অজ্ঞান হট্যা একেবাৰে অৰু ইইটে खुरम পछिछ इहेरलन। मेलियोन छैदित युद्धा कर-धाक्रिक कतिया व्यक्तिवाध रेमना मिनिद्र केलनी छ इहै-বেন এবং পিত্রোর মৃত্যু সংবাদ জ্ঞাপন পূর্বক व्याशिनि द्वाक हरेएलन।

े भागांजिलीन किकिर काम भटत ८० उन खाल स्टेटन তিহার এক অন ক্তা আসিয়া তাঁহার কত হান বন্ধন

ক্জিয়া দিল্ড ভাৰন তিনি নিঃসহায়, সকলই বিপ-ক্ষের পক্ষ, ইহা বিবেচনা করিয়া মনে করিলেন সম্পতি জায়নে জাভার সমিগানে গমন করি, ভাহার পরে বাহা र्य रुवित । छारात अरू जन मधी करिया अरुगा जान নতে, রাজ্য একবার ইস্তান্তরিত হট্লে ভাষা পুনর্মার পাওয়া তৃষ্ণর কইনে, ভূমি অবিকাষে শিবিরে উপস্থিত रुष । আলাউদীন এই পরামশ শুনিয়া, সঙ্গিন প্রত্যা-পত হটলে, ভালাদিগকে দলে করিয়া ছাউনীর সম্মথ-ৰভী এক উচ্চ ভানে দুওলেমান হট্যা মন্তক্ষেত্ৰ উপত্ত ষেত ডক ধারণ করাইলেন। ভাতা দেখিয়া যাবভীয় দৈনা ভাষার নিকটে আদিল। ভাষাতে স্বিমান व्योशन कण्णेना रार्थ दुखिए। शनाग्रन क्विटलस । किन्ह রাজ্যেনারা ভাঁছার পশ্চাৎ ঘাইয়া ভাঁছার শিরণ্ডেন করিল। এবং ভাঁহার নদী সকলের আনে দশু হুইল। এই ব্যাপারের পর আলাউদ্দীন ভাতার সহযোগী ছইয়া রিভায়র আক্রন। করিলেন। যদিও ভাষতে र्कोद क्रेंक्कं एं रहेटड शास्त्र नाहे. किन्न शस्त्र औ **(में अंग कंद्रिया उटक्रमीय द्राष्ट्रा ७ उत्तरः त्मनाटक** पंडामार केंद्रिकन ।

তদনতার ডাঁহার আর ছই আতুস্পুত্র বদাউন রাজ্যে রাজপ্রত্তুত্ব অধীকার করিয়া রাজবিজোহী হইয়াছি-বেন্দ্র ঐ বিজোহ নিয়ারণ জন্য তিনি সমুহ গাঁমন না করিবা গৈনা থেরণ করিবেন। তাহারা বিজ্ঞার দশন করিবা ডাছার হট ছাতৃষ্পারকে নলদেনো আন-য়ন করিবা। তিনি ভালাদের চকুচ উৎপাটন পুর্মক শিরুষ্কেদন করিবেন।

आना डिमी मात्र कर अकात पाडि कि किन नामन दिन, fer stricks atmacate aprice insign ra नारे । विद्योगपद्य धक नहां विद्याह क्षेत्रांष्ट्रिक, दिष्य-इन् अरे—त्कान मञ्जास बहुत्यात शोजित्ये हा नारम अक की छमाम हिला। के माम मिली वनादबर वा खितकादकत গলে কোন বিষয়ে বিষাম্ভান কভক্ত লা কাণ্ডজান রহিত হট মনুবা একত করিয়া পাত্তির্থকের লেরলেকদন করিল। তাহার পরে ঐ সকল লোক সম্ভিবাংহারে উমাত্রভাবে বার্ডীয় কারাগারস্থ লোক্ষ্মিরকে যুক্ত করিয়া, রাজ-ভাঞার ও আর আর অনেক স্থান ল্ডন করিল। পরে রাজপরিবারক এক ব্যক্তিকে নিংহাসনে वमाहेल। त्महे वाकि श्रोम। हहेग्रा हालकर्प, कहिएक लानिन, आह मक्न लादकश दारकात व्यवान रहेगा। ভাহাদিগকে সম্ম করিবার কোন উপায় রহিল मा। পরে এক রাজ-কর্মকারক কোন কৌশলে নগরে क्षक्षित रेग्ना सान्यन क्षित्र शक्ति भोगाज नेथ करियान) जाराहि छारात मनीयन किए जिस ছুইয়া প্ৰতিক, খিনি কালা চইচাচিতেন ভিনও

भण्डानाद १६ जिम। अवर पाती निर्फाषी आरमक भश्जानीत आण पक्ष १६ ता भाषा छिनी प्रत आरम्दर्भ, शांकिरभोन। यादान १८६ कर्स कहिन्छ छोगांत खी भूज शहिनांत मकरल, विमा अश्वार्थ, भण्डामूर्थ मिकिश देहेत।

৭০০ অংক, সালাউদীন দিবার পর্বতে চিত্র নামে वज्ञश्रुजिम्दिश्वत विश्वास्त्र पूर्व क्या कविया, एटम्बीय बाजादक बना सी कहिया मिहीएक आनशन करवन । এই যুদ্ধটিত এক রহসের কৰা আছে ভাহাও এথানে লেখ বাইতেছে। চিতুর রাজার এক প্রম अवादी छोड्छ। दिन। आंगामिकीन छाहाइ शानिश्रहण-ভিতাবে ঐ রাজাকে বলিলেন বদি আমাকে ভোমার কন্যা দান ফর ভবে আমি ভোমাকে ছাডিয়া দি। ब्रोका कि करान कनामिति समार्थ इंडेरलेम । छाइरिड দিলীখর ভদ্ধতাকে আনম্ম জন্য লোক জেরণ कविटलंग । कमा व्यक्ति विक्रमण हिटलन, जिमि निशीटज याहेट्टन देश सानाहेमा कडक्छना निविधा श्रेष्ठ ক্রাইনেন তেকধানা শিবিকা উচ্চার করা উত্যরপ भूमकी एउ दहेन, जोत्र मक्न निविध महिनी-भरतक्ष सन्। अञ्चल रहेन । अवाय बहेन जिमि भतिको विशेषण मम्बिगीहाटब मिल्लीएड मंदिर उट्टम । वक्क चोलित ना बाहेबा एवाचा कठक्सनिव कडाबाही

পুরুষ পাঠাইলেন। সেই সকল অন্তথানী পুরুষ দিল্লীনগরে উপনীত হইয়া সম্রাটের নিকট সংখাদ করিল
রাজকন্যা আসিয়াছেন, কিন্ত তিনি সর্বাহ্রে একবার
পিতার দহিত সাক্ষাং করিতে হালা করেন। আলাউদ্দীন তংক্ষণাৎ আজ্ঞাদিলেন শিবিলা সকল কারাপারে গইয়া হায়। শিবিকা সকল কারাগারে নীত
হইলে অন্তথারী মনুষ্ণেশ কাহির হইয়া প্রথমতঃ
প্রহরিগণকে সংহার করিল। তৎপরে ভাহার। চিত্রাঘণিতিকে লইছা ক্রতগামী ক্ষম কারোহণে পলাহন
করিল। কেহখলে চিত্রের রাজার পরা নশানুসাহেই
এই কাও হইগাছিল। যাহা হউক, তিনি মুক্ত স্ইয়া
আলাউদ্দীনের সহিত খোল্ডর ঘুদ্ধারন্ত করিয়াছিলেম। ভাহাতে আলাউদ্দীন তর পাইয়া ভাঁহার এক
ভালা ক্রকে ব রাজ্য অর্পণ করেন।

बे गगरए मांगरणता श्रूनकांत हिली आक्रमण कतिन।
छाहात शत आवश हरे जिन नात उथाए आणियाछिन, किछ किछू कतिए शादि नारे, नतक अरूर स्माणन तनकनी हरेगाहिन। छाहाता हिन्नीरक आनीर हरेटन छोहारमत अशादनता हिन्द-छत्त महिल अरूर आतर जकन अफ्तपूर्य अर्थिक हरेन के अक्ता तन-कनी हरेटन छ काटन बहे अकात मध हरेक।

ভারতবর্ষের ইতিহাস।

তথ্য অরঙ্গল নামে গোদাবরীতীরস্থ তৈলক রাজ্যার রাজধানী আক্রমণ জন্য এক দল সৈন্য প্রেরিত হয়।
মলক কাফর নামে এক নপুংশক ঐ যুদ্ধের প্রধান অধ্যক ছিলেন। তিনি পূর্বের এক কল্যানী মহাজনের ক্রীত দাস ছিলেন, প্রারে রাজানুপ্রাহে উচ্চ পদ প্রাপ্ত ক্রানা ক্রমণ ক্রমণ এবং ছিল ভিল করিলেন। এবং রালা রামদেবকে এমক বাভিব)স্ত করিলেন বে তিনি ভাষার সঙ্গে দিল্লী পর্যান্ত ঘাইতে স্বীকার করিলেন। কিন্তু ভিনি ভ্রমণ প্রথক দেশে পুন্ত প্রেরণ করিলেন। কেন্তু প্রথম উপাত্ত হইলে দিল্লীশ্বর তাহাকে সমুক্তি সম্মান প্রথক দেশে পুন্ত প্রেরণ করিলেন। সে পর্যান্ত তিনি মুসল্লান রাজাদিনের সঙ্গে প্রার বুজাদি করেন লাই।

 প্রায়ন করিয়াভিলেন। আলেক থাঁ রাজাজ্ঞ পাইয়া উহিতে নানা প্রকার আরোচনা দিতে লাগিলেন।

ঁইতঃপুর্বেষ্ট মহাড়াইটাধিপাকৈ রামনের আপন পুরের महिल धरे कनाति विवाह जना से विकुतानिश्विटक অনুরোধ করিয়াভিলেন। বিশ্ব রক্তপুত্রংশীয়েরা মহারাষ্ট্র দেগের ধহিত কুটু হিছা করিতেন না, ভাহাতে चर्रमान ताध दहेच, वक्षमा छिनि थे श्रेष्ठ मण्डल म्हणम माहै। किन्न घथन सुमनगीन बाङ्ग छीत्राव कन्याकाष्ट्रकी रहेरलन, जनर प्रशासी नालपुष्टाक কন্যা দেওয়া শ্লামা জ্ঞান করিছা, ভাহাতে দেওণিরিভে প্রেরণ করিলেন। আলেফ থা ভাগে জানিতে পাতি-लाम मां, कना बाखांब मिकटडे खाटड खरे वित्रहरा कदियां, रज्ञ पूर्विक कमा। धर्ण कदिवात मानत्त्र युक्तात् स कतित्वन। पुरुष्क अभी श्रेट्सन, किन्न शहत दर्गाण-त्मन, त्य रमवल रमवीह समा गुष्क, छिनि श्वासास्त्रिक হইয়াছেন। ইলাডে তাঁহার মনে অভাস্ত ভয় জায়িন। (कमना जाना उसीन कना। जानिए जाडा कित्रगाइन, फाशास्त्र व्यानिएक ना शाहित्य मलक (इनन श्रेंति। बहै छा छिन अविकास मियशिदि अछिमूर्थ बाला ষরিলেন। কিন্তু দেখানে যাইয়া রাজ্কন্য বা তাহার कान केंद्रम ने भारदेनन ना, देशदक बातक विभएक ख इहेटलन ।

অনস্কর ভাত্তার কভকগুলা দেনা ইলোরার গুলা मर्नन करिए छ नियाधिय। एकशिंगिनिनि व मक्त देनमा नमजिलाशिद कमादिक दमविधितिए दश्चत्रभ করিলাছিলেন, ট্রন্ট্রাপে তৎকালে ভাছারাও ওলা দর্শন করিতেতিল। °কথায় কথায় ভাছাদিগের কহিত মুদলমান সেনাদি,গর বিবাদ দটিল। তাহাতে বুজ আরম্ভ হইয়া হিচ্পেনার। পর ভূত হইল। সাক-कसा के देश नामिट्यत महथा हिटलंग, भूगलयांग रणनीता ভাহা স্থানিত না। কিন্তু হাজকনারে অস্থ সাক্ষমারে আহত হইলে মধন মুসলমানের। তাঁহাকে আক্রমণ ক্রিতে উদাত, তথ্ন ভাঁলার পরিচারিণীগণ ভালা-দিগকে শাবধান করিয়া কলিল সাবধান ইহার অঙ্গে হস্তোত্তালন করিও দা ইনি রাজকন্যা। এই কথা শুনিয়া মুসলমানবেদনাগণ মহা আভ্লোদিত হইয়। সন্মানপুর্বক ভোহাকে আলেফ বারে নিকটে লইছা राज। आदिवय बी द्रासकता। शहिया महा आस्तानिक शहरमान, ध्रवर इत्रंद डीहारक महेशा पिली नगरत शमन করিবেন। দিলীখন ভাঁহাতে পাইয়া অতিশার ভূট हरेलान, बदर बास्यूब चलत में छाशंत्र ज्ञटल विटमा-हिछ इंडेग्रा डीहाटक विश्वत् कविद्वान।

बारे मार्ग्नात काता क्षकांच वर्ग्यकांक करकांच वृत्र-मचारनहा हिन्छु है विवाह क्षिरखन। ध्वर पुष्क नमास भूममभारमञ्जा य मक्त शिक्यमाशी जनवन्ती कतिया गईग्र याहेराजन जाहारमञ्ज महत्व जाहात वानहात कतिराजन । अज्ञास्त्रमा याह्य प्रमाम विकाश रम्याचा हैशाला वे मक्त हिन्द्रमात्रीनिहास सहिताज ।

आरबा एके इहेड उट्ट है स्वाहात छन्। मकल साला-केनी मब बाक्क है स्वाहात अर्थम श्राकाम इत् । धर्म मकल एना मबकी जिंद्र गरमा आकि अस् ए । यनुरक्ष त हांबा स्व मकल वस्त मिर्चिक इहेसाइ, मिर्मद स्वाहत अर्थद-भाग स्वाहित मकल उन्नारमा आकि अर्था मिर्मित क साम्ह्र्या, किन्न है स्वाहात छन्। छान्। आर्थमाछ अस् ए । धरे प्रस्टित अर्थम छारबंद २५२ शृक्षारक किन्नद्रव स्वाहात है।

क्षत्र काण्य थे। गराताके मिल पूर्क श्राक किरान उपन कानाकिमीन मगर मिलाग प्रकार शर्माक कार्यन । काण्य अपनाम नामक हरे श्रान किरानम, रे रुनक क्ष्या थे व्यक्ता नामक हरे श्रान किरानम, रे रुनक क्ष्या थे व्यक्ता श्राक रहेरन कानाकिमीन कार्यनम, रे रुनक क्ष्या थे व्यक्ता व्यक्ता किरान व्यक्ति व्यक्ता किरान कार्यन व्यक्ता व्यक्ता व्यक्ता किरान कार्यन व्यक्ता व्यक्ता व्यक्ता कार्यन कार्यन कार्यन कर्मा कार्यन कर्मा कार्यन कर्मा कार्यन कर्मा व्यक्ता व्यक्त

করিছোন, এবং গোদাবরী পার ইইয়া কণ্টের বেলাগ বংশীয় রাজ্যার সহিত সংগ্রাস করিয়া, স্বার্সমূদ নামে উছার রাজ্যানী অধিকার করিবেন। ভাছার পার পেতৃবন্ধ রানেশ্র পর্যান্ত জন্ম করিয়া, ভাষায় এফ নামজীদ নিন্দান করেন।

ইহার প্রমানতি মোগল জাতীনেয়া পুদলমান ধর্ম অবস্থান করিয়া রাজকল্যে নিপুত্ত হইতে ছিল। ৭১ ক জন্দে আলাউদীন হঠাও ভাষারিগতে কর্মচুত্ত কবি-লেন, ভাষাতে ভাষারা জন্ম জিপাল না দেখিয়া আলাউদীনকৈ হত্যা করিবার মত্যক্ত করিব। তিনি ভাষা জানিতে পারিয়া অন্তান ১৫,০০০ সভ্তর মোগল বিনাশ করিলেন, এবং ভাষাদের জীপুত্রকলাদিশকে বিশ্বর করাইলেন।

हणात कि कु काल शृद्ध महाताण निर्माण हो मारानन भद्रत्वाक भग्न कि तिल शत, ठीहात श्रेक व्यानां किने निर्म का शिव कर श्राम करतम नाहे, है हा जिल्ल कर्नार ए का नाम करतम नाहे, है हा जिल्ल कर्नार ए का नाम करतम कर श्री के छूटे विका काम करतम कर श्री के छूटे हो हा का नाम करता है जिल्ल का नाम कर हो जा का नाम कर हो जा का नाम कर हो वा नाम कर हो जा का नाम कर हो जा का नाम कर हो जा नाम कर हो जा का नाम कर हो जा नाम कर है जा नाम कर हो जा नाम कर है जा है जा नाम कर है जा है जा नाम कर है ज

অভাস করিয়াছিলেন। কিন্তু উচ্চার অভান নাত্তিক স্ভাব ছিল ভাহাতে কোন ব্যক্তি উচ্চার কথার বিপ-রীক্ত শিদ্ধান্ত করিতে পারিতেন না। অতি বিশ্বান ब्बाटकतां केंग्स्टीत करश काफ्र ए स्टेश भा किएडन, दुक्स् व्यापनात्मत विका वृष्टि अवांनी कतिए पाति एक व्यानाउनीन आशन दक यक शक्कि रविशा व्यक्तित्क्रम, ध्वर धरे व्यक्तिमादम मूत्रस्यामांमदशक् কোরাৰ ও হিন্দুদিলোর বেদ মতে এক পুতন ধর্মা সৃষ্ঠি ষ্বিৰার বাঞ্চা হইল। ভাঁহার আরও প্রতিকা হইল, দিল্লীতে এক জন প্রতিনিধি স্বাহিস্য তিনি আপনি अधिरी स्वा कविषा लिखाहेर्राता। धरे हुई कल्पनाहे व्यमञ्चल, किन्न काश्वाद माथा कें विदेश स्माने कथा द्वाप । व्य वास्ति युक्षाहरक याहेटव लालात मञ्जूकरण्ड्मन कहेटव । এই ভয়ে কেছ ভাঁহাকে কোন কথা বলিতে পারে साहे।

अवस्थित जाला जनभनक् नातम हिल्ली नगदतत अक श्रीतिन नगत्रशाल उँश्लिक विन्तान, महाताज त्य कण्णता कविषाद्यन छाहा कार्यस्थनीय वर्णे, किन्दु मून-नमादनता व्याणनाव नन, काहाता हिल्ह्यर्यद्विषी, जाला-मिन्नदक हिल्ह्यम् श्रह्म श्रह्म विद्यु विन्नित्र छाहाता किन्न हहेना छेठित्। हिल्ह्या अनुक्रमपूक्रमानुकत्म कार्यनाद्वत सर्यदक नक्ष्यक्रों विन्ना मानिया व्यक्ति-

তেতে, ভাষারা প্রাণ দিতেও স্বীকার করিবে তথাপি मुनवामां मार्थी अवस्वत कतिरव मा, अखबर मुनव-मान भर्गा ए। शांकिभाक कि आकारत आत्रकि जित्वन। श्रीबारी करमंत्र छेशनएक छिनि वहे कथा अभिएनन दम कोइडर्ग दर्भन अर्थक सुनामिक रहा नाहे, कारनक ंमचे आमा। शि जनशिक्षक आहि, देश फिन्न निक দিলীতে সঞ্চদা বিবাদ বিসম্বাদ ও বিজেহ উপস্থিত হ্ইয়া থাকে। অভএন মহারাজ দুর নেশে গগন क्षित्य यपि लामा त्यारक अहे बाका आक्रमण करत. खोड़ा इहेर में कई सामा चरमात इस्टर्ग्ड इनेवांब जाएँक নাই, অণচ মহারাজও যে অদা রাজা পাইনেন তাহাও मान्यहरूला। लाला अवयवक धरे अकाद मिके भिके कविशा अध्यक कथा संवासमा आमा छेनीन विव्यवस्थ ক্রিয়া দেখিলেন ডিনি যাগা বলিলেন মথার্থ, অভএব भूक्त धर्मा श्रकाम ७ श्रीवरी करसद मानम এक्यार्ट्स ভয়াগ শ্বিলেন।

जालाउँभीन अरतक प्रतः एवं खरा करियाजित्यन, उँशित शुर्वा किन सूनममान तांजा कठ एवं दम्भ सम करिएक भारतम शहे। किन्न छैं।शांत तांजाकारण नर्यान। किन्नाह कर्वा उँभवित् रहेक। मिन्नाल करें मकन विस्ताहित जिन करिन निर्मा करियाजित। असम कता त्मान, कनना त्मे मण्डा नकत्म जानम जानम मत्मन कथा अवान करत, डाशांट बक् एर्जुन एक्नेस्ट एक। दिखीय बार्तम—व्य वय मनुत्माता कना। शुरुक्त विशेष किशा नश ७ वय द्वाब करत, डाशांट करम खेळ जान! ७ तालावामना रह। ज्हीत कार्त्व—कत्मश्रीक्र काती वालिया दृष्ट अत्मर्त्म वालिया ज्ञानक जर्म छ बेचर्य छेलाक्यन करत, डाशांट उत लाशां करम। व

धहे नक्षा कथा यथार्थ विष्कृत। कविता काला छिनीन আজা করিলেন ভাঁহার রাজ্যে কোন ব্যক্তি ন্যাপান করিতে পারিনে না. এবং মন্ত্রীর স্বাক্ষ্যিত আজ্ঞাপত্র ভিন্ন কেহ ভৌজ বা মহোৎসৰ দিতে পারিবে দা। शर्माण त्यादकत करा। शुरुवत निवाद मिन्छ दरेगा, ভাহারা রাজার নিক্ট প্রার্থনা করিবে, রাজা অনুমতি भिटन विवास स्टेटन, मञ्जून स्टेटन मा। इसी उनाटकहा मर्समाकत्ना ७७ विचा कृषि चाराम कतिए लाहित्व छ এতত্তলা বলন ব্লাখিতে পারিবে, তাহার অধিক পারিবে না ৷ মহাক্ষমেয়া অধিক ঘোডা বা জনা পশু ক্রম বিক্রম করিজে পারিরে না। রাজকর্মকারিগণ ভরি বেভন তোপ ক্ষায়িতে পার্যিক না ৷ এবং বানিকাত আয় আয় কর্মের কর নির্ভাৱিত, এবং ভাহা নংএটের करिन निक्रम अहिटलस्था देश जिम काश्रक प्रमेशक

कब्रिट्ड पिट्डम ना। हिन्सू वा सूत्रसमान बाहादकः মক্ষতিখালী দেখিতেন ভাতার ধন হরণ করিয়া রাজ-জাঞার পূর্ণকরিতেন। ইহাতে ধনাচা কোক প্রায় বুতিল নাক বে হাছা উপাক্ষম করিত ভাহাতে কোন প্রাকারে প্রাণ খারণ করিয়া বাকিত।

व्यक्षिककः जाना देखीरमञ्जू ताकाकारन मकन सरमान মূল্য নিক্সারিত চ্ট্রা, কেই কোন ড্রোর অধিক মূল্য লইবত পারিত মা। এবং সরকার স্টবত গোলা গ্রন্থত হটল, ভাহাতে মহাজনের। শ্যাদি আনিয়া রাখিত। নেশের জনা কেণ্ড স্থানান্তরে পাঠাইতে পাল্লিত না. वंदर व्यानः कारणातं ज्यानि व्यामेमानी द्य देशांत्रः कारण मज्ञकात रहेराङ होका कर्क प्रथम। बाहेरह । ५३९ দৌকানাদি খলিবায় ও বন্ধ করিবার সময় প্রান্ত নিজায়িত হটন্দ ভাগার অন্যধা করিলে রাজন্ও হইছে। এই প্রকার আর আর অনেক নিয়ম হইয়া-ছিল, ক্ষিত্ত ভাগা বছ দিবস খাকে নাই, কভক দিবস চलिया करम तिहरू हहेन।

जानाजमीन तरमाधिक टहेमा जाशाद शांन ७ देखिय-সুবে অভ্যন্ত মন্ত হুইয়াছিলেন, ভাছাতে ভাঁহার শরীর ঞ্জেরারে ভগ্ন হইল, স্কুররাং, তিনি দর্মন। প্রীক্তিত वाक्टिन । भरे नीज़ात कमा विकि प्रसारतका मारत त्यापनावाचन कार मामकोष्ट स्ट्रेट्सम, कार्।- কেও বিশাস করিতেন না, কেবল কাত্য উহার প্রিয় পাত ছিল, ব বাতি বাহা বলিত ভাবা ভামতেন, জার ভার সকলকে শত্র জান করিতেন। কিন্তু ব বাজি বিভাৱে পার্থপরায়ণ এবং পরশ্রীকাতর, কাহার হিত দেখিতে পারিত না, অভ্যব উক্তলদ্বারী, বা উচ্চ পদাকালী সকলকে ছলে বলে নিনাপ করিন। অবংশেষে রাজ্যাণী ও রাজপুরসংগর প্রতি লালার মনো-ভঙ্গ হয় এলনা ভাহাদের নানা প্রকার কুমে। করিতে লাগিলা। আলাউনীন প্রথমতঃ বিভাবে জাক্র উহাতে বলিল ধেরাণী ও উহার প্রতিরা তাহাকে সংখ্যার করিল ধেরাণী ও উহার প্রতিরা তাহাকে সংখ্যার করিল রাজ্য করিবা বড় বার করিবাকেন। বাজা এ করাম রালা কইবার বড় বার করিবাকেন। বাজা এ করাম রালা কইবার বড় বার করিবাকেন। বাজা এ করাম রালী ও ছই জ্যেন্ঠ প্রকে কাবাক্র করাইবেল। এবং আলাক বীধের প্রাণ্যক করাইবেল। এবং

काकत कर्ड्क धरिषण मानाव्यकात (मोताण करेटल माणिम। तालाव छा मकटा वित्र छ क्षेट्र मन, धरूर छाई। किक क्षेटल ध्यमत्स्रात धानि छिकि। से ममद्र छाई। एक विद्याद्यानम भूनाव्यध्यमित क्षेट्र , छिटलात तालात भूक क्षीत निश्व से द्वाला भूमर्क्श किटलान, धरूर ताला सामदादक जामाला क्षिणान तालाव्यक्त जवी-मात क्षित्र स्थान स्थानाम होता द्वेटल मूगलपान स्थान বৈত্ত মনোধান্তনা আরো ব্লন্ধি ক্টল, ভাহান্তে হিং ^{95,0} তিনি শীল্প কাল্যানে পত্তিত হই-খু ২০১৬ লেন। কেন্তু কেন্ত্রনেন কাফ্র রাজ্য লোভ সংবরণ করিতে না পারিছা বিষ প্রয়োগ ছারা ভাঁচাকে বিনাশ করিয়াছিল।

মোবারক থিলিজী।

আলাউদীনের মৃত্যুর পর কাকর তাঁহার এক ক্রমিন ইচ্ছাপত বাহির করিল। ভাহাতে এই আনেশ ছিল টাহার তৃতীয় প্রত নোবারক রাজা হইবেন, এবং তাঁহার বন্ধক প্রতির বন্ধক প্রতির বন্ধক প্রতির বন্ধক প্রতির বন্ধক প্রতির বাজার করিল। হার বন্ধ প্রতির নাক্ষর এই ইচ্ছাপত্রস্থতে রাজারক্ষর হইয়া প্রথমতঃ আলাউদ্দীনের জ্যেষ্ঠ ও দিন্দীয় পুতের চক্ষু উৎপাটন করাইল, তদনন্তর তাঁহার তৃতীয় পুত্র নোবারককে বিনাপ করিবার উদ্যোগ করিল, কিন্তু এক কর্মা সাধন জন্য বাহাদিগকে নিযুক্ত করিল ভাহারা, কোন কারণ বশতঃ ভাহা করিল না। অনন্তর রাজনকোন কারণ বশতঃ ভাহা করিল না। অনন্তর রাজনকোন কারণ কার্যুর বিক্রম্থে অন্ত্র্যারণ করিল এবং তৃই জন সেনাধাক ভাহাতে বধ করিয়া নোবারককে বাজনিং বিহান প্রদান করিল।

নোবারক রাজা হইড়া আপন কলিও নহোদারের নেড্রোৎপাটন পূর্বক ভাষাকে এক পর্বকীয় মূর্বে কন্দ

कतिष्ठ। द्रांचिट्जन । धवर त्य सुद्दे व ज्ञारमण्यास्त्रह সহকারিতায় তিনি রাজ্পদ প্রাঞ্জ হইয়াছিলেন, ভাষা-मिटलब आनम् । क्रिलम् । स्ट्लात आनमात्र की छ मांगपंगरक तारकात अधान र कई अभान कतिएक बाजित्वम, धदः यूमस्याम धर्यु। वहारी अमक्र मी नादम এব জন হিন্দুকে সঞ্জিত্ত দিলেন। এই সকল অহিত কর্ম্মের গর ডিনি ১৭,০০০ বনীকে কাচাযুক্ত করিলেন, वर९ छैं। इं लिखा एम मकम लाएकत प्रशाम इतन कति-याहिष्यम छोटा अकार्यम कदित्यम । देश जिन्न शापि स्थात शांनिकनक अ शीफ़नकत स्व मकल वावला हिल बर देख: श्रुटकं रव जकन कानाम कर विश्वमित होता-ডিল ডাহ। বহিত করিলেন, ইহাতে তাঁহার সংগট व्यिक्ति रहेल। विष्यांश विषाहरेन की होता हुन्यत कराए। ध्यकाल रहेन, दंकनमा जिति एकदारि दांका भागम धरः बहाबाके बाटका कार बाला कहिबा के रमन शूनका ক্রিলেন ৷ মহারাক্টের রাজা হরিপাল ভবিকলে व्यवधारम कतिशाहित्यम, এই অপরাধে ভাষাকে इन-বন্দী করিয়া জীবিভাবস্থায় চর্দ্মকেদ পুরুষ বিনাপ *facma

কিন্ত বদেশে প্রত্যোগমন করিয়া তিনি ইন্দ্রিস্কুত্ব অভ্যক্ত আগত ইইলেন। তিনি অহর্নিশি নদাপানে মন্ত্র ধার্কিডেন বিশ্বস্কু শী ইতঃপুর্বের সামাবার কয়ার্ছ त्किति इहेगाहित्सने। जिन के तम् छम् कित्रा निक्षेत्र छ्छान् हेहिल लत्न, त्मानामक छाहात्र हत्स् साका मधर्मन कित्रालमः। धनम थै। छाणु ह लाहेशा मछा-जीन हिल्छुत्मना कानिमा तम्म लित्थां कित्रालमः, क्रायः लोन हिल्छुत्मना कानिमा तम्म लित्थां कित्रालमः, क्रायः महाख लिक वध कर्तर छात्र ह लात्कि छा छा माना छात्र कालाम काला काल्छ कित्रालमः। हेहात् कालम निक्षु काल लात्न जिनि छाणुह्छा। किया धालित गाछ। हहेत्मन, क्रायः किन छाणुहछा। क्राया धालित गाछ। हहेत्मन, क्रायः किन छाणुहछा। क्राया धालित गाछ। हिमा छाला छिनीत्न क्राया छाल्य छाल्य छाल्य छाल्य क्रायः भूदन क्रामिनी क्रायान ।

धमक की खात खात त्य मध्य निवस्त कर्य कविटल नाभित्यम लोकोल धर्दे क्षणात पृष्टि, उत्थालि खटमक महाह त्यांक कीलाह शक्यांवनहीं इटेल्स । धर्दे मदल त्वात्वत मत्कांवाध धमक थे। लोशामित्य केंग्र केंग्र कर्यां मित्ल नाभित्यम, देवांत्व करमात्वदे खूनिन, विक्त शक्यां वाधाय गांकी थे। लोशांत ख्रीमका चीकांत करित्यम मा, किनि लाहांत महिल युद्ध करिया केंग्रांक विमाध वहांका है हैरा क्षणांत ख्रांक महिल हैरेंगा সকলকে জানাইলেন, যে খগর খাঁলের সহিত্র সংগ্রাণ করাতে আনায় এমন অভিপ্রায় ছিল লা যে উলিকি নই করিয়া আমি আমিনি রাজ্যের হইব। খবর ধাঁরের সভ্যাতারে ভাতে লোক অস্থ্র সইরাছিল, এই জনা আমি উল্লেখ্য সঙ্গে যুদ্ধ করিয়া পর্ণীকে উলির, উপদ্রব কইতে উদ্ধার করিলাম। এইকণে বাহ্যে পিট গাঁলাকে ভোমানের কলোম। এইকণে বিহারে কেল বর্ডান ছিলেন না, সকলেই হত হই-মাছিলেন। অভ্যান সকলে সম্ভ স্থ্যা উলিকে রাজ্য করিলেন। মাজী খাঁ, গওলাসউলীন নাম ধারণ

करवामण अशांव ।

· তৌগলক গোঠীয় রাজাদিলের রাজক।

हिरं परः गठणाञ्चामीन ट्डाननक, रातीन म् १७२१ तर १६२० बाकान केन की छ मारनत यूब, ভাঁহার মাতা হিন্দুকন্য ভিলেন। তিনি বেশন ভাত-कारव हाका ज्यान इहेरजन, कार्याट स्वहे आकात ভবতা প্রতিটা পাইকেন। তিনি রাজা হইয়া এব-यकः स्मानमारिणत भोतासा निनातरमत मञ्जाह कतितनम, ভाষাতে धै मकन अल्लाहात अल्लक निया-त्रष रहेल । जनस्त, वेश्य जान्म, मिक्निआरमान विद्याह উপস্থিত হইলে, তিনি ভাঁহার জোষ্ঠপুত্র জুনা থাঁকে अवीय ब्यादन कतिरलन। अना याँ व्यवस्था वाहेशा पूर्व दब्छैन कदिरतन, किन्हु छाहाई देननाबर्गत मर्पा इहाद একটা পীড়া উপস্থিত হইল, ভাহাতে অনেক সেনা मात्रा अफ़िट्ड गाविक। अपिक्छ डीशांत करवंक जन व्यवीम त्मनीनिष्ठि धवर उदमम्बिगोहाती रैमनानाम हिंदिक छात्र करिया भेगामन करिया। देशास्त्र व

স্থানে ভি**ঠি**ভে না পারিয়া তিনি দেবগৈরিভে ফিরিয়া चामित्वन, जे गणदत्र शिकुतनमाता छीशात भणाद धाव-मान एहेश डीहात गढल स्मन। फिन्न जिन्न अवर मकल দ্রবাল্টন করিল। ভাষ্ঠতে ভিনি কেবল ৩০০০ क्रमाहताही देनना अवेशा निलीक्ष्य अञ्चानसम् कृति-লেন। এই ঘটনা কেবল জীহার প্রস্কৃত্তিকানে ঘটিয়া-ছিল। দে যাহা হউক, পর বংগর তিনি অরম্বনে श्रुनशक्ति कतियां के ब्रांका कप्त कतितन अवर जामभीत वाकाएक वनीदन्दर्भ मिलीएक प्राप्तिदलन ।

१२६ व्हरू, गुउहासूकीन वस्ट्राटम याचा ऋद्रम ! बहे ममत्त्र द जीत्मत श्रुष्ठ खबर देवत्वावात्मत शिका दक्रवा यो उलाकात्र अधिशांकि छिल्लन। । वास्त्रामुकीन छीहारक के शरम श्वालिए कतिरसम, धर श्रामिक्ट বাবহালোর স্মান্ত। দিলেন। কেরা খাঁ ভাহাতে হভার্থ व्हेटनन। कि काण्या, जलप्रासुमीन वानीन ताजात দাসার্দাস হইখা, ভাঁহার পুজের এই সম্মান করিলেন।

क्षे मनदर लोगात में। मरकाटड था। डामा महत्व বিজ্ঞোহ উপস্থিত হইয়াছিল। গওয়ামুদ্দীন ভাহাও निवृक्षः कतिसम् । अभनस्य जिमि दम्राम् क्रेएक অভ্যাগত হইলে, জুনা ৰা তাঁহার সমানাৰ্থ এক কাঠ-ময় শিবির নির্মাণ করিছা তথায় তাঁহাকে আজাদ। कितितम्। अध्यायुषीम् उचायः उपस्कि स्ट्रेटन, बे শিবির ভর্ম ইইরা পড়িল। ভাষাতে ভিনি ও তাঁহার
আর এক পুন্ পঞ্চত্ত প্রোপ্ত হইলেন। এই ব্যাপার
ইদবায়ত ঘটনা থাকিবে। কিন্ত জুনা বাঁ তৎকালে ঐ
শিবিরমধ্যে ছিলেন না, ভাষাতে অনেকে এই অনুনান করিয়াভেন প্রস্থালোতে পিতার মৃত্যু বাসনা
করিয়া তিনি এই শিবির নির্মাণ করিয়াছিলেন।

সহক্ষম তোপলক।

हिर्दे पर के अवस्थितिक मुकुत्व शहर सूना या अ : इन्दे माइपल्यान भाग धाहन पृथ्व महा **प्रमाद्य गाँकारेहरू कविश्वन, अवर व्यालनात रहाराधार** क विद्यान वाक्तिनिभएक आतक यम क द्वांक नाम धारः অনেঞ্চ অভিবিশালা ও চিকিৎসালয় স্থাপন ক্যিলেন। हेशांख डीहोड गावके ह्यान्डि हरेग । १६ व्हर्ज वहे मक्त करम् चारनक अर्थ अ/अ रहेन, जैलांत शूर्का कान प्रक्रिया अपन मसार करहन भारे। फनाव्यः छएकारत रव नक्न क्रांका दिव्यनः क्रुमा थै। ठीष्टानिय्यत मध्या व्यक्ति বিশান ছিলেন। ভিনি অভি সম্বক্তা, এবং গ্রীক দেনীয় शोशींन भोट्य यांड सुश्रीकड डिल्म । चाहरा छ नोहरा कामादक उद्देश व मकन अवापि अस्तान आर्षक छोड्। व्यक्ति भटनास्त्रा हिन्दिना-नारश्रक जैलाह विकास सर्वे कि हिन । देहा कि विभिन्न পানে সমাক্ষণ বিষ্ত ভিলেন, এবং দীভি ও ধনা। বিষয়ক কোন অনুষ্ঠানে জাটি করিতেন না ু হন্দ বিজি তেও তাঁহান্ত বিশেষ-দাম্মা ছিল।

কিন্তু এই সকল উত্তম উত্তম গুণ থাকিয়াও কাৰ্যাকালে উচ্চার জ্ঞানের বে প্রকার ইবলফণা হইনাছিল।
ভাহাতে তাঁহাকে একপ্রকার ক্রয়ান্ত বলা ঘাইতে
পারে। তিনি অভিনায় লোভপরতক্র ডিলেন। এবং
ননে মনে বাসনা ক্রিয়া চিলেন আর আর সকল
রাজ্য আপনার অধিকার-জুক্ত করিবেন, এবং নিভান্ত
অমুরদর্শীর নায় কার্যা করিছেন, তাল্যতে ভার্ত্ত
অমীক সিদ্ধি হওল। ঘূরে খারুক, খোপাজ্যিত রাজ্য
সকলওহন্ত কর হইয়াছিল। কলভঃ ভাহার গ্রাজ্য
কালে সর্বান বিল্লোহাদি হইজ, তাশতে প্রজাদিণের
হুর্গতি, রাজকোনের ধনক্ষর, ও সম্প্রেই ছবিল ও নানা
প্রকার প্রতিনা উপস্থিত হইরা প্রজাগনের সমূহ অম্বন্ধ হুর্যাছিল। জাহার বিবরণ পশ্চাৎ লেখা ঘ্রাইন

खिस त्राकटच्छ आहरहरे मिक्न रमन अग्र रहिट्सन, शरत छात्र छत्र भने मोर्टिश रमन छेशा ना स्मित्रा, शातक रमने अधिकात कित्रपात अख्यि कितिस्मित्र छक्तना अभिकार देशना निगुक हरेग । हेशासिकात्र स्वकृत कृत्यात् अमाना बाह्य छीशात भनोकात्र स्वाप्त খুনা হইগাপড়িব, ভাষাতে ভাষাদিগৰে নেভন দিভে चक्य हरेत्वा प्रकार वे मक्व स्मित्या मुन्छक रहेश अञ्चामिरभव इस्मिन अनुवामसंख मुक्तेन कतिरख वानिया। देशास्त्र अस्तरहात अक्टलंब कडेल, অন্ধারা চারিদিলে স্বতাকার করিতে থালিক।

- जननकत महत्त्वर देवधी गांनी छीन दमन जग्न कदि-राज मानम कोइटलन, ध्वर एक्सना धक नक रेमना সংশ্রহ করিয়া হিমালয়:শিশরস্থ পথ দিয়া ভাতাদিকে **हो मालिए, स्व ८ळार्थ कडिएलम। स्मर्गापण शर्काः छ**त উ'ার দিয়া গমন করিল, ভাছাডে বিজাতীয় কট इहेन, ও अस्तक देनना मात्रा शिक्त । अवस्थाय यथन ভাহায়া চীন দেশের নীদায়-উপস্থিত হইল তখন र्पितिष्ट भारेन छारायन महम युद्धार्थ अमधा हीन-কেনা প্রস্তুত ছইয়া আছে, ইছাতে ভাহাদিগের **একে-**वारत मुर्फा छन इहेन। विट्यम छाहान्तित्रत यामा स्यादिन दल्य श्रेयाचित्र, व्यवः नन्युत्य वर्षा, सूखद्रार রণে পরাজ্য কইয়া ভাষারা সেইখান হইতে বদেচন व्यक्तांश्वम कतिला । व्यक्तांश्वमकाटक हीन द्यमादा ভাষাদিলের পশ্চাৎ **শার্**যান হর্তা **স্থান্তর ভা**হাদি-शदक कांग्रिट के आंत्रित । मददा मददा भवं छवागीता पाळबर् कविका । जांड नर्वांड करने शर्बरणह लबname musific explient a at atra, mairis

७ भवजाबिए बरनक मान्य नके दहन, अम्बिक শাহারা ফিরিয়া আলিল ভাষারাত বাজার কোপনাবেন পভিত হইয়া খড়াশালী ছইল।

महत्त्रम हीन द्वाका कराव आश्रारक व्यवकात रेनहाथ हेरेग्रा धननाटखंद खाद आक जस्तिहा । एउ कारत्मन, ভाशंख नयान् धानाइ श्रीहारिक्यः। छिनि खित्या हित्यन हीन समीत हास्रोहा शहुन शिव्रतर्छ শাগলের মূলা ব্যবহার কবিলা ধাকেন। আতএব ভিনিও লাপন রাজো সেই ব্যবহার জালিত ক্ষিবার आंखा जिल्लान । विटमलीय महाकटनडा अ कांश्रम बाहेट अभीकात कविश्वास । कल्लाम अहा । हिनाअ হইল না। সুভরাৎ বাৰিজা ব্যবসাগালি স্থাতি ইইয়া দিন দিন প্রসাদিগের দীনতার রূপ্তি ইইতে লাপিল, এবং গাজন্ব সংগ্রহেরও ব্যাঘাত জন্মিদ। ভাজন व्यक्ताद्य द्वीकः अन्तरामा श्राकात कर द्वाराम क्रिटलम । आसामन अदे मकन कर निर्देश अक्षम क्षेत्रा (एम छा। गी হইতে কাগিল। কুষ্কাণ কেন্দ্র পরিত্যাল করিয়া नितिनञ्चत्व ७ काउनानिमस्या धाक्याः मसाइन्डिबादाः দিমপাত ক্রিতে লামিল। প্রকাগনের প্রাগনে মহ-ক্ষম কোষোম্ভ ইইয়া কেলকার নিষ্ঠ্র আছরণ করি-त्सम् छोश् कालल ज्यानकः अव्यक्ति त्य नमगर्भाः পুৰায়িত ছিল, জিলি ইদ্ন্যখারা ভাষা বেউন করা-

े हेटकम, धरेश बना शंखत नाचि छोटामिनस्य नय कविट्छ कांका मिलने । वह श्रकाद अनुभा आभी नके इत्ने, क्षेत्रः क्षेत्रक चालाटत् समा किर्माष्ट्र मा मुख्यादक रमरास চুৰ্ভিক উপস্থিত হাইল।

্ভৰ্মিথ অভ্যাচালে নানাস্থনে নানাবিধ উপদ্ৰ क्देश्व मालिस । श्रेक्षान, मालन, रझामणे ଓ प्राक्रिन রাক্ষার সুবাদারের। রাজপ্রভুত্ব ত্যাগ করিয়া লাণ-मांदा बाक्यम धार्व कविद्यान । धारे एकवा विद्यार দ্মন জন্য মহম্মদ খ্য়ৎ আশ্রধারী হইছা পঞ্চাব ও। মালবের শাসনকর্তালিগকে বলে বলীভূত ক্ষতিবেন, किन्द्व रहरम्भ भूनव्रधिकात कांत्ररङ भातिरजन मा। खे सम्भ **उरकाला**विति मिलीसंदत्त रुखा छति छ हरेया वद्य-কাল স্বাধীন রহিল, ভাছার পর আক্রর পাছ ভাষা পুনন্ধার আপনার রাজ্যভুক্ত করিয়াছিলেন।

্দক্ষিণ রাজ্যেও ঐ প্রকার রাজবিল্লোহ আরম্ভ হই-য়াছিল। নত্মদ ভারবারৰ জন্য আপনি গমন করি-ধলন, কিছ হঠাব মহামারী উপস্থিত হইয়া তাঁহার अदमक देवनी नके इहेन, काशास्त्र किनि तम प्रांत न्यतिका महाद्वारकेत ब्राक्शामी स्मर्शनितरक आगित्यान । दमव श्रीत आखितमा जीन, क्रमवद्याक्टन ্ৰীয়ৰি অভাস্ত ঘোষিত হইলেন, এবং উধায় আপন वाक्रमार्क कांबरका कहे आहिका क्रेडिका, बाक्यांनी व जाम कोनडाबाम हाथिया, मिली नगवप् मच ३ अनामि-নকৈ আজা দিলেন ভাহারা সগ্রিবারে খাইটা ঐ मतादेत याम कदत, नजुना जाताफिल्यत ल्याम ए छ क्षेट्र । প্রামা কি করে তাহাই করিল। ইহাতে দিলী নগর লোকপুনা হইল, অধত দেখাগানি সুপোতিও ছইল ता। किंदु निम अटब सूनकारनह सूनानीत तोज-अधि-ভূমাচারী ক্টলেন, ভাষাতে তাঁহাতে স্বাৎ ঐ রাজ্যে भवन कति है हरेन । जिल्ला हरेए हिना किली नगढ़त अ डाशियमं करिएलर ।

छैं। इति है। जान करनम मर्नटम भूनकिछ छहेगा श्चकीत भीव द्वाराम अभरन्य आम्छाम, उंछातु कर्य গরিজ্ঞান করিতে লাগিল। সুভরাৎ এইমান তথ্য (भरिभाति भागामा कांख हरेटनम्, धर्रः विक्षीटक व्हान-ধানী পুনঃ ভাগেনর অভিপ্রায়ে, মেরদিরি হইডে প্রকাদিশকে তথায় আদিনে আজা দিলেন। তিন বৎসর পরে, আবার জীয়ার অভিনাম গটন (१४मितिएक दांक्योमी कतिराम, खाहाएक गम्छ 'अमार्थभरक : मन्जिति मारिएक आंखां निरंत्रतः। क्रिफ कान भरत मिलीएक सुनेवराव आमियात काक्षा बहेन, राहार द्वानीत अवस्थित उपात काश्रिक वाका निर्मिन । विषे अनाम भूनः भूनः अन्यानाजनत्न अका-भटनह घटनायमेक्टि देवें ए कर्ष गांग गरेना, निरंभक्ता শেষে জালিবার সময়ে দেশে মহা ছডিক হইল।
ভাষাতে প্রজাপন কেবল ক্লেমা পাইল এগত নতে,
নত্ত সহাপ্রাদী আহার অভাবে প্রাণ ভাগে
করিল। ভাষাদিলের শাবে পথ ঘাট প্রিপূর্ণ হইল।

মহম্মদ ধৎকালে দ্থিক রাজ্যে গমন করেন তথন পাঠানের। পঞ্চাব দেশ লুঠন করিতে আরম্ভ করিয়া-ছিল। ভাহারা প্রস্থান করিলে গোরখা জাতীয়েরা ঐ রাজ্য বিনাশ করিয়া লাহেণ্য রাজধানী স্মধিকার করিশ।

এ সময়ে কণ্ট ও তৈলকের রাজারাও বাধীনতা পুনঃ প্রান্তর জন্য অন্তর্গারী হইলেন। কণ্টের রাজা বল্লালবংশীর রাজানিগের রাজ্য ধ্বংস করিয়া সেই ভানে আপনানিগের রাজ্য জাপন করিলেন। বলাল বংশীর রাজার বিজয় নগরে রাজত্ব করিতে লাগি-লেন। তিলকের রাজারা অর্কল পুনর্ধিকার করিয়া মুসল্মান্দিগের তাবং হুপরক্ষ সেনাদিগকে দুরীভূত

ति श्राहित वाह काह कानक द्वारन ताकविष्ठा है जिल्लिक हरेंग । महत्त्रान कान कान द्वारन विष्ठा है मधन कहिल्लैन दर है, किन्छ क्षेणदादि काहि जिल्लाव किल्लिक हरेंग । के बादन कानक भागक देनना दिन, किल्लिक हरेंग । के बादन कानक भागक देनना दिन,

व्यक्षपादन कविनाः । वहत्वम छोटाभिटक नमन कविनातः ক্ষমা ব্যাহ প্রজন্তি গামন করিলেন। ভাষার আগমনে মোগধেরা গুলুরাই পরিত্যাথ করিয়া দক্ষিণারাজ্যে যাইয়া দৌলভারাদ নগর অধিকার করিল। ম**ল্লাদ** कि करतम, ভाषाभिरशेत लम्छार थे मारम ग्रम कहि-रमभा असम कविराख्डे खाववार अस्तर्भात खेलास्य जातमुक्रोल। ये मन्दान लोहेश स्थिन एक सम ্যনাপ্তিকে দেলভাবানে প্রথিয়া ছাপ্নি ওজনাটে যাত্রা করিবেন। হাত্রা করিবেটে ভদেশীয় লোকের। ভাঁষার পশ্চ দ্রাগের গন্ধী সম্ম প্রাকৃতি অনেক এনানি লুঠ করিল। ভ্রাণি সহম্মদ ভজরাটে লমন করি-লেম ৷ ভাষার আগমনে বিছোহকারী এপনের। ওলা হউতে পলায়ন পুর্কক নিকু দেখের রঞ্জপুত হাজানিবের শহণাগত চুটুল। মুচুপান ভাহাদিবের পশ্চাৎ গামন করিতে উদ্যত ছইয়াভিলেন, বিদ্ ভংকালে সংবাদ পাইজেন দেবগিরির রাজা, হোসন गङ्ग नामक अक राज्यिक के दावा ममर्थन कदिसाइम, अवः छोहाँत माहाँचा विद्याहकात्री आहा मकल महन्म-भार जामा डाटक वर कड़िया डावद में किने होका श्रेम-देशिकांत कतिगारकं, अधिकंद्ध मानवरमणीय भागनकर्छः कार पिएका भाग रहेग्राइम ।

अहे मकत नरहीम भाइया नहत्त्वात स्ट्वाप स्ट्रेंग

এক রাজ্য উত্তমকণে শাসিত না করিয়া অপর রাজ্য লক্ষ্য করা সাধ্যবচনার কর্ম নতে। অতএর তিনি প্রথ-মতঃ গুলুৱাট লাসন করা প্রেয়ঃ জানিয়া, তৎকালে দক্ষিণ রাজ্যে গমন না করিয়া, বে সকল নোগলেরা সিক্ষু রাজ্যে পলায়ন করিয়াছিল তাহাদিশের দমনার্থ ঐ রাজ্যে গমন করিলেন। তৎকালে মহন্মদ শাবী-রিক অসুত্ব ছিলেন, সিন্ধু গমনে তাঁহার গীড়া রাজ্য ভিল্প এবই ইল, তথাপি তিনি সিন্ধু অভিমুখে সু ২০০১ গদন করিলেন, কিন্তু ঐ দেশে উপনীত না হউচ্ছে ইউত্তে পঞ্চন্দ্র প্রাপ্ত হইলেন।

নহন্দদের মৃত্যুর পর মোগলের। দাক্ষণ রাজ্যে আপীন রাজ্য প্রাপন করিয়া, ইসমের্ল নাগক পাঠনে ভাতীয় আপনাদিগের এক প্রধানকে বাজা করিল। কাক্তর বাঁ নামক করিয়া এক দক্ষ সেনাধাক্ষকে রাজ্যাপন করিলেন। এই রাজ্যক পাঠানকাতীয়, তাহার পর্য নাম হোমন। এই রাজ্যক পাঠানকাতীয়, তাহার পর্য নাম হোমন। এই নাম ভামিন প্রের্ক দিলীনগরত এক রোজাগের ভূত্য ভিলেন। এক দিখন ভূমিনর্যণ করিতে করিতে ভূমিগ্রে করক অব দিখন ভূমিন্ত্র ক্ষান্ত ক্ষেত্র করিছে ভূমিগ্রে করক আপন করেন। রাজ্যাক তিবিবরণ রাজ্যকে ক্ষান্ত আমান তিবিবরণ রাজ্যকে ক্ষান্ত আমান ক্ষান্ত বিষয়ে ক্ষান্ত বিষয়

হ'টের। অন্তর্জন ভিনি ভাহাতের রলেন যদি ভূমি রাজা হও তেবে সামাকে ভোষার মন্ত্রী করিও। হৈসেন वाकामस इदेश दृष्टिमन । भट्ट येमेट्यल थी । छीअटिक রাজ্য অর্পর্ন করিলে তিনি ঐ আক্ষান্ত মাজিপদ্ मिटलन, अवर अगर कारगांकेकीन रहाकृत शक्तु उत्राक्तन । উপাদি পারণ পুরুষ ব্যাস্তা করিছে নাগিলেন. ভাষাতে ने बाबा आक्रानीत नाम चार्ड स्टेगाइ (

মহ্মান যে সঞ্জ মৃত্ন কাপনা করিছাভিলেন ভাষায় নথে দেবলিয়িতে বাল্যানী স্থাপনই প্রপান্য এই কম্পনাৰভ মন্দ্ৰলা যায়না, কিন্তু মহম্মদ ক্ষিক-दुन्धि हिल्लम, यथम थारु। याम जैमक इटेन्ड ७थन है ভাষা করিতে ডাহিচ্ছন। ইহাতে ঐ কম্পনা সিন্ধ হইছে পারে নাই। মুতরাং প্রজাদিগের অতাভ প্রবৃত্তি এবং দিল্লী নগর প্রায় অনশুন্য কইয়াছিল। 🦪

मङ्गारमञ् काषिक युचित जाति छ छ ८० छ क्षा लिशियक बाटक। यथन ब्रांटकाव मट्या इकिलानि नावा हर्षक्रेना स्ट्रेटक काणिन, उथन किनि मरन कति-्रजन catsinitua, ब्राजाणिरणक कारन, छीरांत वाक-जनम लक्षा हर नाहे, जंबना और मकल इस्टिना हरेंद्रेड्डिड कि कार्यक में अन्याही व्यासा अधन विन्द्र एम्ट्र अप्य अहिटल जिल्लान, की होत निकरे हरेटल जनम कातारकात, वादः छ।हात ता नकत पुर्व दूरताता সনকানা লইবা রাজ্য করিয়াছিলেন, রাজজালিকা ইইতে তাঁহাদিবের নাম উঠাইয়া দিলেন। তাঁহার প্রামন্ত রুদ্ধির আবি এক চুক্তান্ত এই, দক্ষিণ রাজ্যে যাইয়া ঠাহার দন্তপীড়া হইয়াছিল, ভাহাতে একটা কন্ত ভগ হওয়াতে ভিনিতসেই দন্তভাকে মহা ধূমপামে গোর দেন এবং ভাগার উপর এক প্রেশন্ত মন্দ্রীদ নিশ্লিকরেন।

এই প্রকার তাঁহার অনেক কর্মে উক্সভিনার চিছ্
দেখা পিনাছে। তাঁহার দৌরাআও অভিনাদ ছিল, এই
কনা তাঁহার রাজ্জনালে অনেক বিজ্ঞান উপস্তিত
হইমাছিল। ক্রিনি আপন ক্ষতাতে অনেক বিজ্ঞান্থ
দমন করিমাছিলেন বটে, কিন্দু তাঁহার রাজত্ব আরস্তে
এই ভারভবর্মে মুললমানিদিলের যত অপিকার ছিল,
তাঁহার মৃত্যকালে ভাষার অনেক হস্তাগুরিভ হইমাছিল। যে স্বল রাল্য হস্তাগুর হয় নাই, ভাহাতেও
মুল্লমানদিশের বড় প্রস্তুত্ব ছিল না। মহন্মদ সর্বাহ্যর

্ৰ 🚉 কিয়োজ তোগন্ধক। 🛒

The state of the s

হিং বিং বু ১৩০; কং ১০০০ বিশ আক্ষাত্রে ছিল তিম হইন। পাড়িল। ভাইতিক প্রবল নোগালের। সকল রাজকার্য প্রাকুত্ব করিবার বাঞ্জা করিল, কিন্তু পারিল না, কেচ্ছেডু এই দেখীল প্রধানের। একত্ব হইয়া মহম্মানুর স্লাভুক্তার ফিরোজকে রাজা করিলেন।

কিরোজ তৎকালে নিয়ুবালো ছিলেন, এরাজা
পুথির জন্য কতক দৈনা রাখিবাই তিনি নিস্কু নদীর
তট দিয়া অচে আধিন, দিলীনগতের হাতা করিকোন।
দিলীতে আদিতেই তদ্দেশত লোবেরা এক গোল
তুলিল বে নহম্মদের ইরসজাত এক সন্তান আছেন
তিনি রাজা হইবেন, কিরোজ নাজা পাইবেন না:
কিন্তু ভাহারা কিরোজকে আটক করিভে পারিল না,
ভিনি সন্তানে রাজা ইইকোন।

০৪৪ আনে বিবের্জ সাহ বল দেশ পুনর্ধিকার জন্য বাতা করিলেন। তৎ কালে যা এলাইস বল দেশের অধিপতি ভিলেন। তিনি কিরোজের আগ্রন্থনার সংবাদ পাইরা ঢাকার উভরে একডালার হর্মে সমেনা থাকিলেন। কিরোজ সাহ মালদহের সামিধ্যে পাগুয়া দেশ অধিকার করিয়া একডালাতে যাত্রা করিলেন, এহং অনেক দিন করিয়া একডালাতে যাত্রা করিয়া থাকিলেন। পরে বর্গা আরম্ভ রইকে দিলীতে প্রভাগিমন করিলেন, বল দেশ পুনর্জয় করিতে পারিলেন্না।

उपनेत्र रके अ शक्ति राजीय तावाता किरतीक

নাইকে দুজ্জারা ভেট পাঠাইলেন। ক্লিরোজ সাছ ভাছা এহণ কুরিলেন, ইহাতে একপ্রকার ঐ দেশের বাদীনতা স্বীকার তরা হইল। এলাইসের মৃত্যুর পর ভাঁহার পুত্র বিকলর সাহ বঙ্গদেশের রাজা হইলে, হিং ৭০১ ফিছরাজসাহ পুনর্মার তথার গমন স্থানিত কা পারিগ্রা, দিকক্ষ্যের সহিত সন্ধি বন্ধন করেন। তদবপি ৰঙ্গদেশ একেবারে স্থিনি হয়।

এই বাপোরের কয়েক বংসর পরে (৭৭৩ অকে)
ভিনি সিন্ধু ও গুলারী প্রদেশে নুদ্ধার্থ গণন করিয়াভিলেন। ভদনন্তর আর বড় গুলা-বিপ্রহাদি হয় নাই।
ভাষাতে ভিনি নিশ্চিম্ন ভাবে দেশহিতকর কার্য্যে
সলোনিবেশ করিয়া, বাবস্থাদি সংশোধন ও অন্যাপ্ত
কর রহিত করিতে লাগিলেন, এবং সামান্য অপরাবে
প্রাণদ্ভ কিছা দৈহিক সন্ত্রণা বা অক্সহীন করিয়া হত্যার
ধে নিষ্ঠুব নিয়ম ছিল ভাষা একেবারের নিষেধ করিয়াদিলেন। এই শেষোক্ত কঠোর নিয়ম মুসলমানদিপের
শান্তিসিদ্ধা ছিল, অভএব ভাষা রহিত করাতে, তাঁহার
বিশ্লীর গৌরন হইল।

ইহা কিন নেশের শোভা ও সৌভাগার্থি ও প্রজা-গণের আয়াসমিতি নিধ্যে তিনি বিশেষ মনোযোগী ইইয়াডিবেন। কবিত আছে তিনি এক শত শান্-

पात्र, असे अंडे प्रिक्शिशासा, त्राप्त्रभाठः क्षेत्र, असे अंड अभिक्रमास, ७३ हे। क्रका गा, ७००। 6 पुरुष हो। हे क्रि ममबीका (१० के) देशक धनर मुत्रभा वर्षा व खर्ड ने कोर्यक कारतक निर्मान कतियां दिखा दिखा । ७३ म का की दिंद भारत केवन बानोर्गल रहेशान कीएक। किन्न विमान करियेते देश क्यान क्रिकेट गमुना निक्रिय छ। स्थान एक विकास इहेरेक केवील निका दीवीहानी लगान क्षेत्र कता व्हेकाविका छ। क्षिके भवका वहके । " अत्ये हिवाब **८४ भाषा चार्यत्र नमिएक जिल्ला चित्रियोद्धित । भेट**क मनीत महिन्दे अनुस्तानाचात त्यान् हिन्दे । अहे चेटिनत बाह्य कृतिकराष्ट्रिक वार्णाहरीच अवकात क्रेंच । किट्डा-रक्षेत्र कुराम नवां बार सम्मार अवारकीकी १६६६६ ভিন_িছংমাজেরা ই**লার নিশ্বংগ্**র পরিয়ার র উবিয়া पित्राहरूम् । के खुर के द्वीमी अभी छ निष्ठ छ । साहरू बर र कार्गकाम ब्रह्मक एकान स्ट्रेंस, जार्गामधी विकास कारकेंद्र आपाल महिल्ली दलीका के जाव र ब्रह्मकें क्रमा ब्राह्मिक में बिक्टकत स्विक्टमित गार्शियात निविक के बाल जनन जना हता। किन उद्यान विक कात दमारका कात में बरमक खेनकाव केवेग्राटका अर्थ फक्ष बहुदोहों हो ६ करने अवसीत शामन करियों की गान। स्वार्थ विद्युलाक कविक, बनादन क्षति क्रायत व्यक्ति, व व्यक्ति **डाश्रावित्य इ केलदी विकास अपूर्व केलाव क**रेवाटक १

े जिल्हाम होई, अ स्वेत्रहाकन कवित्र, १७१९ वटन, be तरमह बद्धान, बोर्कका अपूर्ण हास्का**र्य निर्णा**क अक्रम हरेता, महीरक सकत कर्णात कातार्थन कतिया । कंद्रीहर क्षेत्री पूर्व साथ क्षिएलस, ख्यांत्र स्थान शास्त्रि ভাষার সহিত সাক্ষাম° করিছে পারিত না। -কেবল मुखी शमस्राधिम कहिए छम, छाम्। एक फिलि बार्काह नर्सया कर्डा श्रदेश ब्राष्ट्रांत्र त्याचे पूज ननीक्रवीनत्व সংক্ষার করিয়া আগনি রাজা লইবার বড়বন্ধ করিবেন। ন্দীক্ষীৰ ভাষার অভিকাশ বুখিছে পারিয়া সোন (क्षोभटन कासःभूटक निष्टांत्र मनीतम बाहेबा जाहात मक्य रिया ब्याफ कदिरवन्त छात्। ध्रविष्ठ किरवास राज् जांबादकरे आका कविद्यान । किंक सरीक्रकीय प्रमिक्ट्यं विचार अभिभूग हिटसरे, अवना उध्या ছুই শিক্তা-ভন্ম ক্লু নাজাতে হস্তগত করিল তীহার স্ক্রিত প্রক্র আয়ন্ত্রকরিবেন ৮ নদীর উদীন মুচ্ছে প্রাপ্ত हरेशा नमुन्। ७ मञ्जू महीर मशास्त्र आरदमात नर्कटक শালাক্তৰ প্ৰবিধেনত কথন প্ৰতিয়াত পিতৃয়াভনমেরা अवाम अविद्यान ता किर्देशक ताब केलाइ लोक तर-अधिकीनाक करका असर्थन अस्तियातका । यह गाणात्वत ्रिक्षिक कां**त्र** शहत प्रसिद्धांक गास, ७०० वस्पत्र, वस्पत MACHIE HUM AFRICAS 1 '

া প্রয়াস্থানি তোগনক, বিতীয়।

ত গওয়াসুদ্দীন ভোগলক উপত্নিউক্ত হুই অন্ত্রের কর্ত্তক ক্রিন্ত্রিক প্রাক্তি বাজার ক্রিন্তর কর্ত্তক ক্রিন্ত্রিক ভিন্তার ভাষাকের ক্রিন্তর কর্তিক না আরম্ভ করিকেল। ভাষাকের প্রাক্তি কর্ত্তক ক্রিন্তর ভিন্তার ভাষাকের বাজাত্তি ও ব্য ক্রিকেল।

আবুবেকর ভোগলক !

ব্রভাপুদ্ধীনের মৃত্যুর পর আবুবেকর নামে কিরোজ হিং পদ্ধ সাহের আর এক পুত্র রাজা প্রান্ধ ই ওড়াল । তিনি এক ববসর রাজা কারিলে পর, ন্সীরুদ্ধীন পর্জন্ত হিতের ব্রুলকাণ কারিলে ভার, ন্সীরুদ্ধীন পর্জন্ত হিতের ব্রুলকাণ কারিলে ভারত সংগ্রাম জারন্ত করিলেন। এই বুল্লে আবুলেকর প্রশ্ননতঃ জন্ম হিন্তাভিলেন, কিন্তু পরে পারাজিক হইবেন, ভাহাতে ন্সীরুদ্ধীন ভাহাকে রক্ষ কারী কার্যা লাল্যাধিকার ব্রিলেন। এই বুল্লে সর্বর রাম নামক এক কন হিন্দু রাজা ন্সীরুদ্ধীনের প্রশ্ন হিলেন, এবং বিবার দেলীয় র্জাঃপুত লাভীয়েরা আরু বিবার ক্রিয়াভিল। রাজনেরাগ্রাম ন্সীক্ষ দ্বীলেক বিরুদ্ধিল। রাজনেরাগ্রাম ন্সীক্ষ দ্বীলিক বিরুদ্ধিল স্থানা করিয়াভিল; এই হুলে হয়। এই আজা হটুলে ভাহাদিশের জ্নেকে আপুনাদিখনে হিন্দু প্রিচয়/দিয়া রাজ্যে থাকিবার ্চেতা
করিল, কিন্দু ভাহারা হিন্দুভাষা উত্তমক্রপ উকারণ
করিতে পারিল না, ভাষাতে ভাষানের ছায়নেশ প্রকাশ
হইয়া ভাহারা দেশান্তরিত হইল।

নদীর দীন ভোগলক।

নগীরদীন নিতান্ত কলন পুরুষ ছিলেন, এরান্ ভারার রাজয়্বালে রাজার কোন সুপুখলা ছিলনা, এবং বিদেশীর রাজারা ভাঁহাকে ভাছুশ সম্মান করি-তেন না। প্রজাতের পুরালার ভাঁহাকে হীন্তল দেখিয়া রাজপ্রভূব ভাগি করিল, এবং হয়নাপারস্থ রাজপ্রভূত জাতীয়েরাও রাজ-প্রভিক্রাচারী হইল। ননীর্দ্ধীন ভাহাদিয়তে দমন করিছে, পারিলেন না।

मुगलमान्धानलयी धन कन हिन्दू धर तालात मुली हिटलन, किनिर तालकर्ष गोबारेटकन, ताला मुलि ट्यालाटलव नगांच विषया धाविटलन। खरटनटव बजी त्रांक, खशरानशन्त करेटलन, शहाटक वैश्वाद शाव है। हिस्सी।

ন গাঁকজীলের মৃত্যুত্ত পর উচ্চার পুত্র ক্লোল প্রাপ্ত ছইলেন, কিছে ৪৫ দিবস রাজত কলিনাই ডিনি প্রবাদ্ধ সমন করিবেন শাহাতে উল্লোব कमिछे गट्दानत प्रश्यम मिरश्नाम आहिन्दिन करि-दलन।

মহন্মদ (ভাগল্প ।

प्रथम तम नगरत होजा ध्योश रहे जन उपन हिम নিভান্ত শিশু, মুভারাৎ পুন্ধ পূর্বা রাজানিলের রাজত্ব-কালে যে সকল : সশ্ হস্তাম্ভব্নিড হইয়াছিল ভাঁহায় पादा छाटः भूमः खाखित क्वांन क्वां पहेन मा ! যাহা ছিল ভাহাও হাইতে নালিল। ভাহাত্ত কারণ, প্ৰস্থাটাপাক নোজাফর বাঁ রালপ্রত্ম ভাগে করিল: क्यानि वाधीन इटेरमन । जन्द मिन तोका इन्हाइउ एउटमञ्ज श्रव योष्ठ मानविधानाम भूगनगोमिनियान অভুদ্ধ পুনঃসংস্থাপিত হইটাছিল, কিন্ধু ভাষাও ইছিল मा, खे तम्म अहकराएउ खाधीसंहरेल । नेहा जिस घटनम व्यक्तिनंख भारते खकांद्र याचीम इहेगा अवर याजा কাছাদ নামে বাজমন্ত্রী জোনান পুরের শাদনকর্মে নিভুক্ত হইয়াড়িলেন, তিনিও সময় ব্যিয়া ঐ রাজ্য অধিকারপূর্যক তথার এক মুক্তন গ্রাক্তা হাপন কার-न्त्र । अधिक्यु इञ्चिम्मित्छ क्यांक्षित्रध मध्ये। शेव-अत् (प्राप्त्ये, पृक् बन्धः, ও क्विक्ति श्रोत्र हरेशः। अंदबांद्र अशव खुशद दांटन त्नरे अकांद्र नियां दिसेन माम महैर ड नालिन। स्मर्गाटम छोटा ना स्टेन एकद

লোকেরা কোন পকেনা থাকিয়া নিয়গেক ভাবে অপবের সর্বনাশ দেখিতে লাগিল।

রাজ্যের এই স্ববস্থার সময়ে অকসমাৎ আর এক ঘোর বিপদ উপস্থিত হইল। তৈমূর লক ভারতবর্ষে প্রবেশ করিয়া ভারত্রাক্য ছারখার করিতে লাগিলেন। কাহার সাধ্য হইল না ভাঁছার পথাবরোধ করেন, ভাঁহার বিবয়ণ পশ্চাতে লেখা ঘাইতেছে।

रेडमृत्लक भगत्रकाम क्या खार्व कावम, धार्र আপনাকে জালিস খাঁর বংশীয় বলিয়া পরিচয় দিতেন। এই কথা যথার্থ হউক, যা না হউক, তিনি অস্থিস খাঁর ৰংশীয় ংখারাসানের রাজাদিখের এক জন সেনাপতি ছিলেন। উভাকর্ণো থাকিলা তিনি অভান্ত বীংক প্রকাশ করেন, ভাষাতে রাজা তাঁহার প্রতি সম্বট হইয়। ভাঁছার সহিত আপন ভগিনীয় বিবাহ দেন। ইহার-চারি বৎসর পরে তৈমুর রাজপ্রান্থতাগ করেন। এবং রাজার: মৃত্যুর পর তিনি খোরাসান অধিকার कतित्रो नमत्रकस्य दाणधानी करतन । उपमक्षत जाशत र क्राकानिमध्य पूर्वन ए शेनवीमा दंगविया डिल्मिमध्यत तांका रहें कहिए जातित्वना धेर खेकार जिन পার্ক দেশ ও মহাভাঙার জন্ম করিলেন। পারে, পুর্ম कांडाह, जोजिया, स्थमप्लाएडिमिया, ६ संरवत कियमध्या वर्दः गाइवितिशा क्षमा कीशात लाज्यूद्य अफिन।

তিনি ক্রমে ক্রমে এই সকল দেশ আন্দর্যন করিলেন।
তীহার আক্রমণে প্রকাশনের ক্রেশের এক্রেশ হইল।
তিনি এই সকল দেশ দক্ষ ও লুইপাট করিয়া এককোর করিলেন। কোন রাজা তীহার নহিত অন্ধারণ করিতে পারিলেন না, সকলেই তীহার প্রবল পরাজ্ঞান নতিখির হইলেন। মনুষাহতাতে ভীহার কিছুনাত প্রান্ধি মনতা ছিলনা। কথিও আছে তিনি নর্মুণ হেদন করিলা কৌতুনার্থ স্তম্ভ করাইতেন। এনমিপ পৌরাল্লা মারা তিনি এক প্রকার সর্বান্ধী হইলেন, এবং তাহার অত্যানার ও দোর্মণ্ড প্রভাগ প্রভাগ হউরোপ ও আদিয়া থাবের ভাবকোক কন্সান্তিত হইল।

যথন পশ্চিমাঞ্চল তৈ মুন্লতে র এই প্রকার একাধি-পতা, তথন তিনি সংবাদ পাইলেন যে, রাজাদিগের পরস্পর বিবাদে ভারতবর্ধ অতি বিশুখল হইয়াতে। অতথব ভারতবর্ধ জয় করিবেন এই অভিপ্রায়ে তিনি আপন পৌর শহম্মদেকে সটেসনো প্রের্থ করিবেন। হিং ৮০০ পীর শহম্মদ, সিন্ধু পার হইয়া অচ বংগ্রুতি পিয়া মুল্ভানে আসিয়া ব হান বেইন করিবেন। কিন্তু হয় মাদ পর্যান্ত ভথার বাহ্নিকভাহা অধিবার করিতে পারিবেন না তেমুর আক্রিপ্র সহবাদ্য পাইলা ব্যাহ ৯২ নক্ষ্মদায় প্রকার ব্যাহিকা ভাষারে হি ইন্না লইয়া হিন্দুর্শ দিয়া বাহ্নি खेलनी ७ इटेटलन । ख्या इटेटल, मल्डमम मेल दर्भ द शृद्ध य द्वारण रमकला माह मिश्रू भात रहेगा हिटलन. त्येहे द्वारम, तोका छाटन, कार्ट्य एक वार्ट देगना भा द कितिलन । ख्या इटेटल ब्रेट क्वारत दिल्ला, खर्रार नक्क-मनात शिलम, नमी भगैछ खाजिरलन । भा दे के नमीत थाड़ मिश्र ज्वारा भग्नेल अमन कितिलन । भारत के नमीत थाड़ मिश्र ज्वारा भग्नेल अमन कितिलन । भारत के नमीत यह रम्भ मग्नेट्य भिल्ल मकल कुछेन ७ मस कितिलन भारत ज्वारा ज्ञानिश्र दुस्कत वार मिश्रा फळाच लाक-मिर्गत निकते खर्मक क्या डोड्स कितिलम । किस हेडार छहे छोड़ामन इहार्यन करमान हरेस मा, श्राप्त प्रमाना निज्ञिल इहेरल रमनाभारत भिलामा द्रिक कहेन, खोड़ाता ज्ञानामरक यंद्रमार कितिला खाड़ानिरगत यंद्रामक्षेत्र हर्म कितिला।

এই প্রকার দেশ লুওন ও নরছতা। করিতে করিতে ট্রেড্রনল শতার নদী লক্ষা করিয়া আনিচত লাগিলেন। ইতিমধ্যে পীর মহম্মন মূলতান প্রদেশ ময় করিবেন, কিন্তু ব্যাতিশগে উহার অসমদল হত ছইল, ভাহাতে তিনি অপার্যানাণে পুর্ণের হার ক্রছ করিয়া তারখাে থাকিলেন। অনস্তর তৈমুরলন শতার নদীর নিক্টনতী হইলে, তিনি প্রশ্ নদার্থে কতক্তলি হারা রাধিয়া ভাহার শহিতে নিনিরেন। তিস্কালন বিলয়া ভাহার শহিতে নিনিরেন। তিস্কালন

महिल्ह गर् मंत्रपन्नि क्रप्रेमधीलत देशना मान व्यक्तिनः प्यविषये विकास समुका भेगद्रोटक वादिन । आक्रियन व हेलाहरूदा उँक्षांत स्थिक तुक्कांनि कदिल सां, धनः थे, कारमः वक सुमनकानः महाश्वितः वत् द्वावस्तानः द्विनः এক্ষা তিমি তদেশীয় লোকদিইগর প্রতি কোন অভ্যা-ভারা মা করিয়া ভাতনাকে গমন করিবেন, এবং তুর্বে त मकत लाक आक्रिकांत्र जना काळाप करेग्राहिन, छाल्पिशतक विमाण कदिरम्य । देश स्थिय। करमन শত্ত বলাকের৷ কিছার অধীনত তালারের এতার ক্ষিল। উভযুৱনাল কাহাতে সমাত হইয়াৰ এই আজা দিলেন, প্রীক্র মহমাদের কৃষ্ট্রি-ছে সকল লোক স্বস্থ ক্রিপ্রচিল ভাষাদিবাদে এক্সাং করা এরে ৷ এই खनारा व्याखारक के अन्य ह्यांक किल्रेटर हरेंग्र প্রনার অক্সারী স্থান, এবং আপনাছিলের অপজা क्लामहिनदक मञ्चार कहिया आक्लारन युक्त कहिना क्राक् त्माम मगत्रमं भी दहेगा। देखभूत धरे महत्त त्नाध्यत् साददर्भ माहरू कृतिक क्षेत्राः स्टब्स्मर् व्यापादाकाक नश्हारीकेविद्याः जास्त्रकाशिक्तनः, यातः, जन्यम्याः जानेन HUR WHUNIN WISCON !

কৰি কাপিংকী পত ইকসুরক্তক লামানীয়ে যাজা করিকেন, ক্রমণ, পশ্চিমধ্যে সভ্যতী প্রকৃতি, যে লক্ষ ক্রানি সমুখে পাইকোন, তারা কুঠন ও, মধ্যক্ত

रमाक्षित्रेटक विसाम क देशक्की करिया सहसा छक्ति क्षता अहे छाटक गामानी नर्गाह्न नमम कतिहर्य উাহার অবশিষ্ট সেনারণ আদিয়া জীহার সিংভ মিলিল, তথ্ন তিনি দিলাভিমুখে যামা করিলেন। माधानी इटेटल विजी भवास वड नगर किंग डार्शर कान चारन कनकानी हिन ना व जीहान लागान সংবাদে সকল লোক গৃহাদি পরিস্তাপ করিয়া পলা-उस क्षित्राहित, बुख्तार अहे नक्त स्राप्त क्षिक केन-क्षर रहेन मा। किन्त मिली प्लीजियात श्रद्ध डीहाह रंकनात्त्व आहाँहीत सरकात अमानेन करेगांकिन, ভাষাতে অন্য উপায় অভাবে ডিনি প্রায় দক্ষ রগ-ककी द लां। रथ कदिएलमां दक्षाम र अन्तर्भात दल्यम शहे मकत बादक दीवांत्र विकृत्य शादक अञ्चलांत्रव करत कह जामकाम जिल्ला नारमत कर महात जिल्ला क कार दगरकीक शक्तमां करियाहित्वम । वि निष्ठ-3 E !

ं यस में रेड प्रशान निज्ञी में निक्री हैं शिष्ट वहें देशने, क्षत मिलीनशरप्र ४०,००० श्रेमांक्षिक बागर ५०,००० अवाद्यांकी देननामां किंग। यह देनना श्रीत नहेंगा महत्त्रम क्षात्रिक्तक इनक्ष्मराम छेला ए छ होशा देखशुत्रम-লের গহিত্ত ছুল্ক করেঁক একত সাধ্য কি, সুক্তরাৎ তিনি क्रेर्नित माध्यः वाक्रियान्तः। १ रेन्डमह रमान्यमान क्रुने व्यक्ति- स्था करिया छिनि छोहाई किछू करिएक अधिकारका नहें स्थानक छोड़ारक कुई हरेएक उनकारक स्थानवन क्यांके अवानक, खिद्धम कर्यक जांव रकान छेश्रीय नाहें। बहे विद्युष्ट्या करिया छिनि कड़कार्यक हेमना विज्ञी कारत्व नक्ष्म शांशिकेत्वन । हेग्रांका छाटन ए मन्त्रामाय क्यां हरेगा अपन काटन प्रविध रव खाइक्षिनटक रमिया सकतन अपन स्वाध कतिरक शांदब छाइक्षिनटक स्मिया जनिश्ले, प्रामिनटमादा अन्तर्व वाहित हरेरवाहै छोड़ाला श्रमीयन करते।

प्रस्तान जांसांस्थाय स्वना तृत्वाक जा शांतिश इर्णव यांच्यीत देणमा करेशा व्याख्यत युक्तार्थ साहित स्टेर्सिस, कार स्वीध्यादक व्याभीतम् कृतिश मह्मूर्थ साम वृत्विम सिर्णत । त्यांचान व्यभीतम् कृतिश सृद्धिम, साम वृत्विम स्वस्थार के मकत स्वीत जेलत सृद्धिम, सामा वृत्विम स्वस्थार के मकत विश्वकाम स्वीत माता वृद्धिक स्वित्व क्षिण क्रक्तात्व महिला । द्वित्व भागा वृद्धिक स्वीतिक स्वीतिम, क्षाणाच्य स्वापन प्रमा त्यमारक्षी विश्व क्षित्र स्वेत्व । व्हे प्रदेश्वकारम प्रमा स्वापन स्वाद्धिक स्वस्थारम्य कृति क्षाण्या स्वापन स्वापन स्वादिक स्वस्थारम्य कृति क्षाण्या स्वापन स्वापन क्षाणां स्वस्थात्व स्वस्थात्व क्षाण्य स्वापन स्वापन क्षाणां स्वस्थात्व स्वस्थात्व क्षाण्य स्वर्थन स्वया । स्वयान শাস তের্থারার নিরুপাত হাইখা ঝালারাটে পার্থান কছিল গোন। উহিছে সন্থীও সভাসন্তর্গ ঐ পথানস্থী ছইলেন।

বাকা ও মাত্রবাংশর প্রবাহনের পর ব্যর্থ প্রধান ব্য়ে ক্ষানাপার হট্টরা তৈনুরলক্তকে নির্মিশ্বর সমর্পণ করিয়া উচ্চার শারণাপ্রত ইতকেন, এবং প্রাচ্ছর ক্ষর্থ নিজে ব্যক্তির করিবলম। ইউমুর্কার ক্ষাক্ত ক্ষাক্তর ভাষ্ট্রারিগলৈ ক্ষাক্তর, দান করিবলন। ভাষাক্তর ভাষ্ট্রারিগলৈ ক্ষাক্তর, দান করিবলন। ভাষাক্তর বিভাষর প্রকার দিরতে বির্নি ব্যান্তর ও ক্রার্থিতের মান্তর ক্ষাক্তর ক্ষাক্তর বার্থে ও ক্রার্থিতের মান্তর্গত ও মৃত্যানীত্র ভারের ও ক্রার্থিতের মান্তর্গত ও মৃত্যানীত্র ভারের ও ক্রার্থিতের মান্তর্গত ও মৃত্যানীত্র ভারের ও ক্রার্থিতের মান্তর্গত ও মৃত্যানীত্র

গশকে শণ হাওঁ এবং গছে অগ্নিদান ধরিয়া জীবনাশা পারিত্যাগ প্রক্রঞ্জ শক্রদিগের অভ্যমুখে পড়িতে গারিকা। নগরের মধ্যে ভারি কোলাক্য উচিল।

তৈত্বর এইসকল বাপোরের কিছুই আনিছেন না, পরে যথন নগবের কোলংল কব্লুতর এবেল কবিল এবং গণণ্যওলে অলিকিবা ছুই এইটেছ লালিল, তথন ভিনি ভালা আনিতে পারিলা আজা দিলেন দিলীনশর কালের কুইকর, এবং আবালে রক্ষ কালাকেও জীনিত রাখিও না। সেনাগন একে জয়ে উন্মত্ত, তাথাতে এই ল্লেলা পাইল, মগর প্রবেশ করিলা ছুই লগে মার্হিক কোলাকে সংহার এবং মাহার দাহা পাইল তাহা আন্ত্রন করিতে লাগিল। বালক রক্ষ বা গ্রীলোক কালাকে ছাছিল না। এই কাও পাঁচ দিবল গর্মেও চলিল, ভালাতে দিলীকে এক প্রানীত জীবিত বহিল না, নগরেছ সকল প্রক্রেশ্ব এক প্রানীত জীবিত বহিল না, নগরেছ সকল প্রক্রেশ্ব ক্ষেত্রপ্রায় ইলা। প্রতি ক্ষেত্র মানার ক্রেলা জিলা লক্ষই শক্ষের উন্নরে প্রতিল, এবং মুশোভিত দিলীনগর শ্বশানের ন্যায় ইলা।

তৈভুরের ধনাশা ও শোণিভলিপানা এই প্রকারে নিক্স হইলে, যোজশ দিবস পরে তিনি শিথির উজে। লন করিয়া মিরটাতিমুখে যাতা করিলেন। তাঁহার সহিত যে লুভিত অর্থ চলিল ভাহার সংগ্রা করা। অসাধ্যা দিল্লীন্গরে মুস্কমান্দিগের রাজধানী হইল। শ্ববিধি ছুই শত বংসর পর্যান্ত যে ব্যক্তি যাছ। সঞ্চয়
করিছা রাখিলাছিলেন তাহাঁ তিনিক একেবারে ফাঁইট
দিয়া লইয়া চলিলেন। মিরটে যাইয়াও তিনি ঐ
দেশ সেই প্রকার দক্ষ ও তদ্দেশবাসীদিগকে খড়াসাৎ
করিলেন। তৎপরেন গলা পার হইয়া হিমালয়ের
সালিখ্যে হরিছারে যাত্রা করিলেন। গমন সমরে
হিন্তু ও মুসলমাননিগের যে সকল নগর সম্মুখে পাইন
লেন তাহাও প্রকাপ দল্ল ও লুওন করিলেন। তদনন্তর পর্যাতীয় পথ দিয়া ভাষুতে যাইয়া সিক্ষু পার
সইয়া সমরকক্ষে প্রত্যাগনন করিলেন।

চৈত্যুরলার ভারতবর্ষে যেনন আসিরাছিলেন ভেমনি প্রস্থান করিলেন। তিনি যে এই দেশ অধিকার করি-লেন ভাহার কোন ঢিক্ল রহিল না, তিনি দে সকল রাজ্য উৎসল করিয়া যান, ভাহাই ভাহার আগমনের চিক্লবর্রণ রহিল, এবং ভাঁহার পান্নাত্তে ছার্ডিক, নহামারী ও অরাজত্ব আরো র্জি ইইল।

তৈমূর, প্রভাগিকন কালে খজর খাঁ নামে ভাঁহার এক দেনাপতিকে মূলভান ও দেবলপুরের সুবাদারী কর্নে নিযুক্ত করিয়াছিলেন। খজর খাঁ ভাঁহার গম-নাস্তে:ভাঁহার নামে মুদ্রা অন্ধিত ও খুত্বা পাঠ করা-ইতে লাগিলেন।

देख्युद्वत अखाशमदम्त नेत्र हुई मान नर्गास मिनी

নগরের দিংহাসন শুনা ছিল, ভাহাতে দিলীর অধীন यांव ठीव अक्षरभ गरा लालस्यांव छेशुव्य हरेल, এবং দিলীর নিকটন্থ রাজার। সময় পাইয়া লকলে स्थीन स्रेटक वाणित्वन । प्रस्मान त्वाशिक्षक उत्भ পরাত্মখ হইবা, কজরাই প্রদেশে পলায়ন করিবাছি-**লেন** , প্রস্তাটি(মিপ্টিড উহোকে মনান্ত করেন নাই, विकास किसि बाजव-दम्बीय ब्राक्स्य अवशास इस्या-ছিলেন। ইন্ডয়ুরের প্রস্থানের গড়, ভিনি দিল্লীতে প্রভাগমন করিলেন। কিন্তু তথন জীহার কোন सामधा हिल मा, अमिशिक कैं। हात समाणाँ ककवाल-ষ্টা ভাঁহার প্রথান মন্ত্রী ছইয়। সকল রাজকর্ণ্য ব্যাতিত नानित्नम । मङ्ख्यम डीहोत इत्य नकल तोका गन-र्शन क्रिया इंडिटकागीत नाग्य कानाकुर्ज वाकिन्त । अकरोन थे। द्वारकात मर्सभग्न कड़ी इहेग्रा किन्ना-ঢারী রাজাদিধের সহিত যুদ্ধ আবিভ করিকেন, এবং অনেক রাজাকৈ পরাস্ত করিলেন। কিন্তু তৈহুরের প্রতিনিধি খন্তর খার সহিত্রুরল প্রকাশ করিতে म अरु है। याहेशा भागानित्य गमन करितना। कर 8001 हिम्म महस्मम कामाकृत्य हरेटछ-मिली नुश्रदक व्यक्तिया निर्दामतन जेपदरमन कृति-লেন।

्रम्हण्यस्मत् अवस्थानमस्मत् शत् थणत् थे। इहे हात

রগনজ্জার দিল্লী নগাবে আদিয়াছিলেন, কিন্তু মহম্মদ নগার হইতে বাহির না হইরা শিধিরমধো থাকিলেন, তাহাতে তাঁহার অভিলাম সিজা হইল না। মহম্মদ কিংশতি বংশর রাজতের গার, হিজ্ঞী ৮১৪ অলে, সূত্র হিজ্ঞাক গামন করেন। সেই অবধি কং গরতাক বংশীয় রাজাদিগার রাজার শোধ হয়।

মহন্দ্রের মৃত্যুর পর দৌলত থাঁ লোদী দিলা নগবের রাজা ইইগাছিলেন । কিন্তু পঞ্চদশ দাস অতীত
না ইউতে ইউতে থজার খাঁ, হাইট নহ্য অস্বারেছি হিল ৮১৭ ট্রন্য সম্ভিন্যাহ(জে, গুন্স্লার দিলী নগর ই ংহাই আজ্মণ, এবং দৌলত খাঁকে রাজ্যায়ত ক্রিয়া আপনি রাজ্য অধিকার করিলেন । খজার ঘাঁ ইসহদ বংশীয় ভিলেন, অভ্জব উল্লাব রাজ্যকালাবিধি ইসহদ বংশীয় ভিলেন, অভ্জব উল্লাব রাজ্যকালাবিধি

ठडूर्फ्स अभागा ।

देशप्रावश्यीय ब्राङ्गापिदणत त्राज्य

- थङ्करु थै।।

करे वर्भीय हाति सन भाक राजा रहेगाहित्तन। हैंक्स्या, दिश ५०० सर्वाय ५००० अस भरीत्र, मर्स्ट एक ०५ दश्मतः त्रांका करवन। थस्त्र था। करे वर्धीय वाकामित्भद्र आणि श्रुक्त। किनि निजीनगढ स्थिकांत्र कवर्षानस्त्र स्थादन प्रास्त्र ना कविया, द्विस्ट्य क्रिक्ट निभि स्कूल, हैंक्सि नाहम हात्रा अ सूजा प्रास्त्र अ यूक्स भाठे स्वाहेत्स सामित्नन।

देख्युद्रमान कर्चुक मिलीनगत दिनके हहेटल পत, बे ताटकात अधीन प्रमानन हाका अस्वामान्त्रता मिली गगदात अधीनक পतिलाग कैतिया शाधीन हहेगाहि-दमन, थकात थाँ। देखानिद्या गहिल ध्याय गर्थाम ब्यायस कतिलाम ध्राव करतक समस्य खालमात वसी-कृष्ट कतिरमान दिनि मगन खिलादात गत, गांक नदमत समनत्व ध्रे क्षाया गुरक निष्क हिर्द्यम् । कर १८२० हिस्स कार्यात प्रकार कार्यात कर १८२० हिस्स कार्यात प्रकार कार्यात कर विश्व नन चारतार्ग नेतिरनन ।

ে শ্বোরারক।

্মোৰায়ক পিভার ন্যায় যুক্তৰ্নের কানকেপ করিয়া-ছিলেন। মোৰারকের যে সকল শক্ত ছিল, ভাছার মধ্যে অসরত খাঁ ভাঁছাকে অনেক ক্লেশ দিয়াছিল। ঐ ব্যক্তি পৰ্বভৰাশী দম্যু, পৰ্বভীয় লোক একত ক্রিয়া সুর্বদা পঞ্জাব রাজ্যে নৌরাত্ম করিত। রাজ-দোনাপণ ঘূজার্থ গমন করিলে পর্বতশিখনে পলায়ন করিত, রাজনেনাগণ ফিরিয়া আদিলে পুনর্কার রাজ্য আক্রমণ ও 🍇 ১ন করিত : অপিকন্ত বিজ্ঞোহচারী রাজাদিপের সহিত মিলিয়া সর্বাদা বুদ্ধ করিত। মোবা-রক ইহাতে নিয়ত অসুধী পাকিতেন।

ं त्यारोहक, ১৩ वंदमञ्ज द्वांच्या कवित्व भेत्र, विक्रती ৮৩৭ অংশ কতৰণালি ছিল্ছু অকারণ জীহাতে বধ कतिका। स्मानातक चाँक शीतच्छार हिटमन, अवर कथन (कारबंद वनीकृष स्वेटकन ना । विश्व देशहांद त्नोधा बीदा किछूरे हिल ना, छाराएक छिनि जाना इक् क्रिए महिन्न गाँहै। त्रामा स्व चनकाम शहिमा-किरमन रमके बदकाय वासिना बान ।

The second second

্দোবায়কের মৃত্যুক্ত পর উহিার ইত্যাকারীরা; ভাঁহার পুত্র মহন্মনকে সিৎহামন অর্পণ করিল। । মহন্মদ পিতার অপেকা বীর্ঘাহীন ছিলেন, ভাহাতে সরভর . উन् सून् कं नारम प्रमामानधर्मा वनशी এक शिक्त उँ। शत मञ्जी हरेशा आश्रमात्र आधीश हिन्द्रुनिशटक त्रीटकात প্রধান প্রধান কর্ম প্রদান করিতে লাগিলেম এবং कृति बेटक जालमात महकाही कतिरमन । देशाय এখান্থ মানা লোকেরা ক্রুর হইলেন, এবং আপন আপ্ন বিষয়ে ব্রিত হইবার আশস্কায় ওল্লগারণ করিজেন। মন্ত্রী এই দক্ষল লোক্তক দম্ম করিবার क्षमः) दुनि थे। दक् भरेमरना পार्शहरनमः। किन्हु खे राख्यि ब्लाजभद्रको इटेश विद्यादकाद्वीमित्राद महिक মিলিয়া নগর আক্রমণ করিল। মন্ত্রীর আর আর বন্ধু ৰান্ধবেরাও ভাঁহাকে পরিত্যাপ করিয়া বিশক্ষের शक इड्डा अली दिन र शैनवन रहेटल नानिद्रमन, धवर शका इक कतिएक शांतिरंगन मा। दाना मगद द्रकार्ट्स विष्यार्कादी निर्देश नहिन्छ नेश्विकतिया मलीटक ভাহাদিলের হত্তে সমর্পন করিবেন[।] অনন্তর কুলি ची श्रीकरजी रहेदनन ।

এই সময়ে মহম্মদের পিতৃশক্ত জনমুক্ত ধাঁ পুনৰ্কার উপদ্ৰেব আরম্ভ করিল, ভাষাতে মহম্মদ ভাষার সহিতে মুদ্ধার্থে গমন করিয়া ভাষার যাবভীম নেশ ল্ঠন করিবেন। ভদনতর রাজ্যে আরিয়া ইন্দিঃসুথে নিভাত মত হইলেন, সুভরাং রাজকর্মের শৈথিলা ও আনিয়ম হইতে লাগিল।

র সময়ে বিলোলী পোন্ধী নামে এক বান্তি পাঠান বুলভান হাজা অধিকার করিলেন। রাজসেনারা প্রথমতঃ উহাদের র স্থান হইতে স্থানান্তর করিলা, কিন্ত ভংপরে তিনি বহু হৈনা সংগ্রহ করিয়া তথান আগিয়া ভাষানিগানে গুৱাজন করিলেন, এবং হাজাকে কলিয়া পাঠাটালেন যদি ভূমি মন্ত্রীকে সংহার না কর তার আদি দিল্লী নগ্র আক্রমণ করিব। নীর্যা-হান সহম্মদ নিহারে সম্ভোধার্থে মন্ত্রীকে নাই করি-লোন। এই কাপুস্থম্ব দেখিয়া উহোর প্রতি সকল লোকের অপ্রান্ত জিনিল, এবং অনেকে ভাষার অধীনার প্রিভাগ্য করিছে উদাত হইল।

অতঃপর মালবাপিপতি বছ দৈনা নইয়া দিনীর
সম্পুথে উপস্থিত ছইলেন। মহম্মদ এই বিপদ-কালে
বিলোগীলোদীকে আজ্ঞান করিলেন। বিলোলীলোদী
সংখ্যানের আজানে মইসনো আসিয়া মালবাপিপতির
করিজে সংগ্রামারত করিলেন, কিন্ত জাঁহাকে পরাস্ত
করিজে পারিলেন নায় অনন্তর মালবুরাল এক
ব্যব্দার বিলোগ নায় অনন্তর মালবুরাল এক

कार । पिछीर्यंत मिक्कत स्वस्त स्वस्त

গু : ११ । বহমদ, হিকরী ৮৪৯ জারে, পরকং ৪৫৬৯
লোক গমন করিলে নিহার পুত্র
আলাউদীন রাজ্যেশ্ব হইলেন।

वाना डेफीन।

আলাউদীন পিতা পিতামহ অপেকাও হীন্ৰল ছিলেন, এবং ভাঁহার রাজ্য আরম্ভ হইলে রাজকদ্মের এমন বিশৃত্যলা হইল যে সৈয়দ গোভীর রাজ্য কোপ ইইবার সকল লক্ষ্ণ দুল্ট হুইতে লাগিল। ভাইার

কারণ ভারতবর্ষের ভিন্ন ভিন্ন ছালে অন্তার ১৩ জান मुग्रवमान बाजा दांधीन इरेश बाजा क्रिएक्टिलन । ইহার। কেহ দিল্লীখরের প্রাভূত্ব স্বীকার করিতেন না। দিলীশর কেবল দিলীনগরতী এবং ভাহার চভুম্পার্শ ভ ৩৪ ক্লোপের মধ্যে দে সকল স্থান ছিল ভাহাতে প্রভূত করিতেম, ইহার বৃহিভূতি কোন ছানে তাঁহার किछु गांक कमला हिल ना। अवश् मिलीनशत् अ लान-মতে শাসন করিছে পারিছেন ন। অধিকদ্ধ এই আসমকালে আলাউদীনের বিপরীত বৃদ্ধি উপদ্বিত इहेल। डिनि बाजकर्म्य मत्नारयोग मा कविया वहाँ जैन महर्भत इंडिजामार्यत स्भाजा दर्फाय बकासिक इंडेटनन । दिटनाजी (कारी) श्रुक्शनिम निश्ली व मिर्झाम-ানের প্রক্রিকা করিয়াছিলেন, অতএব রাজার এই প্রকার রাজকর্মে ভাচ্ছীলা দেখিয়া রাজ্য কইবার উদ্দেশ্য कड़िएड नाशिस्म ।

जानाजें ने उपन गजामगुगरक भर्तामन निकामा करितन कर निभरम कि कर्तामा । छाराता वनित्वन क्ष्मान मन्त्री कर निभरम मुनीसृष्ठ, छारात्क नके ना करित ताना त्रकात जात जेभाग नारे। जानाजे-कीम कर भर्तामन जन्तास्य कर्तीत्क कार्तास्य करि-त्वन । मन्त्री त्काम क्षित्व कार्तास्य स्वीत्क क्ष्मा नम्बन्ध करित क्षित्व भर्मन क्षित्वन स्वार्थ क्षम् निका

व्यापीवरभीग्र हाञ्चानित्तत त्राज्ञ ।

निरलाली लामी।

পূর্বে লেখা পিয়াছে যে বিলোলী লোলী পাঠান বিং ৮০০ কিন্তু দেশীয় মনুষ্য। ইঁছার পি তামহ, মূহ ১৪৫০ কিনোজ ভোগারক রাজার রাজত্ব কালে, মূলভামের সুকানার ছিলেন। এবং ইহাঁর পিছা ও পিছুবোরা পিছু রাজ্যের ইনন্যাধাক পদে নিখুক্ত ছিলেন। সৈয়দ্দিনের রাজ্য কালে ইহাঁদিগের বিশক্ষা প্রতিপত্তি ইইয়াছিল, কিন্তু ইসমদ বংশীয় মহত্মদ সাহ ভাঁহাদিলের পারাজ্ঞনের আভিশয় দেখিয়া ভাঁহাদিগকে নামা প্রকার পীতৃন করিভেন, ভাঁহাভি উহোরা সিন্ধু তাগি করিয়া পর্মতে বাস কবিয়াছিলেন।
তদনস্তর বিলোলী লোদী স্বীয় বার্ললে প্রথমতঃ সন্তহল, তৎপরে গঞ্জাব হাজ্য, অধিকার করেন। তদনম্ভব তিনি দিলীয় নিংহাসন প্রাপ্ত হুইলেন।

্বিৰোলী গোদীর সৌভাগা ছড়িছ আর এক বিষয়ৰ व्योदक । दक्षणा कि विद्योदक यथान विद्वार्थी मार्थका व्यवसाय छिटमन छथन छिमि अब छेमानीरसद निकड़े गमनाभगन कहिटल्या अक निस्म से जिसाकीय खेला-किंड नक्न राख्तिक कविद्यान गीन एक व साहित **जामा**क हुई रहल यूसा क्षमांत कटर, हुटर आणि डाहारक मिली हाला पूर्वकात कति। अहे मधा अनिए। विद्याली कहित्वन आभाद छ्टं महत्व भूए। माडे--याल শত মুক্তা মাত আছে, যদি ইহা গ্রহণে অভিকৃতি কয় বউন। ইছা বলিয়া ভিনি গুহুহইছে বোল নাড় মুদ্রা व्यक्तिया क्रमाभीनत्य ांबत्यम । छमाभीन छाडा পारेग विकाशीक बाका मध्यापन कदिया जाधीकान कतित्तन। " विटलामीतः वयस्त्राता छीहारक आर्थव क्षिया विद्याल कीहरण नाजिन। विरक्षांनी कहिरतेन भाग भाग साथ अधा अधिक नाम, यहि 'छ। छ। हिम्रा दोक्क मारू र्य होता महलका कविक मुद्रशत विश्व कि चार्छ। যদিই তাহা না আন তথালি এক অনু বাৰ্ণিকাপ্ৰগৰ্ম TELL WITHER WINCOM REVENUE AND A PROPERTY OF THE PROPERTY OF T বিলোলী লোদী রাজ্য প্রাপ্ত হইয়া বন্ধু বান্ধন সকভাকে অনেক থন বিভরণ করিলেন, এবং ভাহাদিগের
সহিত পূর্ববাবধি যে মন্তান ছিল সেই ভাবে চলিছে
লাগিলেন। কণিত আছে ডিনি রাজা হইয়া অনেক
দিবস পর্যান্ত সিংহালনা রাজ্য করেন নাই, বলিতেন
সিংহালনে বসিয়া অনিক ফল কি আছে, রাজ্যের
সমস্ত লোকেরা আনাকে রাজা বলিয়া সন্তামণ করে
ইহাই যথেকী।

নিলী রাজ্যের অধীন ধে সকল দেশ হস্তান্তরিত শুইরাছিল ভাষা প্রনির্গিকার করেন, ইয়া বিলোলী লোদীর নিভান্ত বাদনা হইল, অভএব ভিনি নান। দিকে নানা মুন্দ আরম্ভ করিলেন। পঞ্চার রাজ্য পূর্জারধি ভাঁহার কর্ত্তাধীন হিল, ভাষা সহজেই বলী-ভূত হইল। মূলভান রাজ্যে ভাঁহার শিভামহ পুরা-দার ছিলেন, ভাষাও অধিকার করিতে অধিক ক্লেশ গাইতে হইল না। কিন্তু জোয়ানপুর অধিকার করিতে অনেক মুদ্ধাদি হইল। ভাষার বিষরণ পশ্চাৎ লেখা যাইতেছে।

এই রাজা পুর্মে দিলীর অধীন ছিল, পরে মহম্মদ তোগলকের রাজত কালে যখন দিলীরাজ্যের অধীন আর আর সকল রাজা দিলীখরের অধীন্তা ত্যাগ করিয়া স্বাধীন হইতে লাগিলেন তথন জোয়ানপুরের রাজপ্রতিনিধি খোজাজাহান রাজপ্রভুত্ব পরিন্তাগি পূর্বেক আপনি দেশের কর্তা হইলেন। তৎপরে তিনি কোরকপুর, ভাইবক, ছ্যাব ও বেহার প্রেদেশ জয় করিলেন, তাহাতে তাঁহার অত্যন্ত পরাক্রম হট্ল এবং বজদেশের রাজারা উহিাকে কর প্রদান করিতে লাগিলেন। অনন্তর চভুর্দশ শতাকীর অবসান সময়ে যথন দিল্লীনগরের পরাক্রম ব্রাকাদেহ হট্যা আসিতে লাগিল, তথন ক্রোয়ানপুরের রাজাদেহ দেদিও প্রভাগ দ্বারাজ্ব চচ্ছুংশুল হইল; এবং খিনি দিল্লীর সিংহালনে বসিতেন তিনিই ভাহা জয় করিবার চেন্টা করিতেন। কিন্তু কোন রাজা তাহা পারেন নাই।

খোজাজাহানের মৃত্যুর পর তাঁহাব পুত এব্রাহেম
সাই এই রাজ্যে ৪০ বংসর রাজত্ব করেন। এব্রাহেম
মধ্যে ২ যুদ্ধে নিযুক্ত হইয়াছিলেন, কিন্তু, তাঁহার
রাজ্যে কোন বিরোধ না থাকে এবং বিদ্যাসুশীলনের
রুদ্ধি হয় ইহা তাঁহার নিতান্ত বাঞ্ছা ছিল। বান্তবিক
তাঁহার রাজ্যে প্রজারা অভিশয় সুখী ছিল। ইভিহাসবেভারা লিখিয়াছেন যে এব্রাহেমের জুলা বিচক্র রাজা মুললমানদিগের মধ্যে কুরাপি দেখা যায়
নাই। তাঁহার রাজ্যকালে জোয়ানপুরের রাজসভা
ভারভবর্ষেরমধ্যে অভি শোভার্ক ছিল, ঐ শোভাতে

দিলীর রাজসভা একহারে জিত্যাণ ইইডাছিল। এ ভানে যে সকল অন্তালিকা, সেতু ও গবিকপান্তের হুড়াংশ অভালি প্তিয়া আত্তে ভাই। দেখিলে অন্তাল যানে বোধ হয় এ স্থান পুর্বকালে অভি মুশোভিত ও অধ্যাশালী ছিল।

এরাতেমের মৃত্যর পর মহম্মন ধাহ ঐ রাজ্যের ब्रोका क्रेग्सांकिटनमा विद्यांकी लामी निक्षी ब्रोका অধিকার করিয়া জোয়ানপুর কইবার মান্যে মহম্মদ मार्ट्यु प्रक्रिष्ठ एक चांद्र क्रिलिन, किन्नु क्रिल्यारी ছইলে প্রিলেন ন।। সহস্প সাহের মৃত্যুর পর ঐ রাক্ষ্যে উত্তরাধিক।রিছের বিষয়ে কেটা বিরোধ উপ স্তিত হইল। তথ্য বিলোলী লোগী ঐ দেশ পুনস্বার আক্রমণ করিলেন ৷ অনুস্তর হোদেন খাঁ ঐ রাজ্যের রাজ। হইয়া বিলোজী লোদীকে পলিলেন ভিনি চাবি বংশর কাল যুদ্ধ না করেন, ভাহার পর মাহা হয় করি-रवन। ७ कथाय विटलांनी लानी युटक कांछ मिटलन, এবং উভয় সম্ভিত্তে একখান নিয়মণত ইইল চারি ৰংসরের মধ্যে কেই যুদ্ধ করিবেন না। তদনশুর विदलानी लामी विद्याह ममनादर्थ शंकादन शंमन कति-লেন। হোদেন খাঁ বিশ্বাসঘাতকত। পূর্বক এ সময়ে मिली नगर आक्रमण कतिरलन। विरलाली लामी अह সংযাদ পাইয়া সম্বরে দিলীতে পুনরাগমন করিয়া

ट्राटमन चें। देशद महिन्छ द्रशांत सु कदिदलन, किन्तु काग्राच्येय নিশ্চয় হইল না। ভাহাতে পুনর্কার যুদ্ধ স্বগিতের সন্ধিপত্র হইল, ভাহাও কোন কার্যোর হইল না, যে হেড় হোসেন খাঁ। পুনর্কার যুদ্ধ আরম্ভ করিলেন। এই প্রকার ২৬ বৎসর পর্যান্ত ক্রমাণত যুদ্ধ হইল, বিলোলী लामी कि हू क्रविट्ड भारिटलन मा। उৎপরে ১৪৭৮ ष्ट्राप्त, हेमसम् यरभीय मिलीनशहतत शुक्रवाका आलाके-দীনের মৃত্যু হইলে, বদাউন দেশে জাঁহার যে বিষয়ালি ছিল হোষেদ খাঁ ভাহা যলপ্ৰ্যক অধিকাৰ কৰিলেন। ইহাতে পুনর্মার সংগ্রাম উপস্থিত হইয়া অবশেষে देश पर्या रहेन य गमात पुराशात्र मकल पण জোয়ানপুরভুক্ত এবং ভাহার পশ্চিম পারের ভাবৎ वाका मिलीत अधीन थाकिता। किन्छ এই मिक्क वछ-হি: ৮৮০ | দিবস রহিল না, পুনর্মার যুদ্ধ হইজ। থু ১৯৭৮ কং ৪৫৮০ | ভাহাতে বিলোলী লোদী হোদেন খীকে পরাম্ভ করিয়া ঐ রাক্ষা আপন পুত্র বার্বেককে দিলেন। জোয়ানপুর রাজ্য ৮০ বংসরের পর পুন-ব্বার দিলী সূক্ত হইল। হোসেন খাঁ পরাজিত হইয়া रम्भावत भवायन कतिरवन ।

এই রাজ্য ভিন্ন বিলোলী লোদী আর আর কয়েক স্থান জয় করিলেন। ভাহাতে ব্যুনার পশ্চিম বুন্দল-থও অবধি, উত্তরে হিমালয় ও পূর্বে বারাণস পর্যান্ত ভাঁহার অগিকার হইল। বিলোলীলোদী বিচক্ষণ ও সাবসান ছিলেন, এবং বিদ্যান্ত্রনীলন বিস্তাহ বিদেশ কর ১৯৮৮ আমুবাল করিভেল। তিনি, হিজারী কং দেকে চিন্ত আমুবাল করিভেল। তিনি, হিজারী কং দেকে চিন্ত আমুবাল করিছেন। কিলাকী লোদী জীবিভবান থাকিছে, জেলাক পুরুদিগকে আন্যান্য হাজ্য বিভাগ কবিল। দিয়াছিলেন। কিলা এ কর্মা যুজ্িসিছা হয় নাই, যে কেছু ভাগতে বিবাদের ভ্রুপাত হইল।

भिकम्पन लामी।

বিলোলী লোদীর মৃত্যুর পর রাজ্যের প্রপানের বিকলবের রাজ্যাভিষেকে প্রতিয়াক ঘট্যা কহিলেন, ভাতার গার্ন্তারিনী বর্ণকারের কন্যা, অভ্যুব তিনি রাজ্য হইতে পারিবেন না। তাঁহার মহোনরেরাও রাজ্যের আশাতে অপ্রধারী স্টলেন। কিং বিকশের ভাহাদিগকে পরাস্ত করিয়া আপনি সিংহামন আরোহান কা করিলেন, এবং তাঁহার পিতা তাঁহার ভাত্যপতক যে যে রাজ্য দিয়া গিয়াছিলেন ভাহার লইয়া আপন রাজ্যাভুক্ত করিতে লাগিলেন। বার্ষেক লোয়ানপুনরের রাজা হটয়ছিলেন, ভিনি সহজে ঐরাজ্য দিলেন না, ভাহাতে সিকশের ভাহার সহিত যুদ্ধ করিয়া ঐ

রাজ্য লইলেন, কিন্তু ভাহার পর স্বইচ্ছাতে ঐ রাজ্য জীহাকে অর্পণ করিলেন। তাহার কারণ—জোয়ান ইরের পুর্ম রাজ। হোলেন খী রাজাচ্যুত হইয়া বেহার অবধি অনেক স্থান অধিকার করিয়াছিলেন। এবং ब्लायानभूत लहेगात्र इंडिफाय ছिल्ला । अङ्ख्य खे রাজা ভাতাকে দিয়া ঐ দেশ রক্ষার দায় হটতে এক-ध्यकात मुक्त करेटलन। किन्छ शारमन थै। हेश्रीराङ्ख ক্ষান্ত ন। হইয়া সিককরের সহিতে যুদ্ধে প্রবৃত্ত হই-লেন ৷ সিক্তর তীহাকে পরাস্ত করি?", সবংশবে কল নেশের উত্তর দীমা পর্যান্ত পুনরপিফার করিলেন , ত্রবধি ছে.দেন খাঁ রাজা পুনঃপ্রাপ্তির আর কোন क्यों ना कतिया वक्ष (लट्य याहेश नवलील) सम्बन्ध कहिटलन ।

সিকন্দ্র ভাহার পরেও নিয়ত সংগ্রামে প্রবৃত্ত ছিলেন, কিন্তু রাজ্যের সীমা বড় রুদ্ধি করিতে পারেন नारे। तिकपत स्टानवान ७ भारत्यकाव हिल्लन, किन्न হিন্দুধর্মো তাঁহার অভ্যন্ত দ্বেষ ছিল। তিনি যে সকল হিল্পুরাজা জয় করিয়াছিলেন ভাহতে দেবালয়াদি किछूरे त्रांथिएड (मन मार्ड) मकन उन्न कतिया मम्बान নির্মাণ করিয়াছিলেন, এবং হিম্ফুদিগের যোগস্থান ও ভীর্থযাতা একেবারে বারণ করিয়া দিয়াছিলেন। সথু-রাজে যে সকল ভীর্থবাসীরা থাকিত তাহাদের নাপিত

পর্যান্ত নিষেপ করিয়াছিলেন। এই সকল অভ্যাতার দেখিয়া কোন বিজ্ঞ মুসলমান জাঁছার সহিত বাদানুবাদ করিয়াছিলেন, ভাষাতে সিকলর অজ্য নিজেবিত করিয়াবলিলেন, নরাধ্য চুই পৌতানিক পর্যাের রাজিইজ। করিল, জানিস্না এখাঁন তোর মুপ্ত ছেনন কবিন। এখাঁত সনিন্যে বলিলেন, মহারাজ আনি গোডাল প্রাের রাজি ইছে করি না, কিছু প্রজাদিগের নির্যান্তন করা রাজার কণ্ নতে। এই কপাত হাজা আরু কইলেন।

জার এক নমটো এক ব্রাহ্মণ ও এক মুসলমানে পর্মনি বিষয়ে যাদানুবাদ হইয়াছিল। ব্রাহ্মণ বলিয়াছিলেন পরেমেশ্রের প্রীতিবাঞ্জা সক্ল পর্যের মুখ্য উদ্দেশ্য, গর্মেশ্রের প্রত্য উল্লেখ্য, গ্রাহাকে ব্যপ্রকারে মাধন করিবে ভাগ্রেছ দিলে হইবে। অভ্যাব কোন ধর্মে মাধন করিবে ভাগ্রেছ দিলে হইবে। অভ্যাব কোন ধর্মে মাধন করিবে ভাগ্রেছ দিলেন। কিন্তা প্রাহ্মণকে ভাকাইয়া হাদশ জন মুসলমান পঞ্জিতের সহিত বিচার করিতে আহ্মা দিলেন। বিচারের পর, ব্রাহ্মণকে বলিলেন, ভুনি মুসলমান ধর্মা গ্রাহণ কর, নাভুলা ভোমার প্রোণ দণ্ড হইবে। ব্রাহ্মণ প্রাণদণ্ড স্বীকার কবিলেন, ভ্রাপি হিন্দুপর্মা ভাগে করিয়া মুসলমান হইলেন না। হিন্দু- দিগের প্রতি সিকদরের এই প্রকার অভ্যাচার ছিল।

তিনি ধর্মবিষয়ে অন্ধ্যায় ছিলেন, তদ্ভিন্ন তাঁহার আর দোব ছিল না।. তিনি কবিতা রচনা করিতে পারি-তেন, এবং বিদ্বান লোকের যথেচিতে গৌরব করি-তেন। সিকন্দর ২৮ বংশর রাজন্ম করিয়া ১০১৬ অব্দেশরলোক শন্সন করিন।

अखां (क्या

বিজন্দরের মৃত্যুর পর, ভৎ পুত্র এমুগ্রেম বিংহ:-मन আह्वाहर्भ कहिएलम्। अद्वाहरूम् कालि धारसारी ছিলেন টুটিকার এই সংক্ষার ছিল, যে রাজালা ঈশ্র कुला मसूबा, कांत कांत्र मजन मसूबा कैंक्शिमत দাস। অভএব তিনি সকল সনুষ্ঠকে অবজা কৰিয়া জাজ। দিয়াছিলেন মন্ত্রী বা সভাসদ কোন বাক্তি ভাঁচার সম্মুখে বসিভে পারিবেন না, সকলে ভাঞ্জনি-वक्त इहेब्रा म्छाब्रमान थाकित्वन । अहे क्षकांत्र गाड-স্কার আচরণে তিনি সকলের অপ্রিয় হইলেন, এনং ভক্ষনা অনেক স্থানে বিদ্যোহ উপস্থিত হইতে লাগিল ে এবাছেম এই প্ৰল বিজোই কতক নিবা-ৰু ১৫২৪ বুল কড়িলেন, কিন্তু অবশেষে পঞ্জাবে কং ৬৬২৬ বুদ্ধ উপত্তিত হইলে, তথাকায় भामनकडी फीलफ थैं।, वायदब्र महायुखा छ। धीर्यना क्रिकान, नानत छाँहात शर्य धर्म क्रिकान ।

ৰাৰৰ কৈমুৱলজেৱ হংশীয়, অথাৎ কৈমুৱ ভাঁছাৱ অভিরুদ্ধপ্রিমহ ছিলেন। ইত্যুরের মৃত্যুর পর ভাঁহার দাজা থণ্ড থণ্ড ইইয়া ভাঁহার প্রক্র ও পৌত্র-গণের মণে। বিভক্ত হটয়।ছিল। বাবেরের পিতা ওমার रमथ श्रथण्डः कांद्रन दाका शाह्याहित्वन, छरशस्त ভিন্নি एए परिवार्क कर्याम त्रांका आंख करत्रम् । शांवव फांबल उनमब रगरम शिज्हींस हहेगा ১৪৯८ ध्केंकि অব্দি নানা প্রকার যদে । প্রবৃদ্ধ ছিলেন। তদনস্কর निर्मित क युन शाला लिखिक कार्यन, अन्य जालानायक देखनगरामा त्यांकी से किलिंगि कार चारतर्गाक আপেনাৰ গৈলুক রাজা জ্ঞান ক্যিয়া তাহা অধিকারের আকাক্ষাতে ভিলেন। অভেত্ত দৌলত বাঁ উহোকে আহ্ব'ন করিলে ভিনি মহাহলাদে পঞ্জারে আলিফা मध्याच आवस कतिराजन, जायर कारहाव व आह करह-क्षेत्र नगद अधिकाद कविष्ठा विश्लीतक बाला कदित्वन । মালা হাথথ বাজ্যে নিয়েটে উপস্থিত হইয়াছিল, फ हाइन्ड जिनि कार्यन म हेश भे छेशन्तर भे छ। बहि-লেন। কংগরে ভারতবর্ষে আলিয়া পানিপতে দিলীর যাজার সহিত মুদ্ধ করিলেন। ঐ মুদ্ধে দিলী-শার এক লক্ষ্যেনা এবং এক সহত্র রগমাভুদ লইখা शिवाद्वित्वत् । वानदत्त्व त्वत्वत् ५२,००० शर्माछ समा ছিল: অভএব ভিনি শ্বৰং আক্রমণ করিতে না

পারিয়া চারি দিগে বক্ষঃপ্রানাণ উচ্চ মৃত্তিকার প্রাচীর দিয়া সৈন্যগণকে ভন্মপো রাখিলেন, এবং কামান সকল চর্মাণু ছালে বন্ধন করিয়া সম্মত্যে সাতী দিয়া রাখাইজেন। खद्रादश्यक एकाय देशनाग्राधक धूर्यवनी कदिया द्रांथि-লেন। কিন্তু শক্ত আত্র আসিয়া আক্রমণ করিবার অপেশানা করিয়া বাস্ত হইয়া আপনি শক্তর গড प्याक्रमण करिएनम् । लिख बोबएदद् रेमन्त्रभेगरक श्रेतास করিতে পারিবেন মা. ভাষারা গড়ের মধ্যে থাকিয়া **ब्बरण कामान इ।िऽ।इ व।िंगण। व्यनस**्थ छ।श्रामिश्रक ঐ বান হ⇒তে ভানালুর করিবার মানল করিল, ভাষাতে আশ্নারতি ভিন্ন ভিন্ন হইয়া প্রভিন্ন তথন ধারর ভাষ্টাদগকে আক্রমণ করিলেন। এই আক্রমণে এন্ত্রাহেরের তাবৎ সৈন্য পলায়ন করিল, রণ্যেক শবে भू २०२७ रे भूर्व ४२ेल, ध्वाट्म कालति ४० ४३८लन, रू^{० २०२৮} रे **अवर राजत मिन्नी**त तालगिरशासन छाल इड्डान ।

এই অবৃধি পাঠান ও তহংশীরদিবের রাজা শেষ হইল। পাঠান রাজারা প্রায় চিন শত বংশর এই দেশে রাজত্ব করিয়াছিলেন। কিন্তু তাঁহাদিপের কোন গোঠী বা পরিবার তিন পুরুষের অধিক কাল রাজত্ব করিতে পারেন নাই। এই পাঠান রাজাদিগের মধ্যে অনেকেই কীত দাশ ছিলেন। তাঁহারা রাজালু- প্রহে হউক বা দুর্ক ভতা ও বিশ্বাস্থাতকতা দারা রাজ্য প্রাপ্ত হইয়া দিলেন! ইহা দিলের রাজজ্ঞালে ভারত-বর্ব অতি অবন্তভাবে ছিল, তাহা অবশা স্বীকার করিতে হইবে। যেহেতু পর্মান্ধ মুগলমান সেনারা বিন্দুপর্ট্টে বেন করিত, এবং ছিন্দুগন্ধ পর্যান্ত সম্থাক করিছে পাবিত না। কিন্তু পর্যান্তর মন্ত্র্যাকে কিপ্তান্তর মুখী বা দুংখী করেন ভাহা কেইই বলিতে পারেন না। এই রাজাদিগের অত্যাদার ও দৌরাল্যাখালির না। এই রাজাদিগের অত্যাদার ও দৌরাল্যাখালিয়া বেলের মুখা ও স্বৌজাদিগের অত্যাদার ও দৌরাল্যাখালিয়া বিলালিয়ার রাজ্য কালে এক একনার অভ্যান্ত নাই। উল্লাদিগের রাজ্য কালে এক একনার অভ্যান্ত আভ্যানার ও মধ্যে মধ্যে কুশাসন হইতে বটে, কিন্তু আভ্যানার ও মধ্যে অনেকে উন্তম্মরণো শাসন করিয়াদ্দেন, এবং ভাহাদের রাজ্য কালে প্রজ্ঞানা মুখী ও দৌ সাল্যাখালী ছিল। ইতি।

বিভীয়ভাগ সমাপ্ত।